राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक अखबार

क्राइम रिव्यू

साहस सच लिखने का

वर्ष : 05 अंक 20
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00/– रू.
UPHIN/2014/6776

लखनऊ
रविवार, 28 अक्टूबर 2018
www.crimereview.co.in
www.facebook.com/crimereview
@crimereview2012

स्वामी के अनुसार वर्मा अच्छा काम कर रहे हैं, प्रधानमंत्री पुनर्विचार करें

अहमदाबाद। भाजपा सांसद ने बृहस्पतिवार को कहा कि सीबीआई निदेशक एक ईमानदार अधिकारी हैं जो भ्रष्टाचार पर लगाम कसने का 'अच्छा काम' कर रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से वर्मा के विरूद्ध उठाये गये कदम पर पुनर्विचार करने को कहा। स्वामी ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री पर पूर्ण विश्वास है। किन्तु उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके 'आसपास के लोग' मोदी के साथ साथ भाजपा के हितों को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। वर्मा और सीबीआई के विशेष निदेशक राकेश अस्थाना के बीच मतभेद चल रहे थे तथा सरकार ने मंगलवार रात्रि को उनके सारे अधिकार लेते हुए उन्हें अवकाश पर भेज दिया। एक कार्यक्रम में यहां भाग लेने के लिए आए स्वामी ने संवाददाताओं से कहा कि भ्रष्टाचार के विरूद्ध लड़ाई में वर्मा 'अच्छा काम' कर रहे हैं। भाजपा सांसद ने कहा, 'मैं प्रधानमंत्री से अनुरोध करता हूं कि वह सीबीआई निदेशक आलोक वर्मा को हटाने के बारे में पुनर्विचार करें।' स्वामी ने कहा, 'आलोक वर्मा एक ईमानदार अधिकारी हैं जबकि अस्थाना एक भ्रष्ट अधिकारी हैं।' यह पूछे जाने पर कि अस्थाना के विरूद्ध वह जो आरोप लगा रहे हैं, क्या उसके कोई सबूत उनके पास हैं, स्वामी ने कहा कि वह समुचित साक्ष्यों के बिना कुछ भी नहीं बोलते हैं। उन्होंने कहा, 'नीरव मोदी भाग गया, मेहुल चोकसी भाग गया, (विजय) माल्या के मामले में लुक आउट नोटिस को कमतर किया गया ताकि वह जा सके। ये चीजें भ्रष्टाचार के खिलाफ भाजपा की मुहिम को कमजोर कर रही हैं जबकि उसने विदेशों में रखे गये काले धन को वापस लाने का वादा किया है।' स्वामी ने यह भी कहा कि यदि पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम के खिलाफ चल रही वर्तमान जांच में प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी राजेश्वर सिंह को हटा लिया जाता है तो वह उन भ्रष्टाचार मामलों से हट जाएंगे जो उन्होंने वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के खिलाफ दाखिल किए हैं।

वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के खिलाफ विभिन्न मामले दायर कर चुके स्वामी ने दावा किया कि भाजपा में भी चिदंबरम के कई 'शुभचिंतक' हैं जो उन्हें बचाने का प्रयास कर रहे हैं। बहरहाल, उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया। उन्होंने कहा, 'मैं उच्चतम न्यायालय में चिदंबरम के खिलाफ दायर किए सारे मामले, नेशनल हेराल्ड (मामले) सोनिया एवं राहुल गांधी के विरूद्ध दायर मुकदमा तथा शशि थरूर के खिलाफ उनकी पत्नी की (कथित) हत्या के मामले से खुद को अलग कर लूंगा।' भाजपा नेता ने कहा, 'मैं जबकि पार्टी एवं राष्ट्र के हित में इन मामलों को लड़ रहा हूं, (हमारे) भीतर से कोई हमें पीठ पर छुरा मारने का प्रयास कर रहा है। मैं और क्या कर सकता हूं।'

संघ-भाजपा समन्वय बैठक में प्रयागराज कुंभ पर हुआ व्यापक मंथन

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी ने आज कहा कि प्रयागराज में आगामी कुंभ के आयोजन को भव्य बनाने की तैयारी में संगठन जी जान से जुटेगा। राजधानी लखनऊ में कल हुई संघ के संगठनों और भारतीय जनता पार्टी संगठन की समन्वय बैठक में कुंभ और धार्मिक नगरों के विकास कार्यों को लेकर व्यापक मंथन हुआ। यह जानकारी भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता चंद्रमोहन ने श्भाषाश से बातचीत में दी। उन्होंने कहा, श्कुंभ का बडा आयोजन हो रहा है। इस आयोजन को अधिक से अधिक भव्य कैसे बनाया जाए, इसमें संगठन की क्या भूमिका हो सकती है, इस बारे में प्रमुखता से चर्चा की गयी। उन्होंने कहा कि चाहे अयोध्या में दीपावली मनाना हो या अयोध्या से जनकपुर की बस सेवा शुरू करना, ब्रज के विकास का कार्य हो या काशी के विकास का, नैमिषारण्य तीर्थ को विकसित करने की बात हो या इलाहाबाद का नाम बदलकर प्रयागराज करने का फैसला हो . ... इन सब निर्णयों और कार्यों के साथ जनता को कैसे और बेहतर तरीके से जोड़ा जाए, इस बारे में बातचीत हुई। यह पूछने पर कि क्या 2019 के लोकसभा चुनावों को लेकर कोई चर्चा की गयी, चंद्रमोहन ने कहा, श्बैठक पूरी तरह गैर राजनीतिक थी। यह संघ के स्वयंसेवकों की बैठक थी। उत्तर प्रदेश को कैसे और बेहतर बनाया जाए, इस बारे में संघ के स्वयंसेवकों ने विचार विमर्श किया।श उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के पुनर्निर्माण के संदर्भ में राज्य सरकार की ओर से किये जा रहे विकास कार्यों की समीक्षा की गयी। प्रवक्ता ने बताया कि अंत्योदय के लिए सरकार की ओर से किये जा रहे कार्यों की बैठक में प्रशंसा हुई। इन कार्यों को आगे बढाने के बारे में बात हुई।

परिकर को मुख्यमंत्री बने रहने के लिए मजबूर किया जा रहाः वेलिंगकर

पणजी। आरएसएस की गोवा इकाई के पूर्व प्रमुख सुभाष वेलिंगकर ने आरोप लगाया है कि भाजपा हाईकमान मुख्यमंत्री मनोहर परिकर पर उनके खराब स्वास्थ्य के बावजूद पद पर बने रहने का दबाव बना रहा है ताकि पार्टी राज्य में सत्ता में बनी रहे। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने वेलिंगकर के आरोप को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि परिकर को मुख्यमंत्री पद पर बने रहने के लिए मजबूर नहीं किया जा रहा है और उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है।

वेलिंगकर ने मांग की कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री की सेहत के बारे में जानकारी दे। उन्होंने आरोप लगाया, 'वह (सरकार) लोगों को बेवकूफ बना रही है। परिकर को पूर्ण आराम की जरूरत है। दुर्भाग्यवश, दिल्ली में भाजपा हाईकमान गोवा में सत्ता में काबिज रहना चाहता है इसलिए वह परिकर को आराम नहीं करने दे रहे। ये लोग सत्ता के भूखे हैं।श मंड्रम विधानसभा क्षेत्र में अपने समर्थकों की एक सभा को संबोधित करने के बाद वह संवाददाताओं से बात कर रहे थे। यहां के विधायक दयानंद सोप्ते इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हो गए थे जिसके चलते यहां उपचुनाव होने वाला है। परिकर की आलोचना करने वाले वेलिंगकर को आरएसएस की गोवा इकाई के प्रमुख के पद से वर्ष 2016 में हटा दिया गया था। बाद में उन्होंने गोवा सुरक्षा मंच के नाम से एक नए राजनीतिक दल का गठन किया। दल ने पिछले साल विधानसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ा था। वेलिंगकर ने कहा कि राज्य सरकार को परिकर के स्वस्थ होने तक किसी और व्यक्ति को मुख्यमंत्री बना देना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं महसूस करता हूं कि यह सरकार भंग होगी और गोवा विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ होगा। वेलिंगकर ने कहा, 'भाजपा अब विचारधारा वाली पार्टी नहीं रह गई है।श भाजपा की गोवा इकाई के प्रमुख विनय तेंदुलकर से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि ऐसी कोई बात नहीं है कि परिकर को मुख्यमंत्री पद पर बने रहने के लिए भाजपा हाईकमान मजबूर कर रहा है। उन्होंने कहा, 'उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है और वह नवंबर से कामकाज संभाल लेंगे।

किसानों से किया राहुल ने वादा, कहाः कांग्रेस की सरकार आपकी सरकार होगी

सीकर। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि प्रदेश में बनने वाली कांग्रेस की सरकार किसानों की सरकार होगी। यहां कांग्रेस की संकल्प महारैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'किसानों की आवाज मुख्यमंत्री कार्यालय, मंत्रियों के कार्यालय में सुनाई देगी। कांग्रेस की सरकार में किसान, छोटे दुकानदार, युवाओं की आवाज सुनाई देगी।' उन्होंने कहा कि राजस्थान के हर जिले में कांग्रेस पार्टी की सरकार खाद्य प्रसंस्करण का कारखाना लगायेगी। युवाओं को उस कारखाने में रोजगार मिलेगा और राजस्थान के किसान अपनी उपज सीधे उस कारखाने में जाकर बेच सकेंगे। उन्होंने कहा, 'हमारा मुख्यमंत्री 24 घंटे में से 18 घंटे युवाओं को रोजगार देने में लगा देगा। पूरा दम लगा देंगे।' प्रदेश में बंद किये गये 25 हजार स्कूलों का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा, श्हम आपके लिए अच्छी गुणवत्ता वाले सरकारी स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय यहां खोलेंगे।श गांधी ने कहा कि हम राजस्थान के हर गरीब को मुफ्त में फिर से दवाई दिलवायेंगे। गांधी ने कहा, 'नोटबंदी मत भूलिये, दो साल पुरानी बात है, मत भूलिये क्योंकि वही पैसा आपकी जेब से निकालकर अनिल अंबानी, नीरव मोदी मेहुल चौकसी की जेब में गया है। वह पैसा आपका है और कांग्रेस पार्टी की सरकार उसी पैसे को आपकी जेब में, मनरेगा में, आपके स्कूल और कॉलेज बनाने में, विश्वविद्यालय बनाने में डालेगी और हम उद्योगपतियों को आपकी कमाई तथा खून–पसीने का पैसा, किसान की मेहनत का पैसा नहीं देंगे।'

परिकर के स्वास्थ्य पर बोले गोवा के मंत्री, करिश्मा हो सकता है

पणजी। गोवा के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे ने मुख्यमंत्री मनोहर परिकर के स्वास्थ्य के बारे में पूछे जाने पर गुरूवार को कहा कि उनका हमेशा से यह मानना रहा है कि करिश्मा हो सकता है। राणे ने संवाददाता सम्मेलन में परिकर के स्वास्थ्य के बारे में सवालों का जवाब देते हुए कहा कि इस मुद्दे पर बात करने के लिए वह उपयुक्त व्यक्ति नहीं हैं क्योंकि इस विषय पर उनके (परिकर के) परिवार का अधिकार है। परिकर (62) अग्नाशय संबंधी बीमारी से पीड़ित हैं और वह दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में कई दिनों तक भर्ती रहे थे। हफ्ते भर पहले उन्हें यहां नजदीक के डोना पॉला स्थिति अपने आवास में लाया गया। राणे ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'मुख्यमंत्री के परिवार के सदस्य ही उनके स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जानकारी दे सकते हैं। यह उनका अधिकार है ना कि मेरा । मुझे लगता है कि हमे इस पर संवाददाता सम्मेलन में चर्चा नहीं करना चाहिए।' मंत्री ने कहा कि कई बार ऐसा होता है कि लोग चिकित्सा विज्ञान की अवहेलना कर भी स्वस्थ हो जाते हैं। इसलिए प्रार्थना कीजिए। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि नये मुख्यमंत्री का सवाल ही नहीं पैदा होता।

जगनमोहन रेड्डी पर हुए हमले के बाद प्रभु ने एजेंसियों को जांच करने के दिए निर्देश

मुंबई। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री सुरेश प्रभु ने गुरूवार को विशाखापत्तनम हवाईअड्डे पर वाईएसआर कांग्रेस अध्यक्ष वाई एस जगन मोहन रेड्डी पर हमले की निंदा करते हुए सभी संबंधित एजेंसियों से मामले में पूरी तरह जांच करने को कहा। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आंध्र प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता रेड्डी पर विशाखापत्तनम हवाईअड्डे पर एक शख्स ने धारदार वस्तु से हमला कर दिया था जिससे उनके कंधे में मामूली चोट आई। प्रभु ने हमले को कायराना बताते हुए कहा कि दोषियों को दंडित किया जाएगा। मंत्री ने ट्वीट किया, 'जगन रेड्डी पर हमले से हतप्रभ हूं। सभी एजेंसियों से मामले में पूरी तरह जांच करने को कहा है। नागर विमानन सचिव से भी जिम्मेदारी तय करने को कहा है।' उन्होंने ट्वीट किया, 'मैं इस कायराना हमले की कड़ी निंदा करता हूं। हम दोषियों को दंडित करेंगे। जांच चल रही है जो तत्काल शुरू हो गयी थी।'

राफेल जांच को बाधित करने के लिए CBI निदेशक की जासूसी करा रही सरकार

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार राफेल 'घोटाले' को 'दबाने' के लिए सीबीआई निदेशक आलोक वर्मा की 'जासूसी' का सहारा ले रहे हैं। इससे पहले सूत्रों ने दावा किया था कि आलोक वर्मा के आधिकारिक आवास के बाहर चार लोगों को 'घूमते' पाया गया। पुलिस उन लोगों से पूछताछ कर रही है। पुलिस उपायुक्त मधुर वर्मा ने हालांकि इस बात से इनकार किया कि चार लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। लोकसभा में कांग्रेस के नेता नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी के वरिष्ठ नेता अभिषेक सिंघवी ने एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि राफेल–ओ–फोबिया से पीड़ित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीबीआई की जासूसी और निगरानी में शामिल हैं। इन आरोपों पर प्रधानमंत्री कार्यालय से तत्काल प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी। खड़गे ने वर्मा को हटाए जाने पर आपत्ति जताते हुए प्रधानमंत्री को पत्र भी लिखा है। खड़गे और सिंघवी ने आरोप लगाया कि खुफिया ब्यूरो ऐसे अधिकारी की जासूसी कर रहा था जो राफेल घोटाले में संदेहास्पद लेन–देन का खुलासा करने वाले थे। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्विटर पर लिखा, 'सीबीआई निदेशक को रात में दो बजे अवैध रूप से हटा दिया गया। आज, आईबी के चार सदस्य उनके घर के बाहर घूमते हुए पकड़े गए।' उन्होंने इसे रोमांचक मोड़ बताया जहां अपराध और राजनीतिक कुचक्र का मेल होता है। पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री पर आरोप लगाया था कि राफेल 'घोटाले' की जांच से रोकने के लिए वर्मा को हटाया गया। वित्त मंत्री अरुण जेटली ने हालांकि इन आरोपों को खारिज किया है।

दिल्ली के सरकारी स्कूल में मची सनसनी, टॉयलेट में मिला नर कंकाल

नयी दिल्ली। रोहिणी जिले के अलीपुर इलाके में स्थित मुखमेलपुर गांव में एमसीडी के एक स्कूल में एक टैंक के भीतर से एक मानव कंकाल मिला है। पुलिस ने गुरूवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्कूल प्रशासन ने बुधवार शाम को इस घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने बताया कि सफाई के काम में जुटे कुछ श्रमिकों ने टैंक में एक खोपड़ी और कुछ हड्डियां देखी। उन्होंने तत्काल इस बारे में स्कूल प्रशासन को सूचित किया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अपराध एवं फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) के साथ पुलिस मौके पर पहुंची। कंकाल कितना पुराना है, स्त्री का है या पुरुष का, यह एफएसएल की रिपोर्ट से ही पता चल सकेगा। पुलिस स्कूल प्रशासन और टैंक की देखरेख से जुड़े लोगों से भी पूछताछ कर रही है। जानकारी के मुताबिक कुछ साल पहले गांव के आसपास से या गांव से कौन–कौन लोग गायब हुए हैं उनकी तलाश हो रही है। नर कंकाल कितना पुराना है और यह नर कंकाल मेल है या फीमेल यह पूरी तरह साफ नहीं हो पाया है। जानकारी के अनुसार टॉयलेट और उसके अंदर का टैंक कई सालों से बंद पड़ा था। दरअसल जब मजदूर पुराने टॉयलेट के बगल में नए टॉयलेट की लाइन बना रहे थे उस वक्त उन्हें टैंक में नरकंकाल मिला।

समान विचारधारा वाली पार्टियां नेता के तौर पर करेंगी राहुल का समर्थनः अमरिंदर

तेल अवीव। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने यकीन जाहिर किया है कि देशहित को सर्वोपरि मानने वाली 'समान विचारधारा' की सभी विपक्षी पार्टियां 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा की अगुवाई वाले राजग के खिलाफ संयुक्त गठबंधन के नेता के तौर पर कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी का समर्थन करेंगी। अमरिंदर ने यह भी कहा कि राहुल के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी 2019 में सत्ता में वापसी करेगी, क्योंकि भाजपा से लोगों का 'पूरी तरह मोहभंग' हो चुका है और वे 'सकारात्मक बदलाव' चाहते हैं।

एक उच्च–स्तरीय शिष्टमंडल के साथ पांच दिन की यात्रा पर इजरायल आए अमरिंदर ने कहा कि भारत को एक युवा एवं जिंदादिल नेता की जरूरत है ताकि देश को मौजूदा समस्याओं से मुक्ति दिलाई जा सके और वैश्विक मानचित्र पर इसे ठोस रूप में दोबारा स्थापित किया जा सके। अमरिंदर ने बताया कि राहुल में प्रधानमंत्री बनने की सारी काबिलियत है। मैंने हमेशा कहा है कि देश की अगुवाई करने के लिए वह सबसे सही शख्स हैं।

पंजाब के मुख्यमंत्री से पूछा गया था कि क्या वह वाकई मानते हैं कि देश का शासन चलाने के लिए राहुल सही शख्स हैं। उन्होंने कहा कि लोग भाजपा के कुशासन से त्रस्त हो चुके हैं। उन्होंने कहा, 'भाजपा से लोगों का पूरी तरह मोहभंग हो चुका है और वे सकारात्मक बदलाव चाहते हैं।' कांग्रेस नेता ने कहा, 'पेट्रोल–डीजल की बढ़ती कीमतें, देश के आर्थिक हालात... , देखिए कि डॉलर के मुकाबले रुपए की क्या हालत हो गई है, भाजपा की ओर से कराया जा रहा ध्रुवीकरण, बड़े पैमाने पर कायम बेरोजगारी, केंद्र के कई मंत्री जिस तरह से काम कर रहे हैं...लोग यह सब देख रहे हैं और इससे त्रस्त हो चुके हैं।' अमरिंदर ने कहा, 'भाजपा का वक्त पूरा हो चुका है। राहुल के नेतृत्व में कांग्रेस देश की कमान संभालने और इसे प्रगति एवं समृद्धि की राह पर फिर से लाने के लिए तैयार है।' उन्होंने कहा कि पूरी कांग्रेस पार्टी अभी चुनावी मूड में है। उन्होंने कहा, 'मैं और हम सभी अपनी पूरी ताकत झोंकने के लिए तैयार हैं, ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि पार्टी को हर सीट पर जीत मिले।'

यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्षी पार्टियां राहुल को संयुक्त विपक्षी गठबंधन के नेता के तौर पर स्वीकार करेंगी, उन्होंने कहा कि देशहित को सर्वोपरि मानने वाली समान विचारधारा की सभी पार्टियां नेता के तौर पर उनका स्वागत पूरी गर्मजोशी से करेंगी। उन्होंने कहा, 'अन्य विपक्षी पार्टियां जानती हैं कि कांग्रेस एकमात्र पार्टी है जो भाजपा के खिलाफ प्रभावी प्रचार अभियान चला सकती है। वे यह भी जानती हैं कि राहुल संयुक्त विपक्ष का नेतृत्व करने में पूरी तरह सक्षम हैं। जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, अभी अहम यह है कि देश को भाजपा एवं उसके सहयोगियों के कुशासन से बचाने के लिए सही तरह का गठबंधन हो।'

अमरिंदर ने उम्मीद जताई कि कांग्रेस मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और मिजोरम के आगामी विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब में कांग्रेस अकेले दम पर चुनाव जीतेगी और उसे वहां किसी सहयोगी की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा, 'हमने कांग्रेस आलाकमान को भी यह बता दिया है। लेकिन हमने उनसे यह भी कहा है कि अंतिम निर्णय उन्हें ही करना है।

वर्षो इंतजार बाद मिला नया राशन कार्ड

आजमगढ़ (एजेंसी)। पिछले दस साल से राशन कार्ड से दूर रहे उपभोक्ताओं को जब नए कलेवर का राशनकार्ड मिला तो उनके चेहरे खिल उठे। उपभोक्ता महिलाओं ने राशन कार्ड को अपने माथे से लगाया और देर तक निहारा कि उन्हीं का फोटो है या किसी और का। यह कार्यक्रम जिला पूद्दत अधिकारी कार्यालय में गुरुवार को आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष जयनाथ सिंह थे। उन्होंने अपने हाथों से 50 उपभोक्ता महिलाओं को राशन कार्ड वितरित किया। इसमें 25 अंत्योदय कार्ड व 25 पात्र गृहस्थी कार्ड की महिलाएं थीं। इसी के साथ पूरे जनपद के 22 ब्लाक में अभियान चलाकर राशन कार्ड का वितरण किया जाएगा। समारोह को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष जयनाथ सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मेहनत व पहल का नतीजा है कि आज 10 साल बाद लोगों के हाथों में राशन कार्ड आया है। इसका श्रेय पूरी तरह से सरकार को जाता है। सरकार पूरी तरह से गरीबों व मजलूमों के लिए काम कर रही है। यही नतीजा है कि अब अंत्योदय व पात्र गृहस्थी के कार्डधारकों को मिलने वाले खाद्यान्न की कीमत एक रेट पर मिलेगी। जिला पूद्दत अधिकारी देवमणि मिश्रा ने कहा कि वर्ष 2005 में राशन कार्ड बना था। इसके बाद 2010 में राशन कार्ड एक्सपायर हो गया। उसके बाद से राशन कार्ड बनाने की प्रक्रिया चल रही है लेकिन अभी तक राशन कार्ड नहीं बन पाया था। इसके बनने में आठ साल का समय बीत गया। आठ साल बाद अब पात्र गृहस्थी का सफेद व अंत्योदय का गुलाबी राशनकार्ड दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके बाद ब्लाकवार सभी उपभोक्ताओं को राशन कार्ड समारोहपूर्वक वितरित किया जाएगा। इस अवसर पर एआरओ अनिल यादव, पूद्दत निरीक्षक विजय कुमार साहनी, इंद्रासनी यादव, आनंद यादव, संजय सिंह, रामप्रवेश, उदयराज निषाद, पदमाकर तिवारी, मिथिलेश सिंह, विकास सिंह, वीरेंद्र यादव, रविरंजन वरिष्ठ कार्यालय सहायक राजेश कुमार, विशाल, अशोक, आफताब, त्रिभुवन यादव आदि थे।

तीनों जिले के पीओ डूडा को कारण बताओ नोटिस

आजमगढ़ (एजेंसी)। मंडलायुक्त जगतराज ने गुरुवार को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की समीक्षा की। इस योजना में प्रगति धीमी पाए जाने पर मंडल के तीनों जनपदों के परियोजना अधिकारी, डूडा को कारण बताओ नोटिस जारी किया। एक सप्ताह के अंदर कारण स्पष्ट करने का निर्देश भी दिया है। मंडलायुक्त ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रति शासन पूरी तरह गंभीर है तथा प्रदेश के मुख्य सचिव द्वारा इस बिंदु की वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रत्येक माह के द्वितीय एवं चतुर्थ सोमवार को नियमित रूप से समीक्षा भी की जा रही है, परंतु मंडल के तीनों जनपदों में इस योजना में उपलब्धि लक्ष्य से काफी कम है। इससे स्पष्ट है कि संबंधित अधिकारियों द्वारा इसके प्रति पूरी संजीदगी नहीं दिखाई जा रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी की जनपदवार समीक्षा के दौरान पाया कि जनपद आजमगढ़ में कुल स्वीकृत 3898 आवासों के सापेक्ष 2533 की ही जीओ टैगिंग की गई है तथा 2500 आवासों के लिए प्रथम किस्त एवं 555 आवासों के लिए द्वितीय किस्त जारी की गई है। लक्ष्य के सापेक्ष मात्र 3.44 प्रतिशत आवास ही अब तक पूर्ण हो सके हैं। इसी प्रकार जनपद में कुल स्वीकृत 5600 आवासों के में से 3912 की जीओ टैगिंग, 3477 आवासों के लिए प्रथम किस्त एवं 1960 आवासों के लिए द्वितीय किस्त जारी की गई है। मऊ में 9.38 प्रतिशत आवास पूर्ण पाए गए। तीन जिलों में योजना की प्रगति का हाल मंडलायुक्त ने इस योजना में जनपद बलिया की प्रगति की समीक्षा में पाया कि बलिया में कुल स्वीकृत आवास 4849 हैं, परन्तु जीओ टैगिंग मात्र 4405 आवासों की ही हुई है। 3862 आवासों के लिए प्रथम एवं 411 आवासों के लिए द्वितीय किस्त जारी की गई है। यहां 6.41 प्रतिशत आवास पूर्ण पाए गए। कहा कि 10 अक्टूबर को आयोजित मंडलीय समीक्षा बैठक के लिए उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार आजमगढ़ में जीओ टैगिंग 2329, मऊ में 3751 एवं बलिया में 4405 थी। इसी प्रकार जनपद आजमगढ़ में प्रथम एवं द्वितीय किस्त जारी आवासों की संख्या क्रमशः 2329 एवं 505, मऊ में 3364 एवं 1681 तथा बलिया में 3862 एवं 411 थी। इसी प्रकार पूर्ण आवासों का प्रतिशत आजमगढ़ में 2.83, मऊ में 4.43 एवं बलिया में 6.41 था। उन्होंने कहा कि उक्त समीक्षा बैठक में तीनों जनपद के परियोजना अधिकारी, डूडा को एक सप्ताह के अंदर अपेक्षित प्रगति लाने का निर्देश दिया गया था। इसके बावजूद पर्याप्त समय व्यतीत हो जाने के बाद भी 22 अक्टूबर को आयोजित वीडियो कांफ्रेंसिंग के लिए जो विवरण उपलब्ध कराए गए हैं उससे स्पष्ट होता है कि उच्चस्तर से प्राप्त निर्देशों पर संबंधित अधिकारियों द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया गया।

छात्र समेत दो लोगों ने लगाई फांसी

लखनऊ (एजेंसी)। बंथरा के बीबीपुर गांव में बीए के छात्र राहुल रावत (19)ने गुरुवार सुबह दुपट्टे से पेड़ में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस का कहना है खुदकुशी का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। वहीं, पीजीआई में घरेलू कलह में मोटर मैकेनिक जावेद (28)ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। दोनों ही मामलों में पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। बंथरा के बीबीपुर गांव निवासी बेचालाल रावत किसान हैं। उनका बड़ा बेटा राहुल रावत बीए द्वितीय वर्ष का छात्र था। गुरुवार सुबह वह घर से निकल गया। इसके बाद वह नहीं लौटा। दोपहर में ग्रामीणों ने परिवारीजनों को बताया कि राहुल का शव गांव के बाहर जामुन के पेड़ से लटक रहा है। सूचना पर पुलिस पहुंची और शव को नीचे उतारा। पुलिस का कहना है राहुल ने फांसी क्यों लगाई? इसका कारण ज्ञात किया जा रहा है। दूसरी ओर पीजीआई वृन्दावन चिरैयाबाग निवासी जावेद मोटर मैकेनिक था। बुधवार रात उसका पत्नी उजमा से विवाद हो गया। वह दूसरे कमरे में लेटने चला गया। सुबह उजमा सोकर उठी तो देखा कि दुपट्टे से छत के पंखे में जावेद का शव लटक रहा था। पुलिस का कहना है घरेलू कलह में जावेद ने फांसी लगाकर जान दी है।

भाजपा नेतृत्व अति पिछड़ों और अति दलितों को पृथक आरक्षण देने में आनाकानी कर रहा : अजीत प्रताप सिंह

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर की पार्टी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने एक बार फिर अपने सहयोगी दल भारतीय जनता पार्टी को कटघरे में खड़ा किया है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राणा अजीत प्रताप सिंह ने गुरुवार को लखनऊ में प्रेस कान्फ्रेंस में आरोप लगाया कि गठबंधन के समय वादा करके भी भाजपा नेतृत्व अति पिछड़ों और अति दलितों को पृथक आरक्षण देने में आनाकानी कर रहा है। उन्होंने बताया कि इसी मुद्दे पर 'गुलामी छोड़ो–समाज जोड़ो के नारे के साथ उनकी पार्टी 27 अक्टूबर को लखनऊ के रमाबाई अम्बेडकर मैदान में महारैली करेगी। श्री राणा ने कहा कि गठबंधन के समय भाजपा नेतृत्व से हुई बातचीत में इस बात पर स्पष्ट सहमति बनी थी कि पिछड़ों के 27 प्रतिशत आरक्षण कोटे को तीन श्रेणियों में बांटकर ओबीसी के उन वर्गों को भी इंसाफ दिलाया जाएगा जिन्हें अभी तक आरक्षण का समुचित लाभ नहीं मिल सका है। इसी तरह दलितों के आरक्षण को तीन श्रेणियों में बांटते हुए अति दलितों को भी पृथक आरक्षण कोटा दिलाने की बात तय हुई थी। मगर प्रदेश में सरकार बनने के डेढ़ साल बाद भी इस दिशा में कुछ भी नहीं हो सका। सिर्फ अति पिछड़ों के हालात का अध्ययन करवाने को एक कमेटी बना दी गई। श्री राणा ने इस कमेटी को झुनझुना करार दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह से उनकी पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर की कई दौर की बात हो चुकी है मगर इस दिशा में कोई कारगर कदम नहीं उठाया जा रहा है। यह पूछने पर कि जब आप लोग भाजपा नेतृत्व से इतने नाराज और असहमत हैं तो फिर गठबंधन छोड़ क्यों नहीं देते? श्री राणा ने प्रतिप्रश्न किया–क्यों छोड़ दें गठबंधन, अगर भाजपा और हमारी सरकार अति पिछड़ों व अति दलितों का पृथक आरक्षण तय नहीं करेगी तो फिर कौन करेगा? उन्होंने याद दिलाया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तो बाकायदा इस बाबत सदन में घोषणा भी कर चुके हैं। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव भी उनकी पार्टी भाजपा के साथ मिलकर ही लड़ेगी और उस चुनाव में भी अति दलितों व अति पिछड़ों के पृथक आरक्षण को चुनावी मुद्दा बनाएगी।

पड़ोसी ने किसान को किया घायल

लखनऊ (एजेंसी)। मोहनलालगंज के अतरौली में किसान ने घर में लूट के इरादे से घुस पड़ोसी को रंगेहाथ पकड़ लिया। विरोध होते देख आरोपी किसान पर कुल्हाड़ी से हमला कर नगदी व जेवर लूट कर फरार हो गया। घायल को अस्पताल भेजा गया। अतरौली निवासी शत्रोहन के मुताबिक उनके पड़ोस में लेखराज रहता है। 11 अक्टूबर की रात खटपट की आवाज होने पर नींद खुली तो पड़ोसी को सामने पाया। शत्रोहन ने उसे पकड़ने का प्रयास किया। इस पर लेखराज ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। गम्भीर रूप से घायल शत्रोहन को ट्रामा सेन्टर में भर्ती कराया गया था। जहां से छुट्टी मिलने के बाद घर पहुंचे किसान ने पुलिस को वारदात की जानकारी दी। इंस्पेक्टर धीरेन्द्र प्रताप कुशवाहा ने बताया कि दोनों के बीच मारपीट हुई थी। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

रोडवेज कर्मियों ने सातवें वेतनमान का बकाया मांगा

लखनऊ (एजेंसी)। परिवहन निगम मुख्यालय कर्मचारी यूनियन ने सातवां वेतनमान का बकाया पैसा मांगा है। इस संबंध में गुरुवार को एक पत्र यूनियन के अध्यक्ष प्रेमशंकर यादव की ओर से प्रबंध निदेशक को दिया है। पत्र में शासन की अनुमति से सातवें वेतनमान का भुगतान किया गया। पर एक अप्रैल 2018 से सातवें वेतनमान का बकाया भुगतान नहीं किया गया। जबकि प्रदेश सरकार के सभी कर्मियों को सभी बकाया डीए व वेतनमान एरियर का भुगतान किया जा चुका है। ऐसे में यूनियन ने दिवाली से पहले सातवें वेतनमान का भुगतान करने की मांग की है।

ननद, जेठानी व देवर को 10 वर्ष कैद

जौनपुर (एजेंसी)। खुटहन थाना क्षेत्र के जैनपुर में मोटरसाइकिल की मांग को लेकर विवाहिता की दहेज हत्या करने की आरोपी सास, ननद, जेठानी व देवर को अपर सत्र न्यायाधीश एफटीसी प्रथम महेंद्र सिंह ने 10 वर्ष कारावास व 6 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाया। राजपत यादव निवासी करंजाकला, सरायख्वाजा ने खुटहन थाने में प्राथमिकी दर्ज कराया था। अभियोजन के अनुसार वादी की पुत्री शशिकला की शादी जैनपुर गांव निवासी राजेश यादव के साथ 29 मई 2010 को हुई थी। विवाह के बाद सास शोभा, ननद सीमा, जेठानी निर्मला व देवर रमेश दहेज में मोटरसाइकिल की मांग को लेकर शशिकला को यातनाएं देते हुए मारते पीटते थे। मांग पूरी न होने पर 16 नवंबर 2012 को सुबह उस पर मिट्टी का तेल छिड़ककर उसे जला दिया। कोर्ट ने गवाहों के बयान एवं दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद चारों आरोपियों को दोषी पाते हुए सजा सुनाई।

एक्ट में संशोधन पर दवा प्रतिनिधियों में उबाल

आजमगढ़ (एजेंसी)।उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सेल्स प्रमोशन इंप्लाइज (सेवा शर्ते) एक्ट में किए गए संशोधन के विरोध में दवा प्रतिनिधियों ने गुरुवार को शहर में जुलूस निकाला। इसके बाद वह कामरेड मांग दिवस का बैज लगाकर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और जमकर नारेबाजी करते हुए विरोध–प्रदर्शन किया। दवा प्रतिनिधियों ने सचिव, श्रम मंत्रालय भारत सरकार को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंप एक्ट को वापस लेने की मांग की। साथ ही मांग पूरी न होने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी। इस दौरान संगठन के अध्यक्ष प्रशांत सिंह ने कहा कि सेल्स प्रमोशन इंप्लाइज (सेवा शर्ते) एक्ट 1976 में किए गए संशोधन के खिलाफ है। एक्ट 2017 का बिल बिना हमारे संगठन से चर्चा किए पास करा लिया जो न्याय संगत नहीं है। यदि सरकार हमारी मांगें पूरी नहीं करेगी तो हम आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस अवसर पर सुभाष सिंह, देवनाथ सिंह, विपिन पाठक, सुरेश शुक्ला व शक्ति राय सहित आदि लोग उपस्थित थे।

पालीथिन मुक्त शहर,चलाया हस्ताक्षर अभियान

लखनऊ (एजेंसी)। शहर का पर्यावरण सुधारने और पालीथिन मुक्त शहर बनाने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया गया, बाजार में आने जाने वालों को कपड़े का थैला भी दिया गया। वृक्ष कल्याणम् के सचिव विपिनकांत के नेतृत्व में इन्दिरानगर की भूतनाथ बाजार में हस्ताक्षरअभियान चलाया गया। जिसमें लोगों से पालीथिन मुक्त शहर बनाने के लिए संकल्प भी दिलाया गया। संगठन ने भूतनाथ बाजार में खरीदारी करने आए लोगों को कपड़े के थैले भी दिए और वादा लिया कि आइंदा बाजार आएं तो कपड़ा का थैला लेकर आएं। संगठन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील की है कि वह पालीथिन प्रतिबंध को सख्ती के साथ लागू करें। डीएस शुक्ला व ई. राजीव गोयल ने बाजार के सभी दुकानदारों से इस कार्य में सहयोग करने की अपील भी की। इस अवसर पर सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति कमल किशोर, ई. आरपी सिंह, आईके भारद्वाज और दीपचन्द चतुर्वेदी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

दंगल में अव्वल प्रदर्शन करने वाले पहलवानों को सम्मानित किया

लखनऊ (एजेंसी)। नगराम के पतौना गांव में दशहरा माह के पूर्णमासी पर आयोजित दंगल में अव्वल प्रदर्शन करने वाले पहलवानों को सम्मानित किया गया। दो दिवसीय दंगल में कानपुर, वाराणसी, लखनऊ व उन्नाव समेत कई जिलों से आए करीब 30 पहलवानों ने हिस्सा लिया।

मीट एट आगरा का शुभारंभ करेंगे केन्द्रीय मंत्री

आगरा (एजेंसी)। इंटरनेशनल लैदर, फुटवियर, कम्पोनेन्ट्स एंड टैक्नोलॉजी फेयर मीट एट आगरा का 12 वां संस्करण इस बार सरकार की मदद से एफमेक द्वारा नेशनल हाइवे टू स्थित गांव सींगना में होगा। 26 से 28 अक्टूबर तक होने वाले इस फेयर का शुभारंभ केंद्रीय वा णिज्य व उद्योग मंत्री सुरेश प्रभु करेंगे। इस फेयर के साथ ही नवनिर्मित आगरा ट्रेड सेंट का भी लोकार्पण होगा। आगरा फुटवियर मेन्यूफेक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स चौम्बर एफमेक के अध्यक्ष व नॉर्थ रीजन के चेयरमैन पूरन डाबर ने बताया कि छह हजार वर्ग मीटर कवर्ड एरिया में यह विशाल फेयर लगाया जा रहा है। मुख्य हॉल में फुटवियर कॉम्पोनेंट व लैदर से संबंधित 190 स्टॉल तथा दूसरे हॉल में तकनीक व मशीनरी से संबंधित 65 स्टॉल समेत कुल 255 स्टॉल प्रदर्शनी में लगेंगे। आगरा, दिल्ली, नोएडा, कानपुर, कलकत्ता, चेन्नई व जालंधर सहित भारत के विभिन्न भागों तथा चाइना, फ्रांस, ब्राजील, स्पेन, ताइवान, इंडोनेशिया, बांग्लादेश सहित एशियन व यूरोपियन देशों की 200 कंपनियां सहभागिता करेंगी। पूरन डाबर ने कहा कि इस फेयर की अवधारणा आगरा के निर्यातकों के समूह ने अपनी सप्लाई चेन को मजबूती प्रदान करने के लिए की थी। इरादा था, विश्व की नई फुटवियर मशीनरी और कॉम्पोनेंट्स से नियमित अपग्रेड होते रहना। सन् 2007 में शुरुआत से वर्ष 2018 में 12 वें संस्करण में प्रवेश तक मीट एट आगरा दुनिया के प्रमुख लैदर और फुटवियर कंपनियों के कलैण्डर में अहमियत पा चुका है। जूता निर्यातकों के साथ घरेलू निर्माताओं के बीच भी इस फेयर ने मजबूत पकड़ बनाई है। उन्होंने कहा कि विश्व स्तरीय कंम्पोनेन्ट्स के बिना कोई भी उत्पाद अंतराष्ट्रीय स्केल नहीं पा सकता है। संजय प्लेस स्थित होटल पीएल पैलेस में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान पूरन डाबर ने बताया कि प्रदेश सरकार के एमएसएमई मंत्री सत्यदेव पचौरी, एससी आयोग के अध्यक्ष व सांसद डॉ. रामशंकर कठेरिया, मंडलायुक्त अनिल कुमार, जिलाधिकारी एनजी रवि कुमार, चर्म निर्यात परिषद के चेयरमैन मुख्तारुल अमीन, उपाध्यक्ष पीआर अकील अहमल, कार्यकारी निदेशक आल सेल्वम, कार्यसमिति सदस्य हबीब हुसैन, सेंट्रल लैदर रिसर्च इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. बी चंद्रशेखरन, स्टेट बैंक के सीजीएम आलोक चौधरी के साथ केन्द्र व प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उद्घाटन समारोह में प्रमुख रूप से मौजूद रहेंगे।

फिल्मी गीतों पर थिरकते नन्हें मुन्नों ने कदम

लखनऊ (एजेंसी)। फिल्मी गीतों पर थिरकते कदम, दिलकश कव्वाली की प्रस्तुति देखकर हर कोई वाहवाह कर उठा। नन्हें मुन्नों के थिरकते कदमों संग लोग झूमने पर मजबूर हो गये। मौका था लिटिल मिलेनियम अलीगंज की शाखा के दसवां वार्षिकोत्सव के आयोजन का. संगीत नाटक अकादमी के संत गाडगे प्रेक्षगृह में हुए वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी। वार्षिकोत्सव में लिटिल मिलेनियम एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ रमन बजाज संग कई लोग मौजूद रहे। मेरा दुश्मन है जाने क्यो जमाना वार्षिकोत्सव के रंगारंग कार्यक्रम का आगाज गणेश वंदना से हुआ।

इसके बाद नर्सरी ग्रुप के बच्चों ने थ्री इडियट के गानें पर अपनी प्रस्तुति दी। इसके बाद लव यू जिंदगी गीत पर प्रस्तुति देकर वाहवाही लूटी। वहीं इसके बाद नन्हें मुन्नों ने कव्वाली मेरा दुश्मन है जाने क्यों जमाना पर कव्वाली के अंदाज में ही पेशकर सबकी तालियां बटोरी। इसके अलावा छोटी सी आशा शीर्षक ने एक स्किट पेश किया। आकर्षक प्रस्तुति के साथ बच्चों के परिधानों ने सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। कोई स्टोरी टेलर तो कोई वेडिंग प्लानर की वेशभूषा में नजर आया। पुस्तक का हुआ विमोचन वार्षिकोत्सव के दौरान डॉ. तुषार चेतवानी की पुस्तक एग्जाम्स डिकोडेड का विमोचन किया गया। लिटिल मिलेनियम एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ रमन बजाज, एसके शर्मा व दिलीप झा ने पुस्तक का विमोचन किया। लेखक डॉ. तुषार चेतवानी ने बताया कि यह पुस्तक उन बच्चों के लिए है जो हार्ड वर्क के साथ स्मार्ट वर्क करते है। इसको तीन भागों में बांटा गया है। जिसमें एग्जाम से पहले तैयारी कैसे करे, लंबे लंबे उत्तर व कठिन शब्द कैसे याद करे, सफलता व असफलता मिलने पर क्या करे इसके बारे में बताया गया है।

बरखू राम हत्याकांड में वांछित अबू सलेम का गुर्गा गिरफ्तार

आजमगढ़ (एजेंसी)। देवगांव कोतवाली पुलिस ने गुरुवार की सुबह कैथीशंकरपुर मोड़ के समीप से बरखू राम हत्याकांड में वांछित चल रहे अंडरवर्ल्ड डान अबू सलेम के गुर्गे को गिरफ्तार कर लिया। बाइस वर्ष पूर्व देवगांव क्षेत्र में हुए हत्याकांड में वह वांछित था। अंडरवर्ल्ड डान के जेल में जाने के बाद से ही वह छिपकर रहता था। पकड़ा गया उक्त बदमाश इश्तियाक अहमद पुत्र कमरुद्दीन ग्राम बसई अकबालपुर थाना देवगांव का निवासी बताया गया है। देवगांव कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अखिलेश मिश्र ने बताया कि उक्त बदमाश अंडरवर्ल्ड डान अबू सलेम का गुर्गा है। अबू सलेम के साथ रहकर पूर्व में वह सोने की तस्करी के साथ ही हवाला का भी कारोबार करता था। तस्करी के सामान के साथ उसे वर्ष 2002 में पुलिस ने दिल्ली एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किया था। तिहाड़ जेल से जमानत पर छूटने के बाद उसने वर्ष 1996 में देवगांव कोतवाली क्षेत्र के बसही गांव में अनुसूचित जाति के व्यक्ति बरखू राम की अपने साथियों के साथ मिलकर हत्या कर दी थी। इसके बाद सिधारी थाना क्षेत्र में भी उसने एक व्यक्ति की हत्या की घटना को अंजाम दिया था। हत्या के बाद से ही वह पुलिस की पकड़ से फरार चल रहा था। बरखू राम हत्याकांड में इश्तियाक के साथ कुल चार आरोपित शामिल थे। जिनमें तीन आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। कोर्ट से तीनों आरोपितों को आजीवन कारावास की सजा हुई। सजा के बाद इश्तियाक भागकर विदेश चला गया था। वहां कुछ माह तक रहने के बाद वापस भारत आ गया था। इस बीच सजा के दौरान एक हत्यारोपित की जेल में ही बीते वर्ष मौत हो गई। जबकि दो हत्यारोपित अब भी जेल में बंद हैं। पुलिस की पकड़ से फरार होने के चलते कोर्ट ने इश्तियाक की फाइल अलग कर दी थी। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने हत्यारोपित इश्तियाक के घर पहुंच कर कुर्की की कार्रवाई भी कर चुकी है। इसके बाद भी वह कोर्ट में हाजिर नहीं हुआ। अंडरवर्ल्ड डान अबू सलेम जब गिरफ्तार हो गया तो उसका गुर्गा इश्तियाक पुलिस की पकड़ से बचने के लिए मुंबई, जौनपुर व आजमगढ़ में छिपकर रहता था। फरारी के दौरान वह अपना खर्च चलाने के लिए चार–पांच हजार रुपये की पगार में ड्राइवरी भी करता था। गिरफ्तार किए गए इश्तियाक का पुलिस ने बाइस वर्ष पूर्व हुए बरखू राम हत्याकांड के मुकदमे में उसका चालान कर दिया।

जयपुर से भागे बच्चों के बैग में मिले लाखों रुपए, पुलिस ने दिखाई सतर्कता

आगरा (एजेंसी)। आगरा पुलिस की सतर्कता से दो बच्चे गलत हाथों में पड़ने से बच गए। दोनों बच्चे जयपुर से लाखों रुपये लेकर आगरा आए थे। छत्ता पुलिस ने इन्हें देखा तो पूछताछ की। इसके बाद उन्हें अपने साथ थाने लाकर परिजनों को सूचित किया। परिजनों ने बच्चों के सकुशल होने पर राहत की सांस ली। जयपुर में परिजनों ने अपहरण का मुकदमा पंजीकृत कराया था। बच्चों को देखकर परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। परिजन बच्चों को लेकर जयपुर चले गए। बच्चों के घर से इस तरह आने की घटना ने अभिभावकों को सतर्क कर दिया है। जयपुर के थाना मुरलीपुरा क्षेत्र निवासी दो बच्चे आगरा में वाटर वर्क्स चौराहे पर खड़े थे। नए कपड़े पहने बच्चों को जब पुलिस ने देखा तो कुछ संदेह हुआ। उनसे पूछताछ की और बैग की तलाशी ली तो पुलिस चौंक गई। पुलिस को बैग में पांच लाख दस हजार रुपए नगद मिले। इसके बाद उन्हें थाना छत्ता में लाया गया। थाना छत्ता पुलिस इंस्पेक्टर सुभाष कठेरिया ने बताया कि बच्चों ने पूछताछ में बताया कि वे घर से भागकर आए हैं। कृष्णा सैनी और ओमवीर दोनों कक्षा आठ के छात्र हैं और जयपुर के एक स्कूल में पढ़ते हैं। कृष्णा की बहन की शादी है और घर में रखे साढ़े पांच रुपये लेकर वो ओमवीर के गांव जाने के लिए निकला। ओमवीर का गांव जसवंतनगर इटावा में है। घर से स्कूल ड्रेस से निकले थे लेकिन, रास्ते में नए कपड़े खरीद लिए और ड्रेस फेंक दी। परिजनों को फोन कर सूचना दी गई। आगरा पुलिस की सतर्कता के चलते बच्चों को सकुशल पाकर परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। जयपुर के मुरलीपुरा थाने में अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया गया था। जयपुर पुलिस के साथ आए परिजनों को बच्चों को सौंपा गया। परिजनों ने बताया कि घर में साढ़े पांच लाख रुपये थे। करीब चालीस हजार रुपये बच्चों ने कपड़ों और मोबाइल में खर्च कर दिए। लेकिन, वे खुश हैं कि बच्चे उन्हें सुरक्षित मिले और रुपये भी। पुलिस ने बच्चों को परिजनों को सौंप दिया है।

राजकीय वाहन चालको ने जवाहर भवन आमसभा में सरकार को चेताया

लखनऊ (एजेंसी)। आन्दोलन के एक माह बीत जाने के बाद भी सरकार द्वारा राजकीय वाहन चालकों की मांगों पर विचार न होने से आहत राजकीय वाहन चालकों ने आज जवाहर भवन इन्दिरा भवन पर आम सभा कर अपना विरोध दर्ज कराया। बीस सितम्बर से चल रहा राजकीय वाहन चालक महासंघ का आन्दोलन अब वर्क टू रूल और गेट सभा के माध्यम से सरकार का ध्यानाकर्षण कराया गया। इस गेट सभा की अध्यक्षता शशिकांत राय और संचालन सुशील कुमार सिंह द्वारा की गई। महासंघ के अध्यक्ष रामफेर पाण्डेय कहा कि महासंघ फिलहाल शांति पूर्ण तरीके से सरकार के समक्ष अपनी मांगे रख रहा है अगर सरकार ने ध्यान न दिया तो आन्दोलन तेज किया जाएगा। महासंघ के सलाहकार त्रिलोक सिंह ने कहा कि ऐसा लगता है जैसे सरकार हमें अपना हिस्सा ही नही मान रही है। ऐसी स्थिति में केवल आन्दोलन तेज करने के अलावा कोई रास्ता नही बनता। वाणिज्यकर विभाग के महामंत्री प्रेम प्रकाश ने बताया कि '' वर्क टू रूल'' आन्दोलन से वाणिज्यकर विभाग के सचल दस्ते न चलने से लगभग 2500 करोड़ की राजस्व वसूली प्रभावित हो गई है। सिंचाई विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद कुमार नेगी ने कहा कि अब समय आ गया है कि चालक एकता सरकार को अपनी एकता से परिचित करा दे। महामंत्री मिठाई, सिंचाई विभाग के प्रमोद कुमार नेगी, शकील अहमद, कृषि विभाग के जे.पी. यादव, कैलास सिंह ने पूरे प्रदेश की समीक्षा के उपरान्त बताया कि आन्दोलन शत प्रतिशत सफल है। उन्होंने कहा कि आन्दोलन को धार देने पर ही सरकार हमारी मांगे सुनेगी इसलिए आन्दोलन को तेज करना चाहिए। जवाहर भवन इन्दिरा भवन पर आयोजित इस आम सभा को शकील अहमद, ओपी तिवारी, रामविलास यादव, सरवर अली, वीरेन्द्र सिंह, अरविन्द सिंह बिष्ट, गोपाल अनिल कुमार मिश्रा रामनरेश मौर्या, सोहन यादव, मोहन गुप्ता, शशिकांत राय, सूरज यादव, प्रेमप्रकाश, राजकुमार गुप्ता, निर्मल कुमार सोनकर, रामशंकर यादव आदि ने सम्बोधित किया। लोनिवि के मीडिया प्रभारी रजनीश सिंह और संगठन मंत्री रमेश सिंह ने बताया कि महासंघ की मुख्य मांगों में उ.प्र. राजकीय वाहन चालकों को मौलिक नियुक्ति का ग्रेड वेतन 1900 के स्थान पर 2000 रूपये ,उत्तराखण्ड सरकार की भाति राजकीय वाहन चालकों की प्रतिषत व्यवस्था को समाप्त करने, स्टॉफ कार चालक पदोन्नति स्कीम से अनुपात हटाये जाने।चालकों के रिक्त पदो पर भर्ती,पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाली, सरकारी गाड़ी का बीमा कराने, सरकारी गाड़ी सफाई का भत्ता चालक को दिये जाने, चालक पद पर भर्ती नियम में संशोधन किये जाने, सरकारी वाहन का दुरूप्रयोग करना बन्द किये जाने, निजी गाड़ियों को टैक्सी में चलाना बंद कराने, चालकों के भत्ते एवं समयोपरि भत्ते की बढ़ोत्तरी के अनुसार किये जाने, इन्टर मीडियट राजकीय वाहन चालकों को लिपिक या अन्य संवर्ग में 20 प्रतिषत आरक्षण सुनिश्चित किये जाने और राजकीय वाहन चालकों से सम्बंधित समस्त शासनादेष निगमों, परिषदों,स्थानीय निकायों, कारपोरेशन व प्राधिकरणों में यथावत लागू किये जाने और निर्वाचन डियुटी के दौरान राजकीय वाहन की मरम्मत हेतु विभागीय मद से देय धनराशि को 1000 की जगह 5000 दिये जाने की मांग शामिल है।

किशोरी को ले जाना रिपोर्ट दर्ज

पछायगांव/इटावा (एजेंसी)। थाना क्षेत्र के ग्राम भाऊपुरा निवासी 17 वर्षीय किशोरी को अज्ञात व्यक्ति गांव के रामस्वरुप अड्डा के पास से अपने साथ बहला फुसलकार भगा ले गया। अतः जानकारी पर लड़की के भाई ने थाना क्षेत्र में अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। मामला दर्ज कराते हुए लड़की के भाई ने बताया कि उसकी बहन दोपहर के समय बाजार गई हुई थी। लेकिन काफी देर हो जाने के बाद भी वह घर नहीं लौटी तभी परिवार वालों ने परेशान होकर आस पास लड़की को तलाश किया। लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। अतः अज्ञात बहला फुसलाकर लड़की को अपने साथ भाग ले गया। अतः थाना पुलिस ने किशोरी के भाई की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली।

बारह दिवसीय यूपी महोत्सव का आगाज दीपदान से हुआ

लखनऊ (एजेंसी)। प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट द्वारा आयोजित बारह दिवसीय यूपी महोत्सव का आगाज दीपदान और गोमती आरती के साथ हुआ। गोमती तट स्थित झूलेलाल वाटिका पर ट्रस्ट के पदाधिकारियों व सदस्यों ने दीप दान व गोमती आरती में भाग लिया। दीप दान व गोमती आरती की शुरुआत आदि मां गोमती की आरती से हुई। इस दौरान हाथों में दीपक लेकर संस्था सदस्यों ने मां गोमती की आरती कर स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इसके बाद 501 दीपक गोमती में प्रवाहित कर गुरुपूर्णिमा पूजन किया।

नाजायज चाकू सहित गिरफतार

इटावा (एजेंसी)। फ्रेण्डस कालोनी थाना उपनिरीक्षक सुदेश कुमार अपने हमराहियों के साथ गश्त पर थे। उसी दौरान थाना पुलिस टीम ने क्षेत्र के अर्न्तगत ग्राम कोकपुरा पचावली रोड पर एक व्यक्ति का संदिग्ध अवस्था में जाते देखा। पुलिस द्वारा संदेह पर उस व्यक्ति को रोक लिया गया। पुलिस टीम द्वारा रोक लेने पर व्यक्ति घबरा गया। तलाशी पर पुलिस ने व्यक्ति के कब्जे से 01 अदद नाजायज चाकू बरामद कर व्यक्ति को गिरफतार कर लिया गया। पूछताछ पर अभियुक्त ने अपना नाम शंकर पुत्र लघुपति निवासी कोकपुरा थाना फ्रेण्डस कालोनी इटावा बताया। थाना पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया।

रेलवे स्टेशन परिसर से बाइक चोरी

इटावा (एजेंसी)। रेलवे स्टेशन परिसर के पास से चोर मौका पाकर पक्का बाग निवासी आशीष पुत्र प्रेमनारायण की मोटर साइकिल चोरी कर ले गये। अतः जानकारी होने पर आशीष ने आस पास बाइक को तलाश किया। लेकिन उनकी बाइक नहीं मिली। परेशान होकर आशीष ने सिविल लाइन थाने में अज्ञात के खिलाफ रिपोट दर्ज कराई। अतः थाना पुलिस ने आशीष द्वारा जानकारी पर अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। पुलिस चोरों की तलाश कर रही है।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा युवा ने भारत बंद में अपना समर्थन दिया

लखनऊ (एजेंसी)। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा युवा ने राम मन्दिर निर्माण व एससी–एसटी कानून में संशोधन के समर्थन में 30 अक्तूबर को होने वाले भारत बंद में अपना समर्थन दिया है। यह घोषणा गुरुवार को प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अवनीश सिंह ने की। उन्होंने कहा कि भाजपा महज राजैनितिक फायदे के लिए राम मंदिर को चुनावी मुद्दा बनाती है। उन्होंने कहा कि सरकार एससी–एसटी कानून में संशोधन कर सकती है, पर राम मंदिर निमार्ण के लिए कोई कानून पारित नहीं कर रही है। वहीं प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र प्रताप ने कहा कि राम मंदिर हिन्दू समाज के लिए आस्था का प्रतीक है। कोई भी राजनैतिक पार्टी चुनावी फायदे के लिए इसे मुद्दा न बनाए। इस दौरान शिवसेना के प्रदेश महासचिव संतोष दुबे, कौशलेन्द्र सिंह आदि लोग शामिल रहे।

छात्रों ने सिखाए निवेश के गुर

लखनऊ (एजेंसी)। फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन के लखनऊ–कानपुर अध्याय और आईआईएम लखनऊ के इन्वेस्टमेंट क्लब ने व्यक्तिगत वित्त के प्रबंध पर महिलाओं को जानकारी दी। चलो अपने पैसे कमाएं पैसे से विषय कार्यक्रम का आयोजन गोमतीनगर के कंगारू किड्स इंटरनेशनल स्कूल में किया गया। फिक्ली लेडीज ऑर्गनाइजेशन की रेणुका टंडन ने महिलाओं को आगे की योजना और अपने वित्तीय लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए रणनीति बनाने की सलाह दी। आईआईएम–एल के छात्रों ने बाजारों में निवेश करने, व्यक्तिगत और पारिवारिक वित्त बनाए रखने और निष्क्रिय आय की अवधारणा, महिला उद्यमियों और कॉर्पोरेट अधिकारियों के बीच वित्तीय स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अपने अनुभव साझा किए। इस आयोजन में अन्य लोगों के अलावा अंजू नारायण, पूजा गर्ग, सीमू घई, रोहिता सूरी और वंदिता अग्रवाल ने भाग लिया।

सरकारी गल्ला गौदाम में बड़े पैमाने पर हो रही घटतौली

महेवा/इटावा (एजेंसी)। सरकार द्वारा गरीबों को मिलने वाला सरकारी गल्लें को लेकर गल्ला गौदामों में बड़े पैमाने पर घटतौली हो रही है। इस सम्बन्ध में डीएम सेल्वा कुमारी जे ने मामलें की जांच कर कार्यवाही का आश्वासन दिया। इटावा जिले में आज कल सरकार की मंशा को ताक पर रखकर सरकारी गल्ला गोदामों पर बड़े पैमाने पर घटतौली के मामले सामने आ रहे है। अतः बिना किसी नाप तौल के राशन डीलरों को राशन की बोरियां दी जा रही है। ऐसा ही एक मामला इटावा जिले के महेवा सरकारी गल्ला गोदाम का सामने आया है। अतः जिला मुख्यालय से आये सरकारी गल्ले की बोरियों को राशन डीलरों के ट्रैक्टर मे बिना किसी तौल के लोड किया जा रहा है। लेकिन कुछ लोग एंव मीडिया गल्ला गोदामों पर पहुंची तो फौरन गोदाम प्रभारी द्वारा ट्रक्टर को वहां से हटा दिया और गोदाम में गल्ला की बोरियां उतारने लगें। जब गोदाम प्रभारी से मीडिया द्वारा बात की गई तो उसने कहा कि मुझे सरकार द्वारा कोई धर्मकांटा प्राप्त नहीं कराया गया। गोदाम प्रभारी ने कहा कि राशन की बोरियां लोड कराने के बाद वह किसी भी धर्मकांटे पर इसकी तौल करा लेते है। इस सम्बन्ध में जिलाधिकारी से दूरभाष के माध्यम से बात की गई तो उन्होंने उक्त मामलें की जांच कर कार्यवाही का आश्वाससन दिया।

प्रदेश में चुने हुए पंजीकरण केन्द्रों पर दो सामान्य सम्पर्क शिविर आयोजित

लखनऊ (एजेंसी)। माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0 इलाहाबाद की वर्ष 2019 की इण्टरमीडिएट की व्यक्तिगत परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए पत्राचार शिक्षा के एकवर्षीय एवं द्विवर्षीय पाठ्यक्रम में पंजीकृत स्वयंपाठियों की अध्ययनगत कठिनाइयों के निराकरण के लिए प्रदेश में चुने हुए पंजीकरण केन्द्रों पर दो सामान्य सम्पर्क शिविर (प्रथम सम्पर्क शिविर दिनांक 26.10.2018 से 04.11.2018 तक एवं द्वितीय सम्पर्क शिविर दिनांक 12.11.2018 से 21.11.2018 तक) एवं चार विज्ञान सम्पर्क शिविर (प्रथम सम्पर्क शिविर दिनांक 26.10.2018 से 04.11.2018 तक, द्वितीय सम्पर्क शिविर 12.11.2018 से 21.11.2018 तक तृतीय सम्पर्क शिविर 22.11.2018 से 01.12.2018 तक एवं चतुर्थ सम्पर्क शिविर 02.12.2018 से 11.12.2018 तक) आयोजित किये जा रहे हैं। यह जानकारी अपर शिक्षा निदेशक श्रीमती कीर्ति गौतम ने देते हुए कहा कि पत्राचार शिक्षा योजना में पंजीकृत स्वयंपाठियों को सम्पर्क शिविर विषयक सूचना एवं निर्देश की जानकारी हेतु अपने पंजीकरण केन्द्र से सम्पर्क कर सकते हैं।

चतुर्थ हौसला राज्य स्तरीय स्पेशल गेम्स का रंगारंग समापन

लखनऊ (एजेंसी)। अगर हमें चलने को जमीन और उड़ने को आसमान मिले तो हम वो कमाल दिख सकते है जिसकी कोई उम्मीद भी नहीं कर सकता है। भले ही हम लोगों को उपेक्षित समझा जाए लेकिन हम तो कई मामलों में सबसे आगे है। यह संदेश केडी सिंह बाबू स्टेडियम में उन स्पेशल बच्चों ने सबको दिया जिन्होंने चतुर्थ हौसला राज्यस्तरीय स्पेशल गेम्स में विभिन्न खेल स्पर्धाओं में अपने हुनर का ऐसा कमाल दिखाया जिसे देखकर स्टेडियम में मौजूद सभी लोगों ने उनके हुनर को जमकर सराहा। यहीं नहीं कई दिग्गज खिलाड़ियों ने इन बच्चों की पीठ थपथपाकर शाबासी भी दी।सरस्वती एजुकेशनल फाउंडेशन द्वारा आयोजित केडी सिंह बाबू स्टेडियम में चल रहे इन गेम्स के समापन गुरूवार को हो गया लेकिन इन बच्चों ने दुनिया को संदेश दे दिया कि जब हम यह सब कर सकते है तो आप लोग क्यों जरा–जरा सी समस्याओं में हौसला छोड़ देते है। आपको तो उनका डटकर सामना करना चाहिए। हालांकि इनमें से कोई डाउन सिंड्रोम से पीड़ित था तो कोई आटिज्म से पीड़ित था तो कोई सेरिब्रल पालिसी से पीड़ित था लेकिन खेल के मैदान में जलवा बिखेरते इन बच्चों ने एक तरह से सबको यहीं सीख दी कि हमे कमजोर न समझे। आज समापन के अवसर पर इन स्पेशल खिलाड़ी बच्चों ने अगले साल फिर मिलने के वादे के साथ हौसला स्पेशल गेम्स के इस आयोजन से विदा ली। सरस्वती एजुकेशनल फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित इन गेम्स के समापन व पुरस्कार वितरण समारोह में इन लोगों का हौसला बढ़ाने के लिए मुख्य अतिथि मुकेश मेश्राम (वरिष्ठ आईएएस) व विशिष्ट अतिथि डा. हरिओम (वरिष्ठ आईएएस), अवनीश सिंह (अध्यक्ष, क्रीड़ा भारती, अवध प्रांत) ने पुरस्कार वितरित किए। इस अवसर पर गुलाब चंद (अर्जुन अवार्ड विजेता एथलीट), भुवन सिंह (इंटरनेशनल एथलीट), सौरभ (इंटरनेशनल एथलीट), गुंजन सिंह (इंटरनेशनल एथलीट), रजनीश मिश्र (इंटरनेशनल हॉकी खिलाड़ी), मुनव्वर अंजार (सीईओ, यूपी जूडो एसोसिएशन), नरेंद्र चौहान (समाजसेवी व एथलीट), एल्डिको से अनिल तिवारी, अविजय ट्रस्ट से एसके तिवारी व राजेंद्र सिंह भंडारी (इंटरनेशनल हॉकी खिलाड़ी) भी मौजूद थे। इस दौरान इन बच्चों ने सुमधुर म्यूजिक के बजते गानों की शानदार प्रस्तुति से इन स्पेशल बच्चों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इन बच्चों ने गानों के डांस स्टेप्स पर इतना बढ़िया डांस किया कि अच्छे–अच्छे डांसर पीछे छूट जाए। अंत में आयोजन सचिव डा. सुधा बाजपेई ने सबको धन्यवाद ज्ञापित किया।

ट्रेनों पर रहा सिपाही भर्ती परीक्षार्थियों का कब्जा

लखनऊ (एजेंसी)। सिपाही भर्ती परीक्षा के चलते चारबाग रेलवे स्टेशन गुरुवार छावनी में तब्दील रहा। भर्ती परीक्षार्थियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन की ओर से जीआरपी और आरपीएफ समेत पीएसी के जवानों की तैनाती हुई। शाम पांच बजे परीक्षा खत्म होने के बाद हजारों की संख्या में परीक्षार्थी चारबाग स्टेशन पहुंचे, तो इनको रोकने में सुरक्षा के इंतजाम नाकाफी दिखे। घर वापसी को लेकर परीक्षार्थियों ने ट्रेनों के स्लीपर से लेकर एसी कोचों पर अपना कब्जा जमाया। राजधानी में सिपाही भर्ती परीक्षा के चलते करीब 50 हजार परीक्षार्थी ट्रेन से चारबाग पहुंचे। परीक्षा समाप्ति के बाद हजारों की संख्या में एक साथ परीक्षार्थी चारबाग स्टेशन आ गए। इससे स्टेशन पर अफरा–तफरी का माहौल बन गया। परीक्षार्थियों ने घर वापसी को लेकर डिब्रुगढ़ राजधानी एक्सप्रेस, गंगा गोमती एक्सप्रेस, त्रिवेणी एक्सप्रेस समेत दर्जनों ट्रेनों में कब्जा जमाया। हालांकि, सुरक्षा कर्मियों ने एसी कोचों से यात्रियों को नीचे उतार दिया। जिसके बाद यात्रियों ने दूसरे कोचों से सफर किया। स्टेशन पर परीक्षार्थियों की भारी भरकम भीड़ के आगे सुरक्षा कर्मियों की एक न चली। परीक्षार्थी ट्रेनों में जगह बनाने के लिए आपातकालीन खिड़कियों से घुस गए।

एमबीबीएस छात्र की गोली कांड को लेकर छात्रों का प्रदर्शन जारी

इटावा (एजेंसी)। जिले के सैफई मेडिकल कालेज का एमबीबीएस छात्र विनिप को बुधबार देर रात सैफई करहल मार्ग पर अज्ञात बाइक सवार लूटेरों ने विपिन को गोली मार दी और लूटेरे छात्र की बाइक लूटकर वहां से फरार हो गये। घटना की जानकारी पर इटावा एसएसपी सहित सभी आला अफर मौके पर पहुंचे और आनन फानन में घायल छात्र को अस्पताल पहुंचाया। जानकारी पर गुस्सायें छात्रों ने सैफई अस्पताल की सभी सेवाएं बन्द कर दी। अतः प्रशासन से आरोपियों के गिरफतारी की मांग की। घटना को लेकर सैक्यूलर मौर्चा के संयोजक शिवपाल सिंह यादव घायल छात्र विपिन को देखने पहुंचे। अतः विपिन को गोली मारने वाले आरोपियों की दोपहर गुरुवार तक कोई गिरफतारी नहीं हुई। गोलीकांड के बाद गुस्साये सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी के सभी छात्र अनशन पर बैठ गये। उसी समय प्रदर्शनकारी छात्रों के बीच प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव भी पहुंच गये। उन्होनें कहा कि वह जब तक यहां बैठे है जब तक कि आरोपियों की गिरफतारी नहीं होती। इस दौरान शिवापाल सिंह यादव ने कानून व्यवस्था की स्थिति के बारे में चर्चा की। उन्होनें कहा कि एंव कानून व्यवस्था ठीक नहीं है जिसके कारण लूटेरे खुलेआम घूमकर घटनाओं को अंजाम दे रहे है। इसके साथ ही उन्होंने सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी के कुलपति के बारे में कहा कि जब से छात्र विपिन को गाली लगी है। कुलपति देखने तक नहीं पहुंचे। गोली कांड को लेकर शिवपाल सिंह यादव ने पुलिस अफसरों से बातचीत कर आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफतारी के लिए कहा। अतः गोलीकांड घटना के बाद से सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी के सभी छात्रा प्रदर्शन कर रहे। अतः घटना के बाद गुस्साये छात्राओं ने सैफई अस्पताल की सभी सेवायें बंद कर दी एंव अस्पताल में मौजूद मरीजों को बाहर निकाल दिया व नये मरीजो की भर्ती पर रोक लगा। जिसके कारण वहां सभी परेशान है एंव अफरा तफरी का माहौल बना हुआ है। इस क के साथ ही पुलिस प्रशासन भी बुरी तरह से परेशान नज़र आ रहा है। छात्रों का कहना है कि जब तक आरोपियों की गिरफतारी नहीं होगी। वह प्रदर्शन करते रहेगे। सैफई अस्पजाल की सेवाएं अन्द हो जाने के कारणों सैफई अस्पताल से मरीज इटावा भीमराव अम्बेडकर जिला अस्पजाल पहुंचे। जहां अब तक करीब 60–65 मरीजों की भर्ती हो चुकी है।

युवक पर सोते समय चाकू से हमला

जौनपुर (एजेंसी)। सोहांसा गांव में ससुराल आया युवक बुधवार की रात में सोते समय चाकू से किए गए हमले में गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका आरोप है कि पत्नी के इशारे पर उस पर जानलेवा हमला किया गया। प्रयागराज के उतरांव थाना क्षेत्र के समोधीपुर गांव निवासी कन्हैया लाल पटेल (25) तीन दिन पूर्व अपनी पत्नी शान्ति पटेल के साथ ससुराल सोहांसा गांव आया था। बुधवार की रात दोनों एक कमरे में सो रहे थे। जब कन्हैया लाल गहरी नींद में था उसी समय तीन युवकों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। आंख खुल जाने पर कन्हैया लाल शोर मचाते हुए हमलावरों से भिड़ गया। हमलावरों ने उसके पेट में चाकू घोंप दिया। वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा तो उसे मृत समझकर भाग गए। शोर सुनकर ससुरालीजन व आस–पास के ग्रामीण जुट गए। आनन–फानन उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाकर भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए उसे प्रयागराज रेफर कर दिया गया। घायल कन्हैया लाल का आरोप है कि उस पर जानलेवा हमला उसकी पत्नी के इशारे पर किया गया है।

प्रेम प्रपंच में पुलिस चौकी के पास युवक को गोली मारी

वाराणसी (एजेंसी)। भेलूपुर थाना क्षेत्र के खोजवा पुलिस चौकी के पास बीती रात एक युवक को गाली मारी गयी। गोली चलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को बीएचयू के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराने के बाद अपनी जांच शुरू कर दी है। मामला प्रेम प्रपंच से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। घायल युवक की हालत गंभीर बनी है। किरहिया निवासी राजू शर्मा चौक स्थित एक सैलून में काम करता है। बीती रात वह सैलून से अपना काम खत्म करने किरहिया स्थित आवास की और साइकिल से लौट रहा था। राजू अभी संकुलधारा स्थित खोजवां पुलिस चौकी के पास पहुंचा था कि बाइक पर सवार तीन युवकों ने उसे रोक लिया। बाइक सवार युवकों व राजू में पहले वार्ता हुई। बात बिगड़ कर कहासुनी तक जा पहुंची। इसके बाद बाइक सवार युवकों ने असलहा निकाल कर राजू को दो गाली मार दी। एक गोली राजू के हाथ में लगी, जबकि दूसरी गोली उसके कमर में। गोली लगते ही राजू गिर कर तड़पने लगा। गोली मारने के बाद बाइक सवार बदमाश वहां से भाग खड़े हुए। स्थानीय लोगों ने गोली चलने की आवाज सुनी तो वह मौके पर पहुंचे और पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने अपनी जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल के आस–पास लगे सीसीटीवी कैमरों से फुटेज खंगाला जा रहा है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि प्रेम प्रपंच के चलते ही राजू को गोली मारी गयी है और गोली मारने वाले की पहचान हो गयी है। जैतपुरा थानाक्षेत्र के औसानगंज निवासी अजय जायसवाल ने राजू को गोली मारी है। राजू की पत्नी का शादी से पहले अजय से संबंध था। इसके चलते संभावना जतायी जा रही है कि अजय ने राजू को रास्ते से हटाने के लिए घटना को अंजाम दिया होगा। पुलिस ने जल्द ही इस मामले के खुलासे का दावा किया है।

मलिहाबाद मे मामूली कहा सुनी के बाद हुई मारपीट मे घायल टेलर की मौत

लखनऊ (एजेंसी)। मलिहाबाद के सलामत खेड़ा मे एक शादी समारोह मे आपस हुए मजाक के बाद हुई मारपीट मे घायल हुए एक 23 वर्षीय टेलर की इलाज के दौरान ट्रामा सेन्टर मे मौत हो गई। मृतक एक महीना पहले ही सउदी अरब से आया था उसका 15 दिन का एक मासूम बेटा भी है। पुलिस ने तीन लोगो के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। इन्स्पेक्टर मलिहाबाद का कहना है कि अभी किसी की गिरफ्तारी नही हुई है उनका कहना था कि झगड़े मे मृतक के कोई जहिरा चोट के निशान नही थे शायद सर मे अन्दर गम्भीर चोटे आने की वजह से उसकी मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया पुलिस मामले की जॉच कर रही है। जानकारी के अनुसार मलिहाबाद के सलामत खेड़ा मे रहने वाले जमील का 23 वर्षीय बेटा समी उर्फ कल्लू सउदी अरब मे टेलर का काम करता था समी की शाहीन के साथ शादी हुई थी उसका 15 दिन का एक मासूम बेटा भी है। समी एक महीना पहले ही सउदी अरब से वापस आया था। बुद्धवार को समी सलामत खेड़ा मे रहने वाले हजरूददीन के वलीमे और हजरूददीन की बहन की शादी मे शिरकत करने गया था शाम करीब पॉच बजे शादी मे ही समी की फरीद नाम के युवक से हसी मजाक मे ही कहा सुनी हो गई कहा सुनी के बाद बात खत्म हो गई और समी अपने घर वापस चला गया। रात मे समी अपने भाई रेहान के साथ मोटर साईकिल से दवा लेने जा रहा था तभी रास्ते मे फरीद ने उसे अपने साथियो के साथ मिल कर रोका और समी को डंडो से पीटा और फरार हो गया। हमले के बाद समी के भाई रेहान ने पुलिस को सौ नम्बर पर फोन कर सूचना दी तो पुलिस मौके पर पहुॅची मामूली रूप से घायल नजर आ रहे समी को स्थानीय अस्पताल मे पुलिस ने पहुॅचाया जहां समी ने चक्कर आने की शिकायत की तो उसे डाक्टरो ने ट्रामा सेन्टर रिफर कर दिया। ट्रामा सेन्टर मे भर्ती समी की गुरूवार की दोपहर इलाज के दौरान मौत हो गई।

कांग्रेस नेता घोटालों का न हो पर्दाफाश इसलिए CBI के निदेशक को हटाया गया

वाराणसी (एजेंसी)। एक तरफ जहां देश की सबसे बड़ी और प्रतिष्ठित जांच एजेंसी सीबीआई में घूस कांड को लेकर बवाल मचा हुआ है। वहीं इस मुद्दे को कांग्रेस ने बखूबी लपका है। कांग्रेस का आरोप है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में पिछले साढ़े चार सालों में जितने भी घोटाले हुए हैं, खास तौर पर राफेल डील, उसका खुलासा न हो इसी वजह से सीबीआई के निदेशक को हटाया गया है। सीबीआई निदेशक के सामने कई महत्वपूर्ण फाइलें थी जिन पर वो कड़ा निर्णय लेने वाले थे, ऐसे में केंद्र सरकार ही नहीं बल्की पीएम भी डर गए और आनन–फानन में सीबीआई निदेशक आलोक वर्मा को हटा दिया गया। वाराणसी दौरे पर आए कांग्रेस के दिग्गज नेता संजय सिंह ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि बीजेपी के नेता और वरिष्ठ पत्रकार ने पीएम पर बिल्कुल सही बयान दिया है कि पीएम डरे हुए थे जस्टिस वर्मा से तभी उन्हें हटाया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा जब से केंद्र में सत्तारूढ़ हुई है सभी संवैधानिक संस्थाओं को जेब में रख कर चलने की नीति पर काम कर रही है। यही वजह है कि सर्वोच्च न्यायालय के जजों को मीडिया के पास जाना पड़ा, अब सीबीआई जैसी स्वायत्तशासी जांच एजेंसी पर भ्रष्टाचार को लेकर बवाल खड़ा हुआ है। आजादी के बाद पहली बार है कि संवैधानिक संस्थाओं पर सवालिया निशान खड़ा हो गया है। राहुल गांधी को बीजेपी द्वारा गंभीरता से न लेने के सवाल पर कहा कि, अच्छा है कि बीजेपी राहुल गांधी को हल्के में ही ले। राहुल गांधी कांग्रेस ही नहीं देश की जनता के सर्वमान्य नेता हैं। बीजेपी इसी तरह उन्हें हल्के में लेती रहे तभी तो 2019 में उसका सफाया होगा और राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनेंगे। महागठबंधन को लेकर घटक दलों के रिएक्शन पर कहा कि, देखते रहिए, वक्त आने पर सब कुछ ठीक हो जाएगा। महागठबंधन बनेगा और महागठबंधन बीजेपी को सत्ता से बाहर करेगा।

सूचना एंव संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग से छात्रों को मिलेगा उच्च स्तरीय ज्ञान

वाराणसी (एजेंसी)। इलाहाबाद के एमएनएनआईटी के डा.दिव्य कुमार ने कहा कि सूचना एंव संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग से छात्रों को उच्चस्तरीय ज्ञान मिलता है इसलिए अध्ययन व अध्यापन के समय तकनीक का उपयोग करना बहुत जरूरी है। यह बाद उन्होंने महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में चले रहे सूचना एंव संचार प्रौद्योगिकी विषयक सप्ताहव्यापी कार्यशाला के दूसरे दिन को कही। उन्होंने कहा कि सूचना एंव संचार तकनीक ने दुनिया को ग्लोबल विलेज बना दिया है, जिसका सभी को लाभ लेना चाहिए। डा.दिव्य कुमार ने द्वितीय सत्र में गूगल क्लास पर चर्चा की। कहा कि गूगल क्लास का अधिक से अधिक प्रयोग होने से छात्रों को बड़ा लाभ मिलेगा। गूगल क्लास से हम न्यूनतम समय में अधिक से अधिक जानकारी मिल जायेगी। वेबसाइट पर आधारित तृतीय सत्र में डा.दिव्य कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में वेबसाइट का बड़ा महत्व है इसलिए वेबसाइट का निर्माण करना सभी छात्रों को सीखना चाहिए। डा.दिव्य कुमार ने छात्र व छात्राओं को वेबेसाइट निर्माण करने के लिए प्रशिक्षित किया। साथ ही सभी प्रतियोगिता के ऑनलाइन क्वीज की जानकारी दी। कार्यकला की अध्यक्षता डा.अनिल कुमार व संचालन डा. रमन पंत ने किया। सप्ताहव्यापी कार्यशाला का उद्घाटन 24 अक्टूबर को किया गया था। उद्घाटन खुद ही वीसी प्रो.टीएन सिंह भी उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह के मुख्य वक्ता गांधी अध्ययनपीठ के निदेशक प्रो.राम प्रकाश द्विवेदी थी 30 अक्टूबर तक चलने वाली कार्यशाला में विभिन्न विश्वविद्यालयों के 40 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

विकास, निर्माण व शासकीय कार्यो को युद्धस्तर पर पूरा करे अधिकारी : नीना शर्मा

कानपुर देहात (एजेंसी)। कलक्ट्रेट परिसर स्थित सभागार में कर करेत्तर संग्रह एवं जनपद में कराये जा रहे विकास कार्यो की समीक्षा करने को लेकर लगभग चार घण्टे से अधिक चली बैठक में, बैठक की अध्यक्षता करते हुए जनपद नोडल अधिकारी,सचिव, नियोजन विभाग नीना शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लक्ष्य के सापेक्ष करों का संग्रह करने के लिए अभी से कमर कस ले ताकि निर्धारित लक्ष्य समय से पूर्व की प्राप्त किया जा सके और जनपद की स्थिति अच्छी हो सके साथ ही उन्होंने कहा कि जनपद में जो भी विकास कार्य कराये जा रहे है उनमें गुणवत्ता एवं मानकों का विशेष ध्यान रखते हुए समय सीमा के अन्तर्गत पूर्ण करायें ताकि लाभार्थियों को विकास कार्यो से शीघ्रता शीघ्र लाभांवित किया जा सकें साथ ही उन्होंने कहा कि निर्मित भवनों को यथाशीघ्र संबंधित विभाग को हस्तांतरित किया जाना सुनिश्ति करे जिससे उनका उपभोग शासकीय कार्यो हेतु किया जा सके। कर करेत्तर की बिन्दुवार व विभागवार समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिये कि जो भी लक्ष्य प्रदत्त है उनके प्रतिपूर्ति हेतु व्यक्तिगत ध्यान देते हुए अपने अधीनस्थों को आदेशित करने के साथ साथ कार्य की प्रगति को भी अवलोकित करते रहे। वाणिज्यकर की समीक्षा में पाया गया कि वाणित्यकर विभाग द्वारा अपने लक्ष्य के अुनरूप अब तक लगभग 80 प्रतिशत प्राप्त कर लिया है जिस पर सचिव महोदया द्वारा हर्ष व्यक्त करते हुए कहा गया कि इसी प्रकार कार्य करते हुए इसको लक्ष्य से अधिक प्राप्त करने के भी प्रयास करते रहे। स्टाम्प बिक्री व नगरीय निकाय की प्रगति संतोषजनक पायी गयी। उन्होंने सब रजिस्ट्रार स्टाम्प को निर्देशित किया कि रजिस्ट्ररी अथवा बैनामे के समय दोनो पक्षों के आधार कार्ड व पेन कार्ड की छायाप्रति अवश्य प्राप्त की जाये। विद्युत देयकों की समीक्षा में बताया गया कि विद्युत विभाग द्वारा लगभग 90 प्रतिशत लक्ष्य के सापेक्ष प्राप्त कर लिया है तथा लक्ष्य को शत प्रतिशत निर्धारित समय सीमा से पूर्व प्राप्त कर लिया जायेगा। मडी समिति की समीक्षा में पाया गया कि जनपद की तीनों मडी समितियों का कर संग्रह लक्ष्य से काफी अधिक है जिसमें सबसे अधिक लक्ष्य प्राप्ति मडी समिति झींझक द्वारा प्राप्त किया गया। इसी प्रकार बाट माप विभाग की समीक्षा में पाया गया कि बाट माप विभाग द्वारा लक्ष्य के अनुरूप लगभग 140 प्रतिशत प्राप्त कर लिया गया है। जिस पर सचिव महोदया द्वारा उदाहरण प्रस्तुत करते हुए उक्त विभागों की कार्यशैली पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह अपने कार्य में पूर्ण मनोयोग से कार्यरत है तभी इनके द्वारा शासन द्वारा प्रदत्त लक्ष्य से भी अधिक प्राप्ति की गई है। विकास कार्यो की समीक्षा में पाया गया कि राजस्व ग्रामों में राजस्व सम्पत्ति रजिस्टर का कार्य लगभग शत प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। राजस्व रजिस्टर के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि राजस्व रजिस्टर के अन्तर्गत राजस्व ग्रामों के आधीन शासकीय भूमि, शासकीय भवन यथा स्कूल, आंगनबाडी केन्द्र, स्वास्थ्य केन्द्र आदि का अंकन कर पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। जनपद में दैवीय आपदा से संबंधित कोई भी प्रकरण लंबित नही पाया गया तथा दैवीय आपदा से पीड़ित लाभार्थियों को शत प्रतिशत लाभावित किया जा चुका है। चिकित्सा विभाग की समीक्षा में औषधियों की उपलब्धता अस्पतालों में चिकित्सकों की उपलब्धता, 102 व 108 एम्बुलेंस सेवाओं, एएनएम, आशाओं की कार्यशैली पर चर्चा करते हुए विशेष तौर पर टीकाकरण की स्थिति अच्छी न पाये जाने पर सचिव महोदया द्वारा असंतोष व्यक्त करते हुए कार्यो में तेजी लाने के निर्देश दिये गये साथ ही जनपद में मानक विहीन व अपंजीकृत चिकित्सलयों की जांच संबंधित उप जिलाधिकारी व चिकित्साधिकारी की संयुक्त टीम के द्वारा कराकर अवैध चिकित्सालयों को शील करने व संचालकों के विरूद्ध विधि अनुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। पंचायत राज विभाग की समीक्षा में पाया गया कि जनपद की समस्त ग्राम पंचायतों के द्वारा कार्ययोजना निर्मित कर प्रान पोर्टल पर अपलोड कर दी गई है। उक्त के संदर्भ में सचिव महोदया द्वारा 14वें वित्त आयोग के अनुसार ग्राम पंचायतवार व्यय की जानकारी प्रतिमाह जिलाधिकारी महोदय व उन्हें उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये। उक्त के अतिरिक्त समाज कल्याण विभाग की पूर्व दशम व दशमोत्तर छात्रवृत्ति सामूहिक शादी योजना विभिन्न पेंशन योजनाओं, समग्र ग्राम्य विकास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा योजना, सौभाग्य योजना, उज्जवला योजना, खाद्य सुरक्षा योजना, बेसिक शिक्षा विभाग की पाठ्य पुस्तक वितरण, ड्रेस वितरण, बैग वितरण, कृषि विभाग की ऋण मोचन योजना, म्रदा परीक्षण, खाद्य की उपलब्धता सहित विभिन्न विभागों की अनेकों योजनाओं पर विस्तारपूर्वक से समीक्षा व परिचर्चा की गई। समीक्षा बैठक में सचिव महोदया द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए आईजीआरएस की प्रगति पर खिन्नता प्रकट की।

सम्पादकीय

सीबीआइ की छवि बचाना जरूरी

भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) के दो वरिष्ठतम अधिकारियों– आलोक वर्मा और राकेश अस्थाना– के बीच का विवाद भारत की इस सबसे बड़ी जांच एजेंसी के लिए दुर्भाग्यपूर्ण तो है, लेकिन अब भी सीबीआइ एक भरोसेमंद जांच एजेंसी है, इसमें जरा भी शक नहीं है. राजनीतिक पार्टी के लोगों ने सीबीआइ के लिए गाहे–ब–गाहे जिस तरह की शब्दावलियों का इस्तेमाल किया है, वह उचित नहीं था, न है. सीबीआई को भला–बुरा कहना न सिर्फ सीबीआइ के लिए अनुचित, बल्कि इसके द्वारा किये गये बड़े–बड़े भ्रष्टाचार के पर्दाफाश का भी मजाक बनाना है. ऐसी चीजों से हम सभी को बचना चाहिए. बहरहाल, सीबीआइ के प्रमुख आलोक वर्मा को और सीबीआइ के विशेष निदेशक राकेश अस्थाना को हटाकर सरकार ने अच्छा कदम उठाया है. अब सीबीआइ के ज्वॉइंट डायरेक्टर के पद पर काम कर रहे एमएन राव को इसकी जिम्मेदारी दे दी गयी है. मैं तो पहले से ही यह कहता आ रहा हूं कि सबसे पहले इन अधिकारियों को प्रभार मुक्त कर सरकार को पहले जांच करा लेनी चाहिए कि सच क्या है और झूठ क्या है. बहरहाल, सरकार ने सीबीआइ को बचा लिया है. जब यूपीए की सरकार थी, तब विपक्षी लोग सीबीआइ को कांग्रेस ब्यूरो ऑफ करप्शन की शब्दावली से नवाजते थे. तब भी लोगों का भरोसा सीबीआइ पर पहले की ही तरह था. अब एनडीए की सरकार है, तो आज पूरी सीबीआइ को ही भ्रष्ट बताया जा रहा है. कोई इसे करप्ट ब्यूरो कह रहा है, तो कोई कुछ कह रहा है. मुझे इस बात से बड़ी हैरत होती है कि इस तरह की खबरों–बयानों को मीडिया भी प्रमुखता से छाप–दिखा देता है, जिसका असर यह होता है कि भारतीय समाज में इस बड़ी जांच एजेंसी की छवि धूमिल होती है. सीबीआइ ने बहुत बड़े–बड़े मामलों को हल किया है और इससे समाज का ही भला हुआ है. यह सब सीबीआइ में बैठे ईमानदार अधिकारियों की बदौलत हुआ है. किन्हीं एक–दो अधिकारियों की गलती के चलते पूरी सीबीआइ को गलत बताना ठीक बात नहीं है. सीबीआइ में अधिकारियों की एक बड़ी संख्या है और इनका काम भी बहुत जोखिम और सूझबूझ वाला है. सीबीआइ में डेढ़–दो सौ एसपी हैं, चार हजार के करीब डिप्टी एसपी हैं और अन्य अधिकारी हैं, दो दर्जन से ज्यादा डीआईजी हैं, एक दर्जन संयुक्त निदेशक हैं, और शीर्ष पदों पर निदेशक और विशेष निदेशक हैं. यानी कुल मिलाकर देखें, तो साढ़े चार–पांच हजार के करीब अधिकारियों का यह महकमा है, जिसमें एक से बढ़कर एक ईमानदार अधिकारी हैं. ऐसे में महज दो लोगों के बीच उभरे विवाद के चलते पूरी सीबीआइ को कठघरे में कैसे खड़ा किया जा सकता है, वह भी तब, जब दोनों अभी गुनहगार साबित नहीं हुए हैं. अभी यह जांच का विषय है और इसमें समय लगेगा. मैं सीबीआइ का संयुक्त निदेशक रहा हूं. मौजूदा विवाद के सामने आते ही बड़ी संख्या में लोग मुझसे बात करना चाहते हैं, वह इसलिए कि ज्यादातर लोग यह जानते हैं कि सीबीआइ में एक ईमानदार अधिकारी का मतलब क्या होता है. मैं अकेला नहीं हूं, मेरे जैसे सैकड़ों ईमानदार सीबीआइ अधिकारी तब भी थे, और अब भी हैं. इसलिए हमें उन सबका सम्मान करते हुए सीबीआइ पर भरोसा करना चाहिए. सीबीआइ के निदेशक की नियुक्ति के लिए मंत्रिमंडल की एक नियुक्ति समिति (एसीसी) होती है. इस समिति में भारत के मुख्य न्यायाधीश, प्रधानमंत्री और नेता–प्रतिपक्ष होते हैं. मैं इस बात को शुरू से कह रहा हूं कि सीबीआइ के निदेशक पद पर आलोक वर्मा की नियुक्ति उचित नहीं थी, क्योंकि वर्मा पुलिस महकमे से आते हैं. समिति की चयन प्रक्रिया ठीक थी, लेकिन वर्मा के रूप में निदेशक का चुनाव ठीक नहीं था.आलोक वर्मा दिल्ली पुलिस के अच्छे अधिकारी हैं, इसमें कोई शक नहीं है, लेकिन सीबीआइ में कैसे काम करना है, वे इससे अनभिज्ञ हैं. इसलिए कायदतन सीबीआइ में नंबर दो के पद पर काम कर रहे विशेष निदेशक आरके दत्ता को निदेशक बनाना चाहिए था, लेकिन उनका तबादला गृह मंत्रालय में कर दिया गया. सीबीआइ और पुलिस महकमे का काम अलग–अलग होता है और इनमें काम करने के तरीके भी अलग–अलग होते हैं. सीबीआइ के निदेशक पद के लिए सीबीआइ में काम कर रहा अधिकारी ही नियुक्त किया जाना चाहिए. लेकिन, मौजूदा सरकार ने पुलिस विभाग से आनेवाले आलोक वर्मा को सीबीआइ निदेशक बना दिया, जिसका तब विपक्ष ने विरोध भी किया था. किसी और विभाग से किसी को भी लाकर सीबीआइ अधिकारी नहीं बनाया जा सकता, क्योंकि सीबीआइ को संभालना इतना आसान नहीं है, इसके लिए सीबीआइ में काम करने के लंबे अनुभव की दरकार होती है. मैंने जो बात कही थी, आलोक वर्मा इसकी मिसाल साबित हुए और आज उल्टा उन्हीं पर भ्रष्टाचार का आरोप लग गया. सीबीआइ कोई मामूली विभाग नहीं है कि किसी अन्य विभाग का व्यक्ति भी इसे चला लेगा, यह बात सरकार को समझनी चाहिए थी. सीबीआइ ने नाम कमाया है और इसकी छवि अच्छी है. जब भी कोई बड़ा मसला आता है, तो सबसे पहले सीबीआइ से जांच की मांग करते हैं. इस छवि को बरकरार रखने की जरूरत है.

कन्फ्यूजन जारी है

छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री और वर्तमान में जोगी कांग्रेस के सुप्रीमो अजीत जोगी ने विधानसभा चुनावों के काफी पहले जोर–शोर से घोषणा की थी कि वे राजनांदगांव क्षेत्र से मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। लेकिन फिर न जाने क्या हुआ कि उन्होंने विधानसभा चुनाव न लड़ने का ऐलान कर दिया। कारण यह बताया कि वे एक जगह बंधे रहने के बजाय पूरे प्रदेश में घूम–घूम कर अपने उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगे। इस दूसरी खबर की स्याही सूखी भी न थी कि उनके अपनी पुरानी सीट मरवाही से चुनाव लड़ने की सुगबुगाहट प्रारंभ हो गई। अब एक दिलचस्प स्थिति सामने है। पत्नी श्रीमती रेणु जोगी कोटा क्षेत्र से कांग्रेस टिकट की आस लगाए बैठी हैं। पुत्र और डीफैक्टो सुप्रीमो अमित जोगी के मनेन्द्रगढ़ से लड़ने की अटकलें लग रही हैं और पुत्रवधु ऋचा जोगी के अकलतरा से बसपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने की घोषणा हो चुकी है। मैंने पिछले सप्ताह छत्तीसगढ़ के चुनावी मैदान में जिस भारी कन्फ्यूजन का उल्लेख किया था वह इस प्रकरण से प्रमाणित हो रहा है। लेकिन यह कुहासा सिर्फ जोगीजी के कारण नहीं है और छत्तीसगढ़ तक सीमित भी नहीं है। छत्तीसगढ़ में जब कांग्रेस ने पहले चरण की बारह सीटों पर उम्मीदवारी घोषित कर दी तो मीडिया के साथियों को लगा कि कांग्रेस ने बाजी मार ली है, किन्तु दो दिन बाद भारतीय जनता पार्टी ने एकमुश्त सतत्तर उम्मीदवार घोषित कर दिए तो क्या इसे भाजपा का बाजी मार लेना कहा जाएगा? क्योंकि कांग्रेस ने अभी तक दूसरे चरण के उम्मीदवारों की सूची प्रकट नहीं की है। यदि कांग्रेस ने पहले चरण में राजनांदगांव सीट पर ऐन मौके तक सस्पेंस बनाए रखा तो भाजपा के बारे में संशय बरकरार है कि बची तेरह सीटों पर उसने अभी तक प्रत्याशियों के नाम रोककर क्यों रखे? कुल मिलाकर चुनावी विश्लेषकों के लिए भ्रम से भरपूर लेकिन रोचक स्थिति है।

खैर! जिन्हें दूर से बैठकर तमाशा देखना है उन्हें तो हर उथल–पुथल में मसाला मिल जाता है परन्तु जिनका राजनीतिक कॅरियर दांव पर लगा हो उनके लिए स्थितियां रोचक न होकर दुखदायी बन गई प्रतीत होती हैं। जैसे भाजपा के अधिकतर नेता और कार्यकर्ता अभी तक समझ नहीं पा रहे हैं कि पार्टी ने प्रत्याशी चयन में अपेक्षित बेरहमी क्यों नहीं दिखाई या जुमलेबाजी का इस्तेमाल करूं तो सर्जिकल स्ट्राइक क्यों नहीं की? दो साल पहले दिल्ली के तीन नगर निगमों के चुनाव हुए थे तो भाजपा ने पूरे दो सौ सत्तर से अधिक उम्मीदवारों को बदल डाला था जिसका वांछित परिणाम भी विजय के रूप में उन्हें मिला। यही उम्मीद छत्तीसगढ़ में की जा रही थी, लेकिन ऐसा लगता है कि ऐन वक्त पर पार्टी नेतृत्व के हाथ–पैर कांप गए। उसे शायद लगा कि पुराने उम्मीदवारों पर भरोसा करना ही बेहतर होगा! कम से कम इससे पार्टी में बगावत नहीं होगी। भाजपा छत्तीसगढ़ में डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में पन्द्रह साल से सत्तारूढ़ है। जहां गुड़ है वहां चींटे पहुंचेंगे ही। एक समय जो बात कांग्रेस के बारे में कही जाती थी वह अब भाजपा पर लागू हो रही है कि समर्पित कार्यकर्ता जीवनभर दरियां उठाते–बिछाते रहेंगे और चतुर लोग सेंधमारी कर खजाना पा जाएंगे। इधर राजनीतिक शब्दावली में एक नई संज्ञा प्रचलन में आ गई है। लोग विरोध जताने लगे हैं कि पैराशूट उम्मीदवार नहीं चलेगा। इन्हें पहले बाहर से थोपे हुए प्रत्याशी कहकर विरोध होता था। छत्तीसगढ़ भाजपा में फिलहाल ऐसे उम्मीदवारों को लेकर घमासान मचा है। साथ–साथ पार्टी के अनेक पुराने कार्यकर्ता भी जो आस लगाए बैठे थे अब कहीं दुख, तो कहीं क्रोध जाहिर कर रहे हैं। यह स्थिति मुझे भी अटपटी लगती है कि भाजपा अनेक सीटों पर जनता से खारिज किए गए, पिटे हुए मोहरों पर दांव क्यों लगा रही है। चुनाव न हुआ, कबड्डी का खेल हो गया कि जिसमें श्मराश हुआ खिलाड़ी फिर जीवित हो जाता है।

छत्तीसगढ़ में अभी कांग्रेस की शेष बहत्तर सीटों पर प्रत्याशियों की सूची आना बाकी है। उसके आने के बाद ही पता लगेगा कि चुनावी मुकाबला क्या शक्ल लेता है। मैं समझता हूं कि असंतुष्टों की संख्या वहां भी कम नहीं होगी जिसकी कुछ–कुछ सुगबुगाहट अभी से सुनने मिल रही है। बस्तर में तो दंतेवाड़ा सीट पर मां देवती कर्मा के खिलाफ पुत्र छबिन्द्र कर्मा ताल ठोंक कर मैदान में आ गए हैं। इसे प्रदेश भाजपा के एक बड़े नेता ने कांग्रेस की संस्कारहीनता निरूपित किया है। इन नेताजी को याद कर लेना चाहिए कि भाजपा की राष्ट्रीय नेता श्रीमती विजयाराजे सिंधिया के विरोध में उनके सुपुत्र माधवराव सिंधिया खुलकर मैदान में आ गए थे और आज बुजुर्ग यशवंत सिंह एक तरह से अपने पुत्र के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। यह मामला पारिवारिक संस्कारों का नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छा, अवसर और प्राथमिकता का है। वैसे इतिहास के पन्ने पलटें तो ज्ञात होता है कि मेवाड़ के राजा व कुंभलगढ़ के निर्माता राणा कुंभा की हत्या उनके ही बेटे उदय सिंह ने मंदिर में पूजा करते समय कर दी थी। छत्तीसगढ़ के साथ–साथ थोड़ी बात मध्यप्रदेश की कर लें क्योंकि कन्फ्यूजन वहां भी कम नहीं है। कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने पिछले दिनों कार्यकर्ताओं के बीच खुली घोषणा की कि वे चुनाव प्रचार में हिस्सा नहीं लेंगे क्योंकि उनके कारण कांग्रेस के वोट कटते हैं। इस कथन का क्या अर्थ निकाला जाए? मैंने एक बार पहले भी लिखा है कि दिग्विजय जो कहते हैं उसका अर्थ निकालना अक्सर संभव नहीं होता। वे इस बयान के माध्यम से एक सच को स्वीकार कर रहे थे, या अपनी पीड़ा को वाणी दे रहे थे कि उन्हें चुनाव प्रचार से दूर रखा गया है, या फिर चेतावनी दे रहे थे कि उनकी उपेक्षा हुई तो यह पार्टी के हित में नहीं होगा! उनके एक वाक्य के तीन अलग–अलग मतलब तो मैं निकाल रहा हूं। हो सकता है कि असली मंतव्य कुछ और हो। मुझे ध्यान आता है कि 1998 में दुबारा मुख्यमंत्री बने दिग्विजय सिंह स्वयं को देश के भावी प्रधानमंत्री के रूप में देखने लगे थे। उनके बारे में मीडिया में तो कम से कम यही प्रचार होता था। उनके ताजा बयान को लेकर भी मीडिया का एक हिस्सा उनकी मदद के लिए सामने आ गया है। कहीं अखबार में, तो कहीं यू–ट्यूब पर विश्लेषण हो रहा है कि दरअसल राहुल गांधी ने ही उन्हें गुपचुप तरीके से कार्यकर्ताओं को संगठित करने और उनमें नए सिरे से उत्साह का संचार करने की जिम्मेदारी दी है। यह सच्चाई भी हो सकती है या शायद डेमेज कंट्रोल की कवायद भी। वैसे मध्यप्रदेश तो नहीं, छत्तीसगढ़ के अधिकतर कांग्रेसी नेता दिग्विजय सिंह के अनुयायी हैं। राहुल गांधी ने उन्हें यहां का काम सौंपा होता तो उनके मार्गदर्शन में कांग्रेस को उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन करने का अवसर मिल जाता। हो सकता है कि वे दूरसंचार से ही अपने साथियों का मनोबल बढ़ा रहे हों! मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के साथ–साथ मिजोरम और तेलंगाना में भी चुनाव हो रहे हैं। यह दिलचस्प तथ्य है कि तेलंगाना में कांग्रेस, चन्द्राबाबू नायडू की टीडीपी और भाकपा याने सीपीआई ने संयुक्त मोर्चा बना लिया है। तेलंगाना में कभी केसीआर कांग्रेस के सहयोगी थे। राज्य बनने के बाद उम्मीद थी कि वे कांग्रेस के सहयोग से सरकार बनाएंगे, लेकिन वे तो देखते ही देखते कांग्रेस के दुश्मन बन गए। यह क्यों हुआ समझ नहीं पड़ता। यह अवश्य ध्यान आता है कि कांग्रेस द्वारा बनाए गए राज्यपाल ई.एस.एल. नरसिम्हन ऐसे अकेले राज्यपाल हैं जो मोदी सरकार में भी पिछले चार साल से बने हुए हैं। वे आज देश के सबसे वरिष्ठ राज्यपाल हैं। तेलंगाना जाने से पहले वे छत्तीसगढ़ में थे। यह भी ध्यान आता है कि आनंदीबेन पटेल मध्यप्रदेश के अलावा छत्तीसगढ़ का प्रभार भी संभाल रही हैं। यह अनूठा संयोग है कि श्री नरसिम्हन आंध्र व तेलंगाना दोनों के राज्यपाल हैं और श्रीमती पटेल मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की। इन दोनों प्रांतों में नए राज्यपाल क्यों नहीं नियुक्त हुए, इसका चुनाव से शायद कोई लेना–देना नहीं है!

कर्जमाफी से बेहतर है तय आय की गारंटी

हरित क्रांति की सफलता के बाद सरकारें किसानों की समस्याओं का समाधान अधिक उत्पादन, न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी में वृद्धि एवं खेती के लिए अधिक कर्ज में ही खोजती रहीं, लेकिन इसके बावजूद किसानों की समस्याएं बरकरार रहीं। जब बीते तीन वर्षो से अनुकूल जलवायु एवं कृषि नीतियों के कारण फसलों का बंपर उत्पादन हो रहा है तब भी देश के कई हिस्सों के किसान असंतोष और बेचैनी से भरे हैं। वित्तमंत्री का दावा है कि एमएसपी में लागत के ऊपर 50 प्रतिशत लाभ शामिल कर लिया गया है और बजट में कृषि कर्ज के लिए 11 लाख करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की गई है। इससे स्पष्ट है कि अधिक उत्पादन, अधिक कर्ज एवं एमएसपी व्यवस्था किसानों की आर्थिक मुश्किलें दूर करने मे नाकाम रही हैं। ऐसे में किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए नए दृष्टिकोण एवं उपायों की आवश्यकता है। नीति आयोग के सदस्य एवं कृषि विशेषज्ञ प्रो. रमेश चंद के अनुसार किसानों की वार्षिक आय के आधिकारिक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, क्योंकि केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय किसानों की आय के आंकड़े एकत्र नहीं करता। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण की 2011–12 की रिपोर्ट के अनुसार 20 प्रतिशत किसानों की आय गरीबी रेखा से नीचे है। वहीं रमेश चंद रिपोर्ट के अनुसार 2015–16 में प्रति किसान परिवार की आमदनी 44,027 रुपये थी। एक साल में इसमें 927 रुपये यानी 77 रुपये प्रति माह की बढ़ोतरी हुई। वहीं सीबीडीटी के अनुसार 2014 से 2018 तक देश में करोड़पतियों की संख्या में 68 प्रतिशत की वद्धि हुई है। यह भी चौंकाने वाला तथ्य है कि तमाम दावों के बाद भी किसान की आमदनी दोगुनी होने में 22 साल का समय लगेगा। 1कृषि क्षेत्र में श्रमिक उत्पादकता गैर कृषि क्षेत्रों के आधे से भी कम है। जहां गैर कृषि क्षेत्रों मे यह 1,71,587 रुपये सालाना है वहींकृषि में केवल 62,235 रुपये सालाना है। केवल किसान ही नहीं ग्रामीण रोजगारों की आय में भी बीते दो वर्षो में कमी आई है। वित्त वर्ष 2013–15 में ग्रामीण रोजगार की आय में औसत वृद्धि दर 11 प्रतिशत थी जो 2016–18 में घटकर 0.45 प्रतिशत पर सिमट गई। सरकार एमएसपी में किसानों को 50 प्रतिशत या उससे अधिक लाभ देने का दावा कर रही है। जबकि उसके निर्धारण की प्रक्रिया तर्कसंगत नहीं है। उदाहरण के लिए केंद्र सरकार ने 2018–19 मे गन्ने की उत्पादन लागत 155 रुपये प्रति क्विंटल आकलित की है। वहीं उत्तर प्रदेश सरकार के अनुसार पिछले वर्ष राज्य में गन्ने की उत्पादन लागत 289 रुपये प्रति क्विंटल थी। एमएसपी का लाभ भी कुछ क्षेत्रों और कुछ फसलों तक ही सीमित है, क्योंकि केवल 10 प्रतिशत किसान ही इसका लाभ उठा पाते हैं। इस वर्ष खरीफ की फसल आने के बाद एक जुलाई से किए गए राष्ट्रीय सर्वे के अनुसार उड़द का औसत बाजार मूल्य 3695 रुपये प्रति क्विंटल रहा जबकि सरकार द्वारा घोषित एमएसपी 5675 रुपये प्रति क्विंटल था। तूर दाल का बाजार भाव 1,300 रुपये प्रति क्विंटल था जबकि उसके लिए एमएसपी 1,950 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया। सरकार द्वारा निर्धारित मूल्यों पर गन्ना खरीदने के बाद भी चीनी मिलें किसानों के तकरीबन 12,000 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं कर पाई हैं। अकेले उत्तर प्रदेश में ही किसानों का 8,200 करोड़ रुपये बकाया है। 1कृषि श्रम एवं उत्पादों के तुलनात्मक कम मूल्यों के साथ–साथ छोटी होती कृषि जोत भी किसानों के आर्थिक संकट का मुख्य कारण है। नमूना सर्वेक्षण विभाग द्वारा 2018 में जारी आंकड़ों के अनुसार लघु एंव सीमांत किसानों की संख्या 86.2 प्रतिशत है और पिछले पांच वर्षो में इनकी संख्या में 90 लाख की वृद्धि हुई है। लगभग 12 करोड़ किसानों के पास औसत कृषि भूमि 0.6 हेक्टेयर है और उससे बाजार में बिक्री करने लायक उत्पादन नहीं होता। छोटी होती जोतों का प्रमुख कारण जनसंख्या में वृद्धि और गैर कृषि क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों में आई कमी है। 2004–05 से 2011–2012 के अंतराल में लगभग 3.5 करोड़ किसान गैर कृषि क्षेत्रों में रोजगार पाने में सफल रहे थे, लेकिन नोटबंदी और जीएसटी के बाद सेवा एवं औद्योगिक क्षेत्रों में रोजगार के अवसर घटे हैं। इससे कृषि अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव बढ़ा है।1ग्रामीण अर्थव्यवस्था के मौजूदा संकट के लिए दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक उपायों की आवश्यकता है। खेती पर जनसंख्या की निर्भरता कम करने के साथ अतिरिक्त कृषि उत्पादों के लाभकारी मूल्य देना ऐसा ही एक उपाय हो सकता है, मगर मोदी सरकार की महंगाई नियंत्रण की नीतियों के चलते खाद्यान्न के मूल्यों में अधिक वृद्धि की उम्मीद नहीं की जा सकती। हालांकि इस वर्ष सरकार ने किसानों को एमएसपी दिलाने के लिए प्रधानमंत्री आशा कार्यक्रम के तहत तीन नई योजनाओं की घोषणा की है। इनमें मध्य प्रदेश में लागू भावांतर योजना प्रमुख है जिसके अंतर्गत सरकार फसलों के बाजार भाव कम होने पर किसानों को एमएसपी का भुगतान करेगी, लेकिन इस योजना का लाभ किसानों के बजाय व्यापारियों को अधिक हुआ। इस योजना का लाभ पाने के लिए किसानों को अगले साल तक इंतजार करना पड़ेगा, क्योंकि इसमें किसानों को बुआई के समय ही पंजीकरण कराना होगा। 1पिछले वर्षो में महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों के किसानों को कर्जमाफी का लाभ मिला है। चुनाव के अवसर पर कर्ज माफी एक प्रमुख मांग के रूप में उभर रही है जिसे विभिन्न दल अपने चुनावी एजेंडे में भी शामिल कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि कर्ज माफी किसानों के वोट लेने के औजार के रूप मे विकसित हो रही है। कर्जमाफी से किसानों को तात्कालिक लाभ तो होता है, लेकिन दीर्घकाल में इसके राजनीतिक दुरुपयोग की आशंका है। किसानों के लिए निश्चित आय की गारंटी कर्जमाफी से बेहतर विकल्प है। सामाजिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत सरकार विभिन्न सामाजिक वर्गो के जीवन निर्वाह के लिए योजनाएं चला रही है। इनमें श्रमिकों के लिए मनरेगा है, जिसका वार्षिक बजट 40,000 करोड़ से अधिक का है। किसानों के लिए भी ऐसी ही किसी योजना की दरकार है जिसमें उसे निश्चित आय प्राप्त हो सके। तेलंगाना और आंध्र की सरकारों ने इसी प्रारूप में लागत सब्सिडी योजना शुरू की है जिसमें तेलंगाना सरकार 8000 रुपये प्रति एकड़ और आंध्र प्रदेश सरकार 15000 रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से किसानों को राशि दे रही है। आवश्यकता है कि केंद्र सरकार लघु एवं सीमांत किसानों के लिए निश्चित आमदनी योजना शुरू करे जिससे उन्हें बाजार में फसलों के मूल्यों के उतार–चढ़ाव में भी जीवन यापन की गारंटी प्राप्त हो।

रिश्तेमेंयहकैसापेच?

श्रीलंका के राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना ने मंत्रिमंडल की आपात बैठक बुलाकर अपनी हत्या की भारत द्वारा कथित ''साजिश' का पहले खुलासा किया और इस मीडिया खबरों का बार–बार खंडन किया। फिर अपने प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे को भारत के दौरे पर भेजा। लेकिन मामला यहीं खतम नहीं हुआ। श्रीलंका सरकार रचित इस सियासी तमाशा और उससे जुड़े पेचों से कुछ अन्य षड्यंत्रों के तार परत–दर–परत खुल रहे हैं। श्रीलंका के सत्तारुढ़ और विपक्षी दोनों ही राजनयिकों की मिलीभगत से सोची–समझी सुनियोजित कूटनीति के तहत यह विवाद खड़ा किया प्रतीत होता है। जितनी बातें सामने आ रही हैं, सबका ओर–छोर संदेह पैदा करने वाला है । श्रीलंका के राष्ट्रपति ने मंत्रिमंडल की बैठक में गत हफ्ते एम. थॉमस नामक एक भारतीय के हवाले से बताया कि भारत की एलीट खुफिया एजेंसी ''रॉ' (रिसर्च एंड एनालिसिस विंग) उनकी हत्या करना चाहता है। राष्ट्रपति के अनुसार उस भारतीय ने ''रॉ' की इस साजिश की जानकारी होने का दावा किया। यह खबर स्वाभाविक रूप से श्रीलंका के प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में सुर्खियां बनी। सिरिसेना अच्छी तरह जानते थे कि यह खबर तो उछलना ही है। जब पूरी तरह उछल गई, तब श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन करके इन मीडिया रिपोटरे को ''गलत' बताया। उतना ही नहीं, मैत्रीपाला सिरिसेना खुद और उनके राष्ट्रपति भवन कार्यालय ने बार–बार इस पर सफाई और स्पष्टीकरण दिया। 17 अक्टूबर को श्रीलंका के राष्ट्रपति सिरिसेना ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन करके ''सफाई' दी और उसके तुरंत बाद श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे नई दिल्ली पहुंच गए। विक्रमसिंघे तीन दिन भारत में रहे। श्रीलंका में भारत के सहयोग से चल रही इन्फ्रा परियोजनाओं को फोकस में रखा गया। लेकिन जो चर्चा हॉट थी, उस पर दोनों देशों के नेताओं की चर्चा हुई या नहीं, इस पर संशय बरकरार रहा। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने श्रीलंकाई काउंटरपार्ट के सम्मान में भोज दिया। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज, गृह मंत्री राजनाथ सिंह, संयुक्त प्रगतिशील गठजोड़ की चेयरपर्सन सोनिया गांधी समेत कई नेता श्रीलंकाई प्रधानमंत्री से मिले। मुलाकातों के बारे में सिर्फ इतनी ही सूचना बाहर आई कि दोनों देशों के आपसी सहयोग और रिश्ते पर बातचीत हुई। भारत–श्रीलंका रिश्ता नाजुक मोड़ पर है और इसका एक कारण है, चीन से श्रीलंका की नजदीकी और दूसरा है, तमिलनाडु। श्रीलंका के प्रधानमंत्री तो स्वदेश लौट गए, मगर श्रीलंका से ज्यादा भारत में चर्चा बनी। बकौल सिरिसेना ''फर्जी' यह खबर कुछ और खुलासे लाई। खबर भारत की है पर तार श्रीलंका से जुड़ा है। जिस भारतीय एम थॉमस के हवाले से श्रीलंका के राष्ट्रपति ने अपनी हत्या की ''साजिश' का प्रचार किया, वह श्रीलंका के ही जेल में है। उसे आतंक–निरोध कानून के अंतर्गत एक महीना पहले 23 सितम्बर को कोलंबो में एक श्रीलंकाई नागरिक नामल कुमारा के घर से गिरफ्तार किया गया। नामल कुमारा स्वयंभू भ्रष्टाचार निरोध आंदोलनकारी कहलाता है। श्रीलंकाई अधिकारियों ने ''थॉमस' की पहचान इसी नाम से बताई है। विक्रमसिंघे के स्वदेश लौटने के एक ही दिन बाद मुंबई के एक व्यक्ति ने खुद को थॉमस का भाई बताते हुए कहा कि थॉमस मानसिक रूप से विक्षिप्त है। सूत्रों के मुताबिक थॉमस के भाई ने भी अपना नाम नहीं खोला और कहा कि थॉमस की दिमागी हालत सही नहीं है, शारीरिक रूप से भी विकलांग है इसलिए उसे तत्काल जेल से रिहा करके उसके मानसिक इलाज की जरूरत है। थॉमस के भाई ने और भी कई सनसनीखेज खुलासे किए । थॉमस के भाई के अनुसार 25 सितम्बर को भारतीय अधिकारी उससे मिले और बताया कि थॉमस को श्रीलंका में उसके टूरिस्ट वीसा की अवधि समाप्त होने के काफी समय बाद तक टिके रहने के कारण गिरफ्तार किया गया। उसने कहा कि भारतीय अधिकारी थॉमस की पहचान सुनिश्चित करने के लिए उसका आधार कार्ड देखना चाहते थे। गिरफ्तारी से एक सप्ताह पहले थॉमस से बात हुई और उसने कहा– ''मेरी जान को खतरा है।' यह बात भी थॉमस के भाई ने ही बताई, जो चेन्नई से आकर मुंबई में रहता है और चेन्नई में इसके काफी संपर्क हैं। थॉमस के भाई के मुताबिक 1997 में एक दुर्घटना में उसके सिर में भारी चोट लगी और उसी समय से वो मानसिक रूप से विक्षिप्त हो गया, उसे जेल की नहीं, इलाज की जरूरत है। 23 सितम्बर से जेल में बंद श्रीलंका सरकार द्वारा पहचाने गए थॉमस के भाई का यह कथन अगर सही है तो श्रीलंकाई अधिकारियों को एक महीना में कैसे नहीं पता चला कि थॉमस मानसिक रूप से बीमार है? अगर पता चल गया तो एक विक्षिप्त के हवाले से राष्ट्रपति ने इतना हंगामा कैसे खड़ा कर दिया?

यौन उत्पीड़न से मुक्ति

मीटू अभियान ने समाज ही नहीं, शासन पर भी अपना असर दिखाया, यह दिल्ली और केंद्र सरकार के फैसले से प्रतीत होता है। इस अभियान की पृष्ठभूमि में दिल्ली सरकार ने यौन उत्पीड़न की शिकार महिलाओं को दी जाने वाली मुआवजा राशि में बढ़ोतरी की है, तो केंद्र सरकार ने कार्य स्थलों पर यौन उत्पीड़न की घटनाओं को रोकने और उससे निपटने के लिए कानूनी और संस्थागत ढांचा को मजबूती प्रदान करने के लिए गृह मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में मंत्री समूह का गठन कर दिया है। यह समूह कार्यकारी महिलाओं के यौन उत्पीड़न से निपटने के बारे में मूलतरू दो बिन्दुओं पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह मौजूदा प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कदम उठाने के साथ–साथ कानूनी एवं संस्थागत ढांचे में जरूरी बदलाव के लिए सिफारिश करेगा। यह अच्छी बात है कि मंत्री समूह को निर्धारित समय तीन महीने के भीतर महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े प्रावधानों की परीक्षा कर अपनी सिफारिश देनी है। यह समयबद्धता महिला सुरक्षा के संदर्भ में सरकार की प्रतिबद्धता को दिखाती है।

जिस प्रकार सामंतवाद से पूंजीवाद की ओर संक्रमणशील भारतीय समाज के सामने नई चुनौतियां पेश हो रही हैं, उम्मीद की जा सकती है कि मंत्री समूह की सिफारिशों में उनका समाधान होगा, ताकि एक सचमुच समावेशी समाज का निर्माण किया जा सके। कहने का आशय यह है कि मंत्री समूह की सिफारिश में वर्तमान ही नहीं, भविष्य के प्रति भी सजगता दिखे। यह चिंता इसलिए भी है कि विशाखा मामले में सुप्रीम कोर्ट के दिशा–निर्देश एवं बाद में इसके मद्देनजर कानून बन जाने पर भी मंत्री समूह को मौजूदा कानूनी एवं संस्थागत ढांचे पर पुनर्विचार करना पड़ रहा है। इसके बावजूद अगर पूर्व की भांति ही स्थिति बनी रहती है, तो यही कहा जाएगा कि मौजूदा कवायद बेकार चली गई। उम्मीद की जा सकती है कि अतीत की पुनरावृत्ति नहीं होगी और आने वाले समय में कार्यस्थलों पर महिलाओं के प्रति व्यवस्था की सोच बदलेगी और उन्हें यौन उत्पीड़न एवं उससे उपजी मानसिक यातना से मुक्ति मिलेगी। यह भी उम्मीद की जा सकती है कि यह आवाज शहरी समाज के पढ़े–लिखे लोगों से परे सुदूर गांवों के गरीबों तक भी पहुंचेगी, जो अभी इस अभियान के केंद्र में नहीं हैं। इसकी उम्मीद दिख भी रही है, क्योंकि भूमंडलीकरण के इस दौर में कई मसलों पर परस्पर विरोधी वैचारिक समूहों का स्वर एक–सा है।

युद्धस्तर पर कराएं मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य

आजमगढ़ (एजेंसी)। निजामाबाद तहसील सभागार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के मद्देनजर उपजिलाधिकारी वागीश शुक्ला की देख–रेख में क्षेत्र के बीएलओ व अन्य कर्मचारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कहा गया कि मतदाता सूची में नाम नहीं है तो फार्म–6 भरवाना सुनिश्चित करें। कोई भी युवा व मतदाता छूटने पाए। हर हाल में सभी के नाम मतदाता सूची में शामिल करें, ताकि वे मतदान कर सकें। पूर्ति निरीक्षक संजय यादव ने कहा कि सभी कर्मचारी युद्धस्तर पर इस कार्य में जुट जाएं। छूटे मतदाताओं का नाम फार्म–छह भरवा कर दुरुस्त करवाएं। इसके अलावा जिन लोगों के नाम गलत है वह लोग भी अपना नाम सही करवा लें, ताकि उन्हें मतदान में दिक्कत न हो। इस अवसर पर तहसीलकर्मी व अन्य लोग उपस्थित थे।

सर्पदंश से महिला की मौत

जौनपुर (एजेंसी)। गभिरन क्षेत्र के दरना गांव में सर्प दंश से महिला की मौत हो गई। महिला उपल निकालने गई थी। गांव के सुरेन्द्र कुमार की पत्नी अंजू देवी खाना बनाने के लिए घर के बगल उपल निकाल रही थी। लकड़ी निकालते समय पहले से बैठे सर्प ने महिला को डस लिया। जानकारी के बाद परिजन उसे लेकर निजी अस्पतोल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर फैलते ही परिवार में कोहराम मच गया। बाद में गांव वालों ने सपेरा बुलाकर तीन सापों को निकलवाया। मृतका के चार बच्चे हैं।

बड़ौदा किसान दिवस का समापन

लखनऊ (एजेंसी)। विश्व खाद्य दिवस के उपलक्ष्य में बैंक बैंक ऑफ बड़ौदा ने एक पखवाड़ें के कार्यक्रम बड़ौदा किसान दिवस का समापन किया गया। कृषक वर्ग को समर्पित यह पखवाड़ा एक अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक किया गया। बैंक द्वारा पूरे देश में किसानों के साथ साझेदारी करने के लिये किसान मेलों एवं मेगा किसान मेलों का आयोजन किया गया। इन मेलों का मुख्य उद्देश्य वित्तीय साक्षरता को बढ़ाना एवं कृषक समुदाय की प्रतिबद्धताओं को उत्सव के रूप में मनाते हुए यह संदेश देना था कि हमारे बैंक के वित्तीय उत्पादों की सहायता से कृषक समुदाय तक हमारे द्वारा किये गये 42 एमओयू का कृषकों, आपूर्तिकर्ता एवं विक्रेताओं को सहायता पहुंचाने के दृष्टिकोण से किया गया है।

अज्ञात द्वारा दो बाइकें चोरी

इटावा (एजेंसी)। अलग अलग स्थानों से शातिर वाहन चोर मौका पाकर दो बाइकें चोरी कर ले गये। अतः जपनद में वाहन चोरी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आए दिन चोर दिनदहाड़े वाहनों को चोरी कर ले जा रहे। पुलिस द्वारा अनेक वाहन चोर गैंगों का भंडफोड़ किया गया है। लेकिन उसके बाद भी घटनायें चरम पर हैं। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के कटरा सेवाकली में घर के सामनें से दिनदहाड़े बाइक चोरी हो गई। जानकारी होने पर कटरा सेवाकली निवासी मोहित मित्तल ने आस पास अपनी बाइक को तलाश किया और आस पास के लोगों से पूछताछ भी की। लेकिन उनकी बाइक नहीं मिली। दूसरी ओर शहर के कस्बा जसवंतनगर थाना क्षेत्र के ग्राम कटेखेड़ा से चोर थाना क्षेत्र के ग्राम केवाला निवासी कृष्णमुरारी की बाइक चोरी कर ले गये। अतः बाइकें चोरी हो जाने पर वाहन स्वामियों ने थाना क्षेत्रों में अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश जारी कर दी है।

अवैध शराब के साथ दो गिरफतार

इटावा (एजेंसी)। कोतवाली थाना पुलिस ने गश्त के दौरान क्षेत्र के शोराबाल इंटर कालेज से टीटी तिराहे से दो लोगों को अवैध देशी शराब सहित गिरफतार कर लिया गया। कोतवाली क्षेत्र के रेलवे रोड चौकी इंचार्ज एसआई नितेन्द्र कुमार वशिष्ठ त्यौहारों के चलते टीम सहित गश्त पर थे। उसी दौरान पुलिस टीम ने दो लोगों को बड़े से थैले के साथ क्षेत्र के शोराबाल इंटार कालेज से टीटी तिराहे वाले मार्ग पर जाते देखा। पुलिस द्वारा संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस बल द्वारा दोनों लोगों को रोक लिया गया। तलाशी पर पुलिस ने दोनों लोगो के कब्जे से करीब 65 क्वार्टर अवैध देशी शराब बरामद की। एसआई नितेन्द्र कुमार वशिष्ठ द्वारा दोनो व्यक्तियों को थाना कोतवाली पहुंचाया। जहां पूछताछ पर अभियुक्तों ने अपना नाम आकाश कुमार पुत्र रामपाल सिंह निवासी कोकपुरा थाना फ्रेण्डस कालोनी व सचिन पुत्र हुकुम सिंह निवासी कोकपुरा थाना फ्रेण्डस कालोनी इटावा बताया। कोतवाली पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

चोरी बाइक समेंत दो गिरफतार

जसवंतनगर/इटावा (एजेंसी)। थाना उपनिरीक्षक अवधेश कुमार अपने हमराहियों के साथ क्षेत्र अर्न्तगत वाहनों तथा संदिग्ध लोगों की चेकिंग कर रहे थे। तभी पुलिस टीम ने सामने से तेज रफतार बाइक पर दो लोगों का आते देखा। पुलिस द्वारा संदिग्ध प्रतीत होने पर उन्हें रोक लिया गया। तभी पुलिस द्वारा उस बाइक सवारों से बाइक के लाइसेंस दिखाने के लिए कहा। अतः अभियुक्तों के पास बाइक का लाइसेंस न होनें के कारण पहले तो बाइक सवार पुलिस टीम के साथ बाते बनाते हुए वहां से भागने का प्रयास करने लगे। लेकिन कामयाब न हो सके। अतः सख्ती से पूछताछ पर अभियुक्तों ने बाइक को चोरी का बताया। थाना पुलिस द्वारा दोनों अभियुक्तो को चोरी की बाइक सहित गिरफतार कर लिया। मुख्य आरोपी ने अपना नाम अनिरुद्व पुत्र सतीकेश निवासी बाबू नगला हरनारायण थाना बसरेहर बताया। अभियुक्तों ने बताया कि वह बाइकों को चोरी कर उन्हें बैंचने का कारोबार करते आ रहे थे। अतः वह बाइक को बैंचने के लिए ही जा रहे थे। थाना पुलिस ने अभियुक्तों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया।

फर्जीवाड़े के आरोपी को मिली अंतरिम जमानत

सुल्तानपुर (एजेंसी)। तेईस वर्ष पुराने फर्जीवाड़े के मामले में गैरहाजिर चल रहे आरोपी की तरफ से प्रस्तुत जमानत अर्जी पर जिला जज की अदालत में सुनवाई चली।प्रभारी न्यायाधीश ने आरोपी की अंतरिम जमानत मंजूर कर ली है। मामला कोतवाली नगर थाना क्षेत्र से जुड़ा है। जहाँ पर हुए फर्जीवाड़े के मामले में आरोपी समशुद्दीन के खिलाफ वर्ष 1995 में मुकदमा दर्ज हुआ।मामले में आरोपी समशुद्दीन गैरहाजिर चल रहा था,जिसने मंगलवार को हाईकोर्ट के निर्देशन में आत्मसमर्पण किया। आरोपी की तरफ से जिला जज की अदालत में जमानत अर्जी भी प्रस्तुत की गई।जिस पर सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने जमानत पर विरोध जताया,वहीं बचाव पक्ष के अधिवक्ता अरबिन्द सिंह राजा ने आरोपी को अंतरिम जमानत पर रिहा करने की मांग की।

अमित शाह ने खींचा मिशन 2019 का खाका, मंदिर पर फोकस, योगी सरकार के कामकाज पर जताई चिंता

लखनऊ (एजेंसी)। मिशन 2019 को ध्यान में रखते हुए बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह ने बुधवार को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, भाजपा संगठन और सरकार के साथ समन्वय बैठक में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव को ध्यान रखते हुए तमाम मुद्दों पर चर्चा की। इस बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ सीएम योगी आदित्यनाथ,डिप्टी सीएम केशव मौर्य, दिनेश शर्मा और संगठन से राष्ट्रीय संगठन मंत्री शिव प्रकाश, महासचिव भूपेंद्र यादव, राष्ट्रीय संगठन मंत्री रामलाल प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र पांडे भी शामिल हुए। बैठक में एक तरफ राम मंदिर का मुद्दा छाया रहा तो दूसरी तरफ अमित शाह ने आरएसएस के फीडबैक के बाद सरकार के कामकाज को लेकर भी चिंता जताई। आरएसएस से लिया फीडबैक दिया, उसके मुताबिक भाजपा के मौजूदा हालात में प्रदेश में हालात बेहतर नही है, जिसका मुख्य कारण प्रदेश की मौजूदा रणनीति को जिम्मेदार बताया गया है। कानून व्यवस्था व भ्रष्टाचार से जुड़े मामले भी उठे। इसको लेकर अमिता शाह ने काफी चिंता जताई। सूत्रों के मुताबिक उन्होंने सीएम योगी व दोनों डिप्टी सीएम से इमेज मेकओवर की बात भी कही। वहीं कानून व्यवस्था को लेकर उठ रहे तमाम सवालों को जल्द सुलझाने को कहा। अमित शाह के मुताबिक सरकार को हर मामले का डैमेज कंट्रोल जल्द से जल्द करना चाहिए वरना इसका असर पार्टी की छवि पर भी पड़ जाता है। इसके अलावा बैठक में मंत्रिमंडल विस्तार पर भी चर्चा हुई। नवंबर के पहले सप्ताह में मंत्रीमंडल में फेरबदल संभव है।युवा वोटरों को लुभाने के लिए इस बार नए चेहरों को इसमें तरजीह मिलेगी। सूत्रों का कहना है कि भाजपा का राष्ट्रीय नेतृत्व कई मंत्रियों के कामकाज से खुश नहीं है, इस वजह से उनके काम की भी समीक्षा की जाएगी। साथ ही लोकसभा चुनाव में प्रत्याशियों के चयन के बारे में भी अमित शाह ने कुछ दिशा–निर्देश दिए। साफ छवि व जिताऊ उम्मीदवारों को ही टिकट दिए जाने के संकेत दिए। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान और मंदिर बनाने के लिए अन्य हिंदूवादी संगठनों के बढ़ रहे दबाव को देखते हुए माना जा रहा था कि इस मुद्दे पर भी बैठक में चर्चा होगी। इस बारे में जनता की नब्ज टटोलते हुए पार्टी का स्टैंड तय करने पर भी बात हुई। अमित शाह ने संकेत दिए कि चुनाव में ये मुद्दा अहम साबित होने वाला है लिहाजा सोच–समझकर ही पार्टी पदाधिकारी इस पर बयान दें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ , उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और डॉ. दिनेश शर्मा ने बुधवार सुबह अमित शाह का स्वागत किया। वह राजधानी में करीब दस घंटे रहेंगे और शाम आनन्दी वाटर पार्क से एयरपोर्ट जाएंगे। संभावना है कि शाह पार्टी के प्रदेश मुख्यालय भी जा सकते हैं। वहां कुछ प्रमुख बिन्दुओं पर संगठन के पदाधिकारियों से वह विमर्श कर सकते हैं। बैठक में आरएसएस के दो सर सहकार्यवाह भी मौजूद रहे। इसमें आरएसएस के अनुषांगिक संगठनों के अध्यक्ष और महामंत्री भी बुलाए गए हैं। इनके अलावा आरएसएस मुख्य संगठन के सभी प्रांतों की टोली बुलाई गई थी। सरकार की ओर से बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और डॉ. दिनेश शर्मा मौजूद रहे जबकि भाजपा संगठन से प्रदेश अध्यक्ष डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल व सभी महामंत्री मौजूदगी दिखे।

ट्यूबवेल में भीषण आग लगने से भारी नुकसान

इटावा (एजेंसी)। कोतवाली थाना क्षेत्र के पक्का तालाब चौराहे के पास नगर पालिका परिषद्व के निस्प्रयोजित ट्यूबवेल के अलावा दो अन्य गैराजों में अचानक भीषण आग लग गई। अतः आग लगते ही आस पास के लोगों में भगदड़ एंव अफरा तफरी मच गई। सुरक्षा को लेकर लोग अपनी अपनी दुकाने छोड़कर वहां से भागने लगे एवं आग पर काबू पाने की कोशिश की। लेकिन किसी भी तरह आग पर काबू नहीं पाया जा सका। तभी घटना की जानकारी पर कोतवाली थाना पुलिस टीम सहित कई आला अफसर एंव दमकल विभाग की गाड़ियां आनन फानन में घटना स्थल पर पहुंची। कड़ी मशक्त के बाद करीब घंटे बाद दमकल विभाग की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

गुलरा गांव में कई महीने से तेंदुए का आतंक

बहराइच (एजेंसी)। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के कतर्निया रेंज के सदर बीट स्थित गुलरा गांव में कई महीने से तेंदुए का आतंक है। मादा तेंदुआ अपने दो शावकों के साथ गांव के आस–पास मंडरा रही है। ग्रामीणों की मांग पर वन विभाग की ओर से गांव के बाहर पिंजरा लाकर रख दिया गया, किन्तु उसमें बकरी नहीं बांधी गई है। गांव में लगातार तेंदुआ आने के भय से ग्रामीण परेशान हैं। तेंदुए के हमलों पर भी वन विभाग सबक नहीं ले रहा है, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है। बुधवार को ग्रामीणों ने पिंजरे के पास पहुंचकर प्रदर्शन कर उसमें बकरी बांधे जाने की मांग की। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के कतर्निया रेंज के सदर बीट स्थित गुलरा गांव में 16 अक्टूबर को 19 वर्षीय पम्मी उर्फ प्रीती मौर्या तेंदुए ने अपना निवाला बना लिया था। कुछ दिन पूर्व तेंदुआ दिन में करीब 10 बजे गुलरा गांव में ही अशोक मौर्य को घायल करके राम सिंह के घर में घुस गया था। ग्रामीणों की ओर से शोर करते हुए वन विभाग को सूचना दी थी। करीब 4 घंटे के रेस्क्यू के बाद वन विभाग ने तेंदुए को पकड़कर जंगल में छोड़ा था। इस घटना के बाद वन विभाग ने सर्तकता दिखाते हुए राजेंद्र सिंह पुरवा विद्यालय में पिंजरा लगाकर दो तेंदुओं को पकड़ा था। इसके बावजूद भी तेंदुए की आमद गांवों में हो रही है। गुलरा गांव के ग्रामीणों ने बताया कि पिछले 15 दिनों से तेंदुआ अपने दो शावकों के साथ गन्ने से निकलते हुए देखा जा रहा है। इसकी सूचना ग्रामीणों की ओर से वन अधिकारियों व कर्मचारियों को दी गई। तमाम प्रयास के बाद 4 दिन पूर्व गांव के बाहर गन्ने के खेत के बगल पिंजरा तो रखवा दिया गया, किन्तु उसमें बकरी नहीं बांधी गई है। ग्रामीणों का कहना है कि पिंजरे को सही ढंग से नहीं लगाया गया है। तेंदुए के लगातार गांव के आस–पास होने से खेतों को जाना मुश्किल हो गया है। शाम होते ही लोग अपने घरों में कैद हो जाते हैं। तेंदुए के भय से बैठकर पूरी रात बितानी पड़ती है।

दीवान बनाने के विवाद में दो पक्ष भिड़े

लखनऊ (एजेंसी)। मोहनलालगंज के बहेलियाखेड़ा में मंगलवार शाम विवादित जमीन पर दीवार बनाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ। जिसमें आधा दर्जन लोगों को चोटें आईं। मेवालाल के मुताबिक वह दीवार का निर्माण करा रहे थे। तभी लल्लन साथियों संग वहां आ धमका। उसने दीवार बनाने पर एतराज जताया। जिसे लेकर दोनों पक्षों में मारपीट होने लगी। इंस्पेक्टर मोहनलालगंज धीरेन्द्र प्रताप कुशवाहा ने बताया कि मेवालाल, कृष्ण कुमार, लल्लन यादव व सहदेव समेत छह लोगों को चोटें आईं है। जिन्हें सीएचसी में भर्ती कराया गया है। साथ ही दोनों पक्षों की तहरीर पर एफआईआर दर्ज की गई है।

बिजली के पोल से गिरकर युवक की मौत

बहराइच (एजेंसी)। शहर के सिविल लाइन इलाके में हाईवे पर नर्सरी के समीप बुधवार को दोपहर बिजली पोल पर चढ़कर तार खोल रहा युवक पैर फिसलने से सड़क पर गिर गया। गंभीरावस्था में उसे जिला अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। नाराज परिजनों ने हाईवे पर जाम लगा दिया। जिससे आवागमन ठप हो गया। नगर कोतवाल प्रेम प्रकाश पांडेय व रायपुर राजा पुलिस चौकी प्रभारी जर्नादन राम ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर जाम हटवाया। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद लाश परिजनों को सौंप दी है। कोतवाली नगर के सिविल लाइन इलाके में अंडर ग्राउंड बिजली लाइन चालू होने की वजह से सड़क पर लगी बिजली लाइन हटवाई जा रही है। यह कार्य ठेकेदार करवा रहे हैं। हास्पिटल रोड पर पेट्रोल पम्प के समीप बुधवार को अपरान्ह लगभग 12रू45 बजे पोल पर चढ़कर लाइन हटा रहा युवक दरगाह थाने के घोसियाना निवासी 18 वर्षीय गुड्डन पुत्र सलीम पैर फिसलने से नीचे आ गिरा। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद वहां काम कर रहे अन्य श्रमिकों में हड़कंप मच गया। श्रमिकों ने दौड़कर घायल गुड्डन को जिला अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इसी दौरान युवक के परिजन पोल से गिरने की सूचना पर सिविल लाइन पहुंच गए। जैसे ही परिजनों को युवक के मौत की भनक लगी। उन्होंने हाईवे पर जाम लगा दिया। जानकारी मिलते ही देहात कोतवाली की रायपुरराजा पुलिस चौकी प्रभारी जर्नादन राम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। कुछ समय पश्चात नगर कोतवाल प्रेम प्रकाश पांडेय पुलिस बल के साथ पहुंच गए। उन्होंने नाराज लोगों को समझा बुझाकर हटाया। लगभग आधा घंटे बाद आवागमन बहाल हो सका। नगर कोतवाल प्ने बताया कि तहरीर मिलने पर केस दर्ज कर लिया जाएगा।

एक माह से अनुपस्थित सफाईकर्मी निलंबित

आजमगढ़ (एजेंसी)। जिला पंचायत राज अधिकारी प्रकाश श्रीवास्तव ने एक माह से अनुपस्थित चल रहे सफाई कर्मचारी हरिश्चंद्र मौर्य को निलंबित कर दिया है। निलंबन के बाद वह महराजगंज ब्लाक मुख्यालय से संबद्ध रहेंगे और स्पष्टीकरण प्रस्तुत करेंगे। हरैया के सहायक विकास अधिकारी पंचायत को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। जांच अधिकारी तीन सप्ताह के अंदर आरोप पत्र तैयार कर प्रस्तुत करेंगे। सफाई कर्मी हरिश्चंद्र मौर्य महराजगंज विकास खंड के ग्राम पंचायत नौबरार देवारा जदीद किता–दो पर तैनात थे। बीते 24 सितंबर से बिना किसी सूचना के अनुपस्थित थे। उनका मोबाइल फोन भी बंद था। यह कर्मचारी आचरण नियमावली के विरुद्ध है। इसकी जांच डीपीआरओ ने सहायक विकास अधिकारी पंचायत से कराई थी। जांच में दोषी पाए जाने पर उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। डीपीआरओ ने बताया कि निलंबन के दौरान जीवन निर्वाह भत्ता, अर्ध औसत वेतन पर देय अवकाश वेतन के आधार पर अन्य प्रतिकर भत्ते से निलंबन काल में इस शर्त पर देय होंगे कि संबंधित कर्मचारी द्वारा उन मदों में वास्तव में व्यय किया जा रहा हो, जिसके लिए ऐसे प्रतिकर भत्ते अनुमन्य हैं।

छात्रों का आंदोलन जारी, वीसी को केन्द्रीय कार्यालय में प्रवेश करने से रोका

वाराणसी (एजेंसी)। सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में छात्रों का आंदोलन दूसरे दिन भी जारी रहा। बुधवार को भी छात्रों ने परिसर का कामकाज ठप करने के बाद विभागों को बंद किया। इसके बाद केन्द्रीय कार्यालय के सामने धरना–प्रदर्शन किया। छात्रों ने वीसी प्रो.राजाराम शास्त्री को केन्द्रीय कार्यालय में प्रवेश करने से रोक दिया। मौके पर तैनात पुलिस भी छात्रों को समझाने में विफल रही। दो दिन से चल रहे आंदोलन के चलते परिसर में नवम्बर को होने वाले दीक्षांत समारोह पर संकट गहराया गया है। सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के छात्र संस्कृत कॉलेज में नियुक्ति पर लगी रोक से नाराज है और दो दिन से धरना–प्रदर्शन कर परिसर में जमकर नारेबाजी कर रहे हैं। बुधवार को छात्रों ने केन्द्रीय कार्यालय में कार्य बहिष्कार कराने के बाद परिसर का कामकाज ठप कर दिया। कर्मचारी संघ व शिक्षक संघ के नैतिक समर्थन देने के बाद आंदोलन तेज हो गया है। छात्रों के विभागों को बंद कराने से परिसर की सारी व्यवस्था पटरी से उतर गयी। इसके बाद छात्रों ने केन्द्रीय कार्यालय के सामने धरना दिया और जमकर नारेबाजी की। छात्रों ने कहा कि संस्कृत को देववाणी कहा जाता है लेकिन संस्कृत के छात्रों को जब रोजगार देने की बात आती है तो उनके साथ सौतेला व्यवहार होता है। संस्कृत में रोजगार की कमी के चलते ही देववाणी का अध्ययन करने वालों की संख्या लगतार कम हो रही है इसके बाद भी सरकार से लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन कोई कारगर कदम नहीं उठा रहा है। संस्कृत कॉलेजों में नियुक्ति पर लगी रोक हटने से छात्रों को रोजगार मिलने की संभावना बन गयी थी लेकिन फिर से रोक लगा कर संस्कृत के छात्रों को धोखा दिया गया है। छात्रों ने कहा कि जब तक संस्कृ त कॉलेजों में नियुक्ति पर लगी रोक हटने तक हम लोगों का आंदोलन जारी रहेगा। आंदोलन में अध्यापक संघ अध्यक्ष प्रो.आशुतोष मिश्र, कर्मचारी संघ अध्यक्ष सुशील तिवारी, गणेश गिरी, डा.साकेत शुक्ल, जगदम्बा मिश्र बली, बृजेश त्रिपाठी, जितेन्द्रधर द्विवेदी आदि शामिल रहे।

सरस्वती एजुकेशनल फाउंडेशन द्वारा आयोजित

लखनऊ (एजेंसी)। हमारी सोच एकदम आपके जैसी है, हम एकदम सामान्य बच्चे की तरह सोचते है तथा वैसे ही करते हैं, यहां बात हो रही है उन स्पेशल बच्चों की जो खेलकूद की दुनिया सहित विभिन्न क्षेत्रों में नाम कमा रहे है। ऐसे ही स्पेशल बच्चों को एक मंच देने तथा आम जनों को इनकी प्रतिभाओं से रूबरू कराने के लिए सरस्वती एजुकेशनल फाउंडेशन द्वारा आयोजित चतुर्थ हौसला राज्य स्तरीय स्पेशल गेम्स के पहले दिन इन बच्चों के खेल के मैदान में दिखे जोश को हर किसी ने सराहा। एकदम ओलंपिक खेलों की तर्ज पर इन खेलों की मशाल भी राशन हुई। अर्जुन अवार्डी इंटरनेशनल एथलीट गुलाब सिंह और स्पेशल ओलंपिक के पदक विजेता पल्लव मेहरोत्रा की अगुवाई में अलंकृत गुप्ता, इच्छा पटेल, पूजा शंकर और राहुल सिंह ने जब दौड़ के बाद मशाल अतिथियों को सौंपी तो पूरा स्टेडियम तालियों से गूंज उठा। इन खेलों का शुभारंभ मुख्य अतिथि ओमप्रकाश राजभर (विकलांग जनविकास मंत्री, प्रदेश सरकार), विशिष्ट अतिथिगण भाजपा नेता दयाशंकर सिंह, सैयद अहमद बाबा (प्रमुख सचिव, खेल, पश्चिम बंगाल), खेल निदेशक डा.आरपी सिंह, भारतीय ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष आनन्देश्वर पाण्डेय, अर्जुन अवार्डी इंटरनेशनल एथलीट गुलाब चंद, अतिरिक्त निदेशक (बेसिक शिक्षा) ललिता प्रदीप, अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी मोनिका भौनवाल, केडी आर ग्रुप के अविनाश चंद्र व एल्डिको के निदेशक अनिल तिवारी भी मौजूद थे। आयोजन सचिव डा.सुधा बाजपेई के अनुसार दो दिवसीय इस आयोजन में आशा ज्योति, आशा आवा, अस्मिता, सीमा सेवा संस्थान, सक्षम, चेतना, समर्पण, टच, ज्योति स्पेशल स्कूल, नवदीप, सोनल, पायसन, दोस्ती,सनराइजिंग, क्राइस्ट चर्च, बचपन, कानपुर उम्मीद, आशा किरण, बरेली, कानपुर, इटावा, रायबरेली व वाराणसी आदि जिलों की संस्थाओं की टीमें भी हिस्सा ले रही हैं। इस अवसर पर बजते म्यूजिक पर इन बच्चों ने जमकर झूमकर व डांस करके अपनी खुशी का इजहार किया। आशा आवा की बालिका टीम ने बोची का खिताब जीता। वहीं बालकों में नवदीप की टीम चौंपियन बनीं। वहीं एथलेटिक्स में दिव्यांशु, मृत्युंजय, अंशिका,चंचल, आयुषी ने अपने–अपने वर्ग की दौड़ में पहला स्थान हासिल किया।

विधिक सहायता शिविर का हुआ आयोजन

लखनऊ (एजेंसी)। आज लखनऊ के सरोजिनीनगर क्षेत्र बंथरा सिकंदरपुर में सामाजिक संगठन पैरवी, अमलतास और ह्यूमन राइट्स मानिटरिंग फोरम के संयुक्त तत्वावधान में न्याय से वंचित समुदाय को कानूनी जागरूक करनें और पीड़ितों को कानूनी मदद कर न्याय दिलाने हेतु विधिक सहायता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में बढ़ी सख्या में समुदाय के लोगों ने भागीदारी की। शिविर में समुदाय के मनीष जायसवाल ने बताया कि उनके मोहल्ले में आज तक बिजली नहीं आयी लेकिन बिजली का बिल आने लगा। चौम्पियन थारू ने बताया कि उनके सहित 50 लोगों को राशन नहीं मिलता। बबली ने बताया कि वह लोग झोपड़ी में रहती है और अनुसूचित जनजाति में आती है उन्होंने कई बार आवास के लिए प्रयास किया लेकिन उनके मोहल्ले में आज तक किसी को आवास नहीं मिला। शिविर में शामिल अन्य लोगों ने अपनी समस्याओं और सवालों को रखा जिसका पैनल ने जवाब दिया और उनके समस्याओं का उपचार बताया तथा मामूली विवादों को मध्यस्थता व आपसी बातचीत से हल करनें की सलाह दिया गया और कानूनी जानकारी के लिए पर्चे का वितरण किया गया। आयोजित शिविर के पैनल में एडवोकेट वी.के. त्रिपाठी,एड. अजय शर्मा, मानवाधिकार कार्यकर्ता अमित अम्बेडकर, मुन्ना प्रजापति शामिल रहे।

विसर्जन की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण : डीएम

सुलतानपुर (एजेंसी)। जिलाधिकारी विवेक ने बताया कि मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गयी है। दुर्गा प्रतिमाओं को निर्धारित स्थल पर विसर्जन कराया जायेगा। मूर्ति विसर्जन को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु मजिस्ट्रेटों एवं पुलिस अधिकारियों की तैनाती की गयी है। उन्होंने सम्बन्धित उपजिलाधिकारी व पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया है कि मां दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन सकुशल सम्पन्न करायें। जिलाधिकारी आज कलेक्ट्रेट में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के सम्बन्ध में बैठक को सम्बोधित कर रहे थे।जिलाधिकारी ने कहा कि शहर की दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन हेतु मजिस्ट्रेटों व पुलिस अधिकारियों की ड्यूटी लगायी गई, जो निर्धारित समय से प्रतिमाओं का सकुशल विसर्जन करायेंगे। इसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारियों की होगी। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार दुर्गा पूजा महोत्सव को सकुशल सम्पन्न कराने में आप सभी ने अपना सहयोग किया है, ठीक उसी प्रकार मूर्ति विसर्जन को भी सकुशल सम्पन्न कराना होगा। उन्होंने बताया कि प्रतिमाओं के विसर्जन हेतु नम्बरवार सूची बनायी गयी है। इस हेतु 20–20 मूर्तियों के विसर्जन के लिए एक प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनकी जिम्मेदारी होगी कि वे समय से उपस्थित रहकर मूर्तियों का विसर्जन सम्पन्न करायें। जिलाधिकारी ने कानून व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए। अपर पुलिस अधीक्षक सिटी डॉ. मीनाक्षी कात्यायन ने बताया कि मूर्ति विसर्जन को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु पुलिस अधिकारियों एवं पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल की स्थलवार तैनाती की गयी है। जो निर्धारित समय पर अपने ड्यूटी स्थलों पर उपस्थित रहकर प्रतिमाओं का विसर्जन करायेंगे। बैठक का संचालन एडीएम प्रशासन हर्षदेव पाण्डेय करते हुए विसर्जन में तैनात मजिस्ट्रेटों व कार्मिकों की जानकारी दी। इस अवसर पर सीडीओ राधेश्याम, अपर जिलाधिकारी (वि.रा.) अमरनाथ राय, सीआरओ महेन्द्र, सीएमओ डॉ. सीबीएन त्रिपाठी, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट,एसडीएम सदर प्रणय सिंह व समस्त एसडीएम, अपर उपजिलाधिकारी राम अवतार, सीओ चकबन्दी , डीडी कृषि शैलेन्द्र शाही, डीएसटीओ पन्नालाल व सम्बन्धित उपस्थित थे।

एमआरपी बिगाड़ कर अधिक दामों पर बेंचा जा रहा अमूल दूध

लखनऊ (एजेंसी)। शहर में खुलेआम बिना किसी डर और भय के नामी ब्राण्ड के दूध के पैकेट को वास्तविक मूल्य से अधिक दामों पर बेंचा जा रहा है। यह मामला तब सामने आया कि जब शहर के गणेशगंज स्थित एक दुकान से नामी दूध के ब्राण्ड अमूल का गोल्ड दूध का आधा लीटर पैकेट तीस रूपये में बेंचा गया। जबकि कम्पनी इसे खुले बाजार में 26 रूपये में बेंच रही है। बताया जा रहा है कि आज शरदपूर्णिमा होने की वजह से दूध की मांग बढ़ने पर गणेशगंज स्थित दुकानदार ने एमआरपी पर अंकित वास्तविक मूल्य को बिगाड़ दिया और अमूल दूध को लेने वालों को गोल्ड के आधा लीटर का पैक 26 रूपये के बजाये तीस रूपये में बेंचा।

वहीं मजबूरी में उपभोक्ताओं ने समय की कमी के कारण अधिक दामों पर दूध खरीदना पड़ा। जानकारी के मुताबिक अधिक दाम पर दूध खरीदने वाले उपभोक्ता का कहना था कि हमारे समाज के लोग त्योहार के मौके पर मजबूरी का फायदा उठाकर लूटने की कोशिश करते है जो कि बहुत ही गलत है, उसने आशंका जतायी कि नामी ब्राण्ड के इस दूध की खपत कम और मांग ज्यादा होने पर अक्सर अधिक मूल्य पर दूध बेंचा जाता हो।

बगैर हेल्मेट बाइक दौड़ा रहे 727 का चालान कटा

लखनऊ (एजेंसी)। आप हेल्मेट लगाकर बाइक चलाएंगे तो सड़क दुर्घटना के वक्त सुरक्षित रहेंगे। बावजूद बगैर हेल्मेट मोटर साइकिल चलाने वाले लोग सुधरने का नाम नहीं ले रहे है। राजधानी में बीते छह माह में 50 हजार से ज्यादा बिना हेल्मेट सीट बेल्ट चेकिंग अभियान में लोग पकड़े गए। फिर भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। सड़क सुरक्षा सप्ताह के मद्देनजर बुधवार को राजधानी के विभिन्न चौराहों पर आरटीओ चेकिंग दस्तों ने अभियान चलाया। इस चेकिंग अभियान में 727 लोग बगैर हेल्मेट लगाए व 248 लोग बिना सीट बेल्ट लगाए पकड़े गए। चेकिंग दलों ने मौके पर चेतावनी देते हुए वाहन का चालान करके छोड़ दिया। आरटीओ प्रवर्तन विदिशा सिंह ने बताया कि शत प्रतिशत बाइक सवार हेल्मेट क प्रयोग करें। इसी मकसद से लखनऊ परिक्षेत्र के सभी चेकिंग दलों को लखनऊ बुलाकर चेकिंग कराई जा रही है। बावजूद यहां के लोग अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक नहीं हो रहे है। बगैर हेल्मेट व सीट बेल्ट के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। चेकिंग के दौरान बाइक सवार लोगों पर सख्ती से निपटने की कार्ययोजना बनाई जा रही है। ताकि अधिक से अधिक लोग हेल्मेट लगाए और दूसरों को हेल्मेट लगाने के प्रति जागरूक करें। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता अभियान बिना जनमानस के अधूरा रहेगा। बुधवार को राजधानी के सात चौराहे पर दोपहर तीन से पांच बजे तक अभियान चलाया गया। इस अभियान में लखनऊ मंडल के एआरटीओ प्रवर्तन और पीटीओ मौजूद रहे।

युवक जहरखुरानी का शिकार

जौनपुर (एजेंसी)। जहरखुरानी की घटनाएं थम नहीं रही हैं। लुधियाना से लौट रहे युवक को जहरखुरानों ने नशीला पदार्थ खिलाकर लूट लिया। युवक बुधवार सुबह छिड़वा भादी गांव के समीप सड़क के किनारे बेहोशी की हालत में पड़ा मिला। वह वहां मजदूरी करता था। उपचार के लिए युवक को पुरुष चिकित्सालय भर्ती कराया गया है। आजमगढ़ जनपद के अहिरौला थाना क्षेत्र के मक्खापुर गांव निवासी अनिल गौतम मंगलवार की रात किसान एक्सप्रेस पर सवार होकर शाहगंज पहुंचा। स्टेशन के बाहर निकलने पर बोलेरो पर सवार होकर गांव जाने के लिए निकला, लेकिन बुधवार की सुबह अनिल छिडवा भादी गांव के समीप बेहोशी की हालत में पड़ा मिला। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने उपचार के लिए पुरुष चिकित्सालय भर्ती कराया। उसका पैसा व मोबाइल समेत अन्य सामान लूट जहरखुरानों ने लूट लिया।

दक्षिण भारत के अभिनेता पवन कल्याण लखनऊ में

लखनऊ (एजेंसी)। दक्षिण भारत के जानेमाने अभिनेता व राजनीतिज्ञ चिरंजीवी के भाई पवन कल्याण बुधवार को लखनऊ में थे। पवन खुद भी दक्षिण के प्रसिद्ध कलाकार हैं और उनके यूं अचानक लखनऊ आने पर तमाम तरह के कयास लगाए गए। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार व यहां बसपा सुप्रीमो मायावती से मिलने आए थे, हालांकि उनसे मुलाकात नहीं हो पाई। शाम को पवन अम्बेडकर पार्क गए और वहां स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। यहां से वह हैदराबाद वापस चले गए। सुगुबुगाहट यह भी थी वह यहां किसी फिल्म के सिलसिले में नहीं आए थे बल्कि राजनीतिक कारणों से आए थे।

महिला से लूटा पर्स

लखनऊ (एजेंसी)। जानकीपुरम में मन्दिर से दर्शन कर घर लौट रही महिला से बाइक सवार बदमाश पर्स लूट कर फरार हो गए। मंगलवार शाम सहारा ग्रेस अपार्टमेंट निवासी सौम्या सिंह हनुमान मन्दिर गई थीं। घर लौटते वक्त जब वह आकांक्षा परिसर के पास पहुंची। तभी बाइक सवार दो बदमाशों ने झपट्टा मार कर उनका पर्स लूट लिया। सौम्या के मुताबिक पर्स में जेवर, आधार कार्ड व डेढ़ हजार रुपए थे। इंस्पेक्टर जानकीपुरम ने बताया कि लूट की एफआईआर दर्ज कर आरोपितों की तलाश की जा रही है।

दिवाली पर दो दर्जन अतिरिक्त वोल्वो बसें चलेंगी

लखनऊ (एजेंसी)। इस बार दिवाली पर अंतिम यात्री तक बसों की सेवा मुहैया कराने की कार्य योजना तैयार कर ली गई है। क्षेत्रीय प्रबंधक की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में लखनऊ से 15 वोल्वो व 11 जनरथ बसों की अतिरिक्त सेवाएं लखनऊ से दिल्ली रूट पर संचालित होंगी। वर्तमान में लखनऊ दिल्ली के बीच 45 बसें चल रही है। इन बसों में सीटें फुल हो चुकी है। ऐसे में लखनऊ से दिल्ली के बीच दो तरह की लग्जरी बसों में सीटों की बुकिंग शुक्रवार से शुरू होगी। यात्री परिवहन निगम की वेबसाइट पर अथवा आलमबाग व कैसरबाग बस अड्डे के टिकट काउंटर से एडवांस में टिकट बुक करा सकते है।

राजस्व न्यायालयों में लगे शासकीय अधिवक्ताओं का कार्यकाल बढ़ा

लखनऊ (एजेंसी)। राजस्व न्यायालयों में लगे शासकीय अधिवक्ताओं का कार्यकाल बढ़ा दिया गया है। उप भूमि व्यवस्था आयुक्त सुनील कुमार चौधरी ने इस संबंध में बुधवार को मंडलायुक्तों व जिलाधिकारियों को निर्देश भेज दिया है। उन्होंने कहा है कि राजस्व परिषद व जिला शासकीय अधिवक्ता (राजस्व) और मंडलों व जिलों के राजस्व न्यायालयों में कार्यरत शासकीय अधिवक्ता, सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता को राजस्व संहिता 2006 के अनुरूप शासकीय हित में अगली व्यवस्था तक काम करने की अनुमति दी जाती है। इसलिए पूर्व की तरह यह काम करते रहेंगे।

रेलवे ट्रैक के पास मिला युवक का शव

गोण्डा (एजेंसी)। कोतवाली इटियाथोक बकठोरवा गांव के पास ट्रेन से कटी लाश मिली है। आसपास के लोगों ने सूचना कोतवाली इटियाथोक को दी। एसआई अश्विनी पांडे ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर लाश को पोस्टमार्टम के लिए परिवार के साथ भेजा। एसआई ने बताया कि बीते रविवार को किसी ने सूचना दी कि सईद रजा उर्फ बबलू उम्र 30 निवासी शेख सराय सीतापुर, गोण्डा स्टेशन से कही गायब हो गया है। बुधवार को बकठोरवा गांव के रेलवे ट्रैक के पास ट्रेन से कटी लाश की सूचना पुलिस को मिली। सूचना पर पहुंचे एसआई श्री पांडे ने इसकी जानकारी बीते रविवार को आए सूचना धारक को दी। सूचना मिलते ही परिवार के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और शव की शिनाख्त कर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पंचम साहित्यकार प्रेरणा दिवस व सम्मान समारोह मना

लखनऊ (एजेंसी)। राजाजीपुरम के बी ब्लॉक स्थित बी– 276 में बुधवार को कन्सर्ड थिएटर की ओर से पंचम साहित्यकार प्रेरणा दिवस व सम्मान समारोह मनाया गया। इस मौके पर साहित्यकार शंभू नाथ, आईएएस आचार्य रूपचंद्र दीपक व प्रो कृष्णा जी श्रीवास्तव को प्रेरणा सम्मान 2018 से नवाजा गया। वहीं माता प्रसाद शुक्ला, डॉ सुषमा विप्लव, मनोरमा श्रीवास्तव सहित लगभग एक दर्जन साहित्यकारों को प्रेरणा प्रदीप 2018 का सम्मान मिला।

शरद पूर्णिमा पर काशी के गंगा तट पर शहीदों और पुरखों की स्मृति में जले आकाश दीप

वाराणसी (एजेंसी)। मोक्ष दायिनी नगरी काशी, जहां मृत्यु के पश्चात मोक्ष की प्राप्ति होती है वहां वीर सैनिकों, शहीदों और पुरखों की स्मृति में आकाश दीप भी जलाए जाते हैं। ऐसा इसलिए कि परलोक के पुण्य पथ पर दिवंगत आत्माओं के विचरण का पथ आलोकित रहे। यह आकाश दीप कहीं कार्तिक माह के पहले दिन जलाया जाता है तो कहीं शरद पूर्णिमा पर। इसी कड़ी में शीतला घाट पर बुधवार शरद पूर्णिमा की शाम जैसे ही धुंधलका हुआ आकाश दीप प्रज्ज्वलित किया गया। वैसे दिव्य कार्तिक मास में गंगा तट, सरोवरों, कूपों बावड़ियों और घर की छतों पर आकाशदीप जलने की प्रथा काशी में सदियों पुरानी है। एक परंपरा के तहत काशी के दशाश्वमेध घाट पर प्रति वर्ष अश्विन पूर्णिमा से कार्तिक पूर्णिमा तक पुलिस और पीएसी के वीर जवान जो अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए आकस्मिक निधन को प्राप्त हुए ऐसे वीर जवानों के आत्मिक शांति के लिए गंगोत्री सेवा समिति द्वारा आकाशदीप जलाई जलाया गया। यही नहीं शहीदों की याद में पीएसी के जवानों ने बैंड धुन से उन्हें श्रद्धांजलि दी। आयोजन की शुरूआत पांच वैदिक ब्राम्हणो द्वारा मां गंगा के षोडशोचार पूजन से हुई। इसके बाद गंगा की पवित्र धारा में 101 दीप प्रवाहित करने के बाद वेद पाठ के बीच दिब्य ज्योति की टोकरी को अनंत आकाश की ओर ले जाया गया। आकाश मंडल में लालिमा छाने के साथ समिति ने उनका नमन किया जिन्होंने अपनी समूची जिंदगी आम नागरिको के अमन चौन को बनाये रखने के लिए अपने सुख शान्ति को त्याग कर अपने कर्तव्य का निर्वहन किया। आकाश में सितारों की तरह टिमटिमाते ये आकाश दीप कार्तिक मास में भले ही पूर्वजों के लिए प्रज्वलित किया जाता है लेकिन आज से मास पर्यन्त जलाये जाने वाली यह आकाशदीप पुलिस और पीएसी के उन जवानों की याद में जलाये जाते है जो देश के लिए शहीद हुए हैं। उनकी शहादत को सलाम करने के साथ ही मां गंगा से प्रार्थना की गई कि उनकी आत्मा जहां कहीं भी हो शांति और सुकून से हो। इस मौके पर देश प्रेम की पवित्र भावना से जुटे श्रद्धालुओं ने भी अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बछेंद्री पाल ने कहा कि शहीदों के सम्मान में हमें भर्सक प्रयास करना चाहिए और गंगा मां को हम सभी को पुरे मनोयोग से साफ करने में जुड़ना चाहिए। गंगोत्री सेवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष किशोरी रमन दुबे ने बताया कि कार्तिक मास के समान कोई मास नहीं, सतयुग के समान कोई युग नही, वेदों के समान कोई शास्त्र नहीं और गंगाजी के समान दूसरी कोई नदी नहीं हैं। गंगा के घाट पर कार्तिक माह में जलता ये आकाश दीप इस बात का परिचायक है कि हमारे शहीदों के प्रति हमारे मन में श्रद्धा की रौशनी कितनी उज्जवल है। आयोजन में प्रमुख रूप से गंगोत्री सेवा समिति के अध्यक्ष पं किशोरी रमन दुबे (बाबू महाराज), अभिमन्यु यादव, दिनेश शंकर दुबे, शांति लाल जैन ,कन्हैया त्रिपाठी, संकटा प्रसाद, हरी प्रसाद अग्रवाल, राजेश शुक्ला, रामबोध सिंह आदि मौजूद रहे।

लोक धुनों के साथ खत्म हो रही लोक संवेदना : कल्पना

वाराणसी (एजेंसी)। मैं खुद को सिर्फ गायिका के रूप में नहीं देखती हूं। मैं अपनी मातृभाषा के लिए नहीं बल्कि किसी और की मातृभाषा के रूप में देखती हूं। आसोम में अनेक भाषा अनेक ट्राइब खत्म होती जा रही है। मेरी यात्रा भूपेन हजारिका से शुरू होती है और भिखारी ठाकुर में समाहित होती है। अनेकता में एकता को इसी तरह समझाया जा सकता है। म्यूजिक को अध्ययन की तरह नहीं देखा गया। लोक धुनों के साथ ही लोक की वह संवेदना धीरे धीरे खत्म हो रही है। उसके प्रति हमें जागरूक होना पड़ेगा। भोजपुरी को लेकर कोई भी आंदोलन फेसबुक पर दो शब्द लिख देने से पूरा नही होगा। यह कहना है प्रसिद्ध लोक गायिका कल्पना पटवारी का। वह भोजपुरी अध्ययन केंद्र, काशी हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा कार्यक्रम श्रृंखला 'जनपद और संगीत' के अंतर्गत 'लोक विरासत और सांस्कृतिक पहचान' विषयक संवाद को संबोधित कर रही थीं। भिखारी ठाकुर पर अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कल्पना ने कहा कि, भिखारी ठाकुर को मैं तीन रूप में देखती हूं। एक गीत के रूप में, एक नाटककार के रूप में और एक लोक कलाकार के रूप में। कहा कि लोक साहित्य में स्त्री बहुत लिबरल होकर अपनी बात कह सकती है लेकिन शास्त्र में यह आजादी नहीं है। वहां पुरुष वर्ग का कब्जा है। इस बात पर चिंता व्यक्त की की लागल जोबना में चोट को वह साहित्य के लिए कहेंगे, लागल करेजवा में चोट, जबकि जोबना व करेजवा में बहुत अंतर है। इस अवसर पर पूर्वी, विरहा, प्रसव गीत के साथ उन्होंने अन्य कई गीत प्रस्तुत किए और कहा कि भोजपुरी में योजनाबद्ध आंदोलन जरूरत है।संवाद सत्र के अध्यक्ष प्रो. पीके मिश्र ने कहा कि भोजपुरी गर्व करने की भाषा है। उसके गीतों व साहित्य में जीवनकी विपुलता है। उसे उद्यम की भाषा बनाने पर जोर फिया जाना चाहिए। विशिष्ट अतिथि बीएचयू के वित्त अधिकारी श्याम बाबू पटेल ने कहा कि भोजपुरी भाषा व जनपद में विविधता है। इसमें जीवन का सरल प्रवाह मिलता है। स्वागत वक्तव्य देते हुए केंद्र के समन्वयक प्रो. श्रीप्रकाश शुक्ल ने कहा कि भोजपुरी संस्कृति में लाठी के बाद गमछा का बहुत बड़ा महत्व है। किसी भी कलाकार की सबसे बड़ी पहचान होती है कि वह अपनी विरासत को कितना संभाल पा रहा है। उन्होंने कहा कि कल्पनाजी ने रसिक श्रोताके साथ सहृदस्य श्रोताओं को भी अपनी ओर आकर्षित किया है। सत्र का संचालन रुद्रप्रताप सिंह ने किया तथा प्रो चम्पा कुमारी सिंह ने आभार जताया। विश्वविद्यालय का कुलगीत सौम्या वर्मा, अमित और मनोहर ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रोफ शैलेन्द्र कुमार शर्मा, देवरिया के सिद्धार्थ मणि त्रिपाठी, मुम्बई से परवेज के साथ ही केंद्र के छात्र, छात्राओं के साथ ही विश्वविद्यालय के अनेक विभागों के छात्रों की उपस्थिति बनी रही। केंद्र के समन्वयक प्रो श्रीप्रकाश शुक्ल द्वारा मुख्य अतिथि कल्पना को अंग वस्त्रम के रूप में भोजपुरी अध्ययन केंद्र का 'गमछा' भेंट कर सम्मानित किया।

महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह मनाया गया

लखनऊ (एजेंसी)। विश्व हिंदू महासंघ की ओर से बुधवार को दुबग्गा के फरीदीपुर स्थित चौधरी लॉन में महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह मनाया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने महर्षि बाल्मीकि के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला और हिंदुओं से एकजुटता की अपील की। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति ने कहा कि सामाजिक समरसता हिंदुत्व का प्राण है और दलित हिंदुत्व का आधार हैं। उन्होंने महर्षि वाल्मीकि के महाकाब्य रामायण को धार्मिक, पारिवारिक, सामाजिक और राष्ट्रीय भावनाओं का आईना बताया। महामंत्री ओमप्रकाश यादव ने संगठन का गांव व वार्ड स्तर तक विस्तार करने की अपील की। इस मौके पर लखनऊ जिला व महानगर कार्यकारिणी का गठन भी किया गया। जिसमें सौरभ सैनी को जिला अध्यक्ष, अमर रस्तोगी को जिला अध्यक्ष व महामंत्री एवं अनिल गुप्ता को महानगर अध्यक्ष बनाया गया। अमर रस्तोगी ने बताया कार्यकारिणी में शामिल किए गए तीनों पदाधिकारी हिंदुओं को एकजुट कर योगी के मिशन को प्रदेश स्तर तक पहुंचाएंगे। समारोह में लखनऊ, कानपुर, हरदोई, सीतापुर व लखीमपुर सहित 20 जिलों से आए प्रतिनिधि मंडलों ने हिस्सा लिया।

केन्द्र में रामभक्तों की सरकार, राम मंदिर बनेगा : आलोक कुमार

आगरा (एजेंसी)। विश्व हिन्दू परिषद के अंतरराष्ट्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार ने केन्द्र सरकार से कहा है कि अयोध्या में राम मंदिर के लिए कानून बनाए। उन्हें आशा है कि राम मंदिर इसी सरकार के कार्यकाल में बनेगा। वाल्मीकि जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने आए आलोक कुमार ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अभी केन्द्र सरकार का छह माह का कार्यकाल शेष है। इसलिए अभी आकलन करा ठीक नहीं होगा। विश्व हिन्दू परिषद ने संतों का सम्मेलन बुलाया था। तय किया था कि सरकार से कहेंगे कि कानून बनाओ और राम मंदिर बनाने का मार्ग प्रशस्त करो। भारत के राष्ट्रपति से भी मिले थे। अक्टूबर और नवम्बर में सभी सांसदों से कहेंगे कि राम जन्मभूमि पर मंदिर बनाने के लिए पहल करो। इसी सरकर के इसी कार्यकाल में मंदिर बनाने की बाधाएं दूर होंगी और मंदिर निर्माण होगा। यह पूछे जाने पर चुनाव के समय ही मंदिर की याद क्यों आती है, उन्होंने कहा कि पांच साल में ये काम होना चाहिए। केवल मांग उठाने की बात नहीं है, मंदिर बनाने की बात है। लम्बी प्रतीक्षा समाप्त होकर बाधाएं दूर करके भव्य मंदिर निर्माण का समय है। प्रवीण भाई तोगड़िया के अयोध्या पहुंचने के बाद क्या विश्व हिन्दू परिषद दबाव में है, सवाल पर कहा हम दबाव से मुक्त हैं, क्योंकि उन्होंने राजनीतिक दल बनाने और चुनाव लड़ने की बात कही है। उनका रास्ता उन्हें मुबारक हो। हमारी महत्वाकांक्षा कोई मंत्री होना नहीं है। अंहकार और द्वेष से मुक्त होकर विश्व हिन्दू परिषद विश्व के हिन्दुओं का संगठन और सेवा करती रहेगी। मंदिर बनने का मार्ग प्रशस्त हो रहा है और उसके लिए हम प्रयास जारी रखेंगे।

घर में विस्फोट से गिरी छत, एक की मौत कई घायल

वाराणसी (एजेंसी)। मंडुआडीह थाना क्षेत्र के लहरातारा फ्लाईओवर के पास में घर में विस्फोट होने से छत गिर गयी है। छत गिरने से चार लोगों के घायल होने की सूचना है जबकि गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को शिवप्रसाद गुप्त मंडलीय अस्पताल के चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया है। विस्फोट इतना जोरदार था कि आस–पास के घरों की दीवार में दरार आ गयी है। विस्फोट होने के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। एसएसपी आनंद कुलकर्णी व एनडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंच कर बचाव कार्य शुरू कर दिया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार लहरतारा फ्लाईओवर के पास रिंकू का मकान है जो प्लास्टिक के बर्तन व डिब्बे बेचने का काम करता है। है। रिंकू के मकान में बुधवार की दोपहर को जोरदार धमाका हुआ। धमाके की आवाज दूर तक सुनी गयी। धमाका इतना तेज था कि घर की छत ही गिर गयी। इसके चलते रिंकू (28), उसकी बेटी विधि (11), भांजी (12) व पत्नी घायल हो गये हैं जबकि अस्पताल में पहुंचे एक घायल को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी आनंद कुलकर्णी खुद ही मौके पर पहुंच गये हैं और पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए भेजने के साथ एनडीआरएफ के सहयोग से मलबे में दबे लोगों की खोज शुरू की है। पुलिस ने वहां पर जमे हुए स्थानीय लोगों को हटा दिया है और बड़ा सुरक्षा घेरा बना कर सभी को घटनास्थल से दूर रखा है। विस्फोट के कारणों का अभी खुलासा नहीं हुआ है कुछ लोग सिलेंडर ब्लास्ट बता रहे हैं तो कुछ लोग विस्फोट के लिए पटाखों को जिम्मेदार बता रहे हैं। पुलिस व एनडीआरएफ की टीम अभी मलबे में दबे लोगों को निकालने में जुटी हुई है इसके बाद ही पता चलेगा कि विस्फोट का सही कारण क्या है। पुलिस ने विस्फोट को लेकर अधिकृत रुप से कुछ नहीं कहा है

सड़क हादसों में गई तीन लोगों की जान

आजमगढ़ (एजेंसी)। जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के अशरफपुर गांव के समीप बुधवार की भोर में बाइक व बोलेरो में टक्कर होने से युवक की मौत हो गई। दूसरी दुर्घटना कप्तानगंज थाना क्षेत्र के लखमीपुर गांव के समीप मंगलवार की रात को हुई। इसमें स्विफ्ट डिजायर कार अनियंत्रित होकर ट्रक से टकरा गई जिससे कार पर सवार ठेकेदार की मौत हो गई। सड़क हादसे की तीसरी घटना सरायमीर थाना क्षेत्र के खानपुर के समीप मंगलवार की रात को हुई। इस दुर्घटना में अज्ञात चार पहिया वाहन के धक्का से बाइक सवार राजगीर की मौत हो गई। तीनों शवों को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सरायमीर थाना क्षेत्र के मंजीरपट्टी गांव निवासी 30 वर्षीय गुलाम रसूल पुत्र रफुद्दीन की ननिहाल जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के धौरहरा गांव में स्थित है। वह काफी दिनों से अपने ननिहाल में ही रहता था। बुधवार की भोर में लगभग चार बजे वह अपने मामा के घर से बाइक पर सवार होकर किसी कार्य से शहर की ओर आ रहा था। रास्ते में अशरफपुर गांव के समीप पहुंचा था। उसी दौरान सामने से आ रही बोलेरो में टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद बोलेरो चालक मौके से अपनी गाड़ी लेकर फरार हो गया। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। मृत गुलाम रसूल अपनी मां–पिता का इकलौता पुत्र था। दुर्घटना के संबंध में मृत युवक के मामा गुफरान ने अज्ञात बोलेरो चालक के खिलाफ जीयनपुर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के लखमीपुर गांव के पास मंगलवार की रात को लगभग नौ बजे ट्रक व स्विफ्ट डिजायर कार में भिड़ंत में होने से कारसवार ठेकेदार की मौत हो गई। मृत ठेकेदार 35 वर्षीय प्रवीण कुमार राय पुत्र रामकेश राय गाजीपुर जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला इंद्रपुरी कालोनी शारेमी नगर का निवासी बताया गया है। परिजनों का कहना है कि वह ठेकेदारी के सिलसिले में किसी कार्य से लखनऊ गए थे। लखनऊ से मंगलवार की रात को फैजाबाद होते हुए घर आ रहे थे जब दुर्घटना हुई। सरायमीर थाना क्षेत्र के बीबीपुर कौरोली गांव निवासी 50 वर्षीय राजमन पुत्र इंद्रजीत पेशे से राजगीर मिस्त्री का काम करते थे। वह मंगलवार की रात लगभग साढ़े आठ बजे बजे किसी रिश्तेदार के घर से बाइक पर सवार होकर गांव वापस आ रहे थे। रास्ते में सरायमीर थाना क्षेत्र के खानपुर गांव के समीप पहुंचे थे, उसी दौरान अज्ञात चार पहिया वाहन से बाइक में टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में बाइक सवार राजगीर की मौत हो गई।

असम की युवतियों का देशप्रेम, सेल्फी प्वाइंट पर हैरतअंगेज प्रदर्शन

आगरा (एजेंसी)। भारत विविधताओं से भरा देश है। कई भाषाएं, संगीत और नृत्य हैं। लेकिन, देशप्रेम की भावना सभी के मन में एक समान है। आगरा में खेरिया मोड स्थित अजीत नगर बाजार कमेटी द्वारा बनाए गए सेल्फी प्वाइंट पर देशभक्ति से ओत प्रोत भरा देखने को उस समय मिला जब असम के कलाकारों ने यहां हैरतअंगेज प्रदर्शन किया। असम के कलाकारों के ग्रुप में शामिल युवतियों ने हाथों में तलवार और ढाल लेकर जो प्रदर्शन किया उसे देखकर सभी ने दांतों तले अंगुलियां दबा ली।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर शक्ति प्रदर्शन

जौनपुर (एजेंसी)। कर्मचारी, शिक्षक और अधिकारी, पुरानी पेंशन बहाली मंच के बैनर तले बुधवार को शक्ति प्रदर्शन किया। नगर से लेकर कलेक्ट्रेट तक बाइक जुलूस निकाला। उधर शाम को विकास भवन के सामने नारेबाजी किया। अध्यक्ष अरविंद शुक्ल, संयोजक राकेश कुमार श्रीवास्तव, सीबी सिंह, चंद्रशेखर सिंह, नरसिंह बहादुर सिंह, सरोज सिंह, संतोष कुमार सिंह, रमाशंकर पाठक, अमित सिंह, संजय सिंह की अगुवाई में जौनपुर जंक्शन से सुबह 11 बजे बाइक जुलूस निकाला गया, जो नगर की मुख्य मार्ग से होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचकर सभा के रुप में बदल गया। इस दौरान डा. प्रदीप सिंह, डॉ. फूलचंद्र कन्नौजिया, संजय चौधरी, शिव कुमार यादव, राजेश यादव, संजय पाठक, अशोक कुमार, जय प्रकाश गुप्ता, लाल साहब, रवि चंद्र यादव, शिवेंद्र सिंह, सुधाकर सिंह, मनोज राय, दिनेश यादव, क्षत्रधारी, दयाराम गुप्ता आदि शामिल रहे। उधर ग्राम पंचायत अधिकारी ग्राम विकास अधिकारी समन्वय समिति के जिला संयोजक डा. प्रदीप सिंह और डा. फूलचंद कन्नौजिया के नेतृत्व में ग्राम सचिवों ने विकास भवन के सामने नारेबाजी किया।

महंत की आईडी से डालीं छात्रा की अश्लील तस्वीरें, डिप्रेशन में गई बेटी

आगरा (एजेंसी)। कान्वेंट स्कूल की छात्रा का इंस्टाग्राम पर फोटो अपलोड करने के मामले में श्रीमनरूकामेश्वर मंदिर के प्रशासक हरिहर पुरी फंस गए हैं। उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। छात्रा का फोटो इंस्टाग्राम पर जिस फेक आईडी से डाला गया, उसका वाईफाई का आईपी एड्रेस श्रीमनरूकामेश्वर मंदिर के प्रशासक हरिहर पुरी का निकला है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है। शास्त्रीपुरम स्थित कॉन्वेंट स्कूल की 11 वीं की छात्रा के फोटो इंस्टाग्राम पर डाले गए थे। इसके बाद से छात्रा डिप्रेशन में चली गई थी। इसके आरोप श्रीमनरूकामेश्वर मंदिर के महंत के बेटे पर लगे थे, साइबर सेल की जांच में सामने आया है कि इंस्टाग्राम पर फोटो अपलोड करने के लिए फेक आईडी बनाई गई। इसके लिए श्री मनरूकामेश्वर मंदिर के प्रशासन हरिहर पुरी के आईपी एड्रेस का इस्तेमाल हुआ। इस मामले में थाना मंटोला में हरिहर पुरी के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई है। ज्ञानेंद्र सिंह, इंस्पेक्टर मंटोला का कहना है कि इंस्टाग्राम पर फर्जी प्रोफाइल बनाने के लिए वाई–फाई का प्रयोग किया गया है। वह मठ प्रशासक हरिहर पुरी के नाम आवंटित है। इसलिए मुकदमे में उन्हें नामजद किया है। विवेचना की जा रही है कि इसका प्रयोग किसने किया। पूरा वाक्या विगत 18 अक्टूबर को घटित हुआ था। शास्त्रीपुरम स्थित कान्वेंट स्कूल में कारोबारी की बेटी क्लास 11 वीं में पढ़ती है। उसके साथ श्रीमनरूकामेश्वर मंदिर के महंत का बेटा भी पढ़ता है। स्कूल के टूर पर सभी छात्र गए थे। टूर के वापस आने के बाद छात्रा की इंस्टाग्राम पर फेक प्रोफाइल बना दी गई। उसके अश्लील फोटो डालने के बाद भद्दी डिटेल लिख दी गई, इसके बाद इंस्टाग्राम पर तमाम कमेंट आने लगे, छात्रा को इसकी जानकारी हुई तो वह डिप्रेशन में चली गई। इस वाक्ये के बाद छात्रा ने स्कूल जाना बंद कर दिया, उसकी तबियत खराब होने लगी तो उसे हॉस्पिटल में भर्ती कराना पड़ा। परिजनों के पूछने पर उसने सच बताया तो सभी के होश फाख्ता हो गए। इस मामले में पुलिस के अधिकारियों से बातचीत की गई तो मामला साइबर सेल में भेज दिया गया। साइबर सेल की जांच में पता लगा कि मंदिर का वाईफाई इस्तेमाल कर ये अश्लील फोटो डाले गए हैं।

छत व सीढ़ी से गिरकर दो की गई जान

आजमगढ़ (एजेंसी)। जनपद के दो अलग–अलग थाना क्षेत्रों में मंगलवार की रात छत व सीढ़ी से गिरकर दो लोगों की जान चली गई। रौनापार थाना क्षेत्र के तुरकौली गांव में मकान की छत से गिर जाने से एक युवक की मौत हो गई। वहीं बिलरियागंज थाना क्षेत्र के मधनापार (तकियापार) गांव में मकान की सीढ़ी से गिरकर अधेड़ घायल हो गए और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मृतकों के परिजनों की चीख–पुकार से उनके गांव में कोहराम मचा हुआ है। रौनापार संवाददाता के अनुसार तुरकौली गांव निवासी 40 वर्षीय अवधू पासवान पुत्र बाढू पासवान मंगलवार की रात को भोजन करने के उपरांत अपने नवनिर्मित मकान की छत पर बांस की बनी सीढ़ी से चढ़कर गए थे। परिजनों का कहना है कि सोते समय वह रात को अचानक मकान की छत से नीचे गिर जाने से घायल हो गए। घायलावस्था में परिजनों ने उन्हें शहर के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज शुरू होने के कुछ देर बाद उनकी मौत हो गई। मौत की खबर से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पत्नी प्रमिला देवी का रो–रोकर बुरा हाल है। सूचना पाकर वहां पहुंचे रौनापार थानाध्यक्ष गिरिजेश सिंह ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृत युवक के आठ बच्चे हैं। वह परिवार के भरण पोषण के लिए मजदूरी करता था। बिलरियागंज संवाददाता के अनुसार मधनापार (तकियापार) गांव निवासी 50 वर्षीय राम अवध यादव पुत्र दिलराज यादव मंगलवार की रात लगभग 10 बजे भोजन करने के बाद मकान के छत पर सोने के लिए जा रहे थे। परिजनों का कहना है कि अचानक पैर फिसल जाने से वह सीढ़ी से नीचे गिरकर घायल हो गए।

कैंसर से जूझ रहीं सोनाली पहुंचीं म्यूजिक कॉन्सर्ट में, तस्वीरों में साफ दिखी हिम्मत

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे इन दिनों न्यूयॉर्क में कैंसर का इलाज करवा रही हैं। वह अक्सर

अपनी हेल्थ से जुड़ी अपडेट देती रहती हैं। हाल ही में सोनाली न्यूयॉर्क में एक म्यूजिक कॉन्सर्ट में हिस्सा लेने पहुंची। उन्होंने सरोद वादक उस्ताद अमजद अली खान और उनके बेटे अमान और आयन अली बंगश के साथ भी एक तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में सोनाली का नया अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। तस्वीर शेयर करते उन्होंने ने लिखा कि आत्मा को ठीक करने और खिलाने के लिए संगीत के जैसा कुछ भी नहीं, धन्यवाद। बता दें कि आए दिन सोनाली पोस्ट शेयर कर अपने परिवार और दोस्तों को याद कर रही हैं। फैंस से लेकर स्टार्स सोनाली की सलामती की दुआएं मांग रहे हैं। सोनाली ने 4 जुलाई को इंस्टाग्राम पर अपनी बीमारी के बारे में बताया था। न्यूयॉर्क में सोनाली अपने पति और बेटे के साथ हैं। वे बिना किसी परेशानी के अपना ट्रीटमेंट करा रही हैं। हम तो यही आशा करते हैं कि सोनाली जल्द से जल्द ठीक होकर वापिस अपने घर लौटें। न्यूयॉर्क में अक्सर बॉलीवुड सेलेब्स और और सोनाली के करीबी दोस्त उनसे मुलाकात करते रहते हैं। वहीं इन दिनों ऋषि कपूर भी न्यूयॉर्क में इलाज करवा रहे हैं। खुद इतनी तकलीफ में होने के बावजूद सोनाली ऋषि से मिलने पहुंची थी। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल भी हुई थी। वहीं प्रियंका चोपड़ा, सुजैन खान, अनुपम खेर समेत कई स्टार्स सोनाली से मिलने पहुंचे थे।

फॉलो करते रहेंगे ये टिप्स तो सर्दियों में भी नहीं बढ़ेगा वजन

सर्दियां शुरू होते ही वजन

धीरे–धीरे बढ़ने लगता है। ज्यादातर लोगों को लगता है कि इसका कारण उनके द्वारा खाया गया आहार है, जो काफी हद तक सही है। मगर वास्तव में अन्य कई ऐसे कारण हैं, जो इस मौसम में वजन बढ़ाते हैं। आज हम आपको उन्हीं के बारे में बताएंगे। तो चलिए जानते हैं सर्दियों में वजन बढ़ने के कारण और उसे कंट्रोल करने का तरीका।

सर्दियों में क्यों बढ़ता है वजन?

1. एक्सरसाइज न करना

सर्दियों में गर्मियों के मुकाबले ठंडी हवा में लोग घरों से निकलने से कतराते हैं, जिससे एक्सरसाइज नहीं हो पाती। इसी वजह से वजन धीरे–धीरे बढ़ने लगता है।

2. ज्यादा सोना

सर्दियो के दिन छोटे और राते लंबी हो जाती है, जिसके कारण आप ज्यादा सोते हैं। इससे श्बॉडी साइकलश भी सुस्ती का शिकार हो जाती है, जिससे वजन बढ़ जाता है।

3. सर्दियों का भोजन

आप मौसमी फल के साथ–साथ इस मौसम में मसालेदार भोजन का भी अधिक सेवन करते हैं और यह शरीर में फैट की मात्रा बढ़ाते हैं।

4. मेटाबॉलिज्म का अचानक बढ़ना

अधिक तेजी से वजन बढ़ता है। मेटाबॉलिज्म बढ़ने से मोटापा कम होता है लेकिन इसकी प्रक्रिया में एकदम से वृद्धि हो जाए तो यह वजन घटाने की बजाए उसे बढ़ा देता है।

5. सर्दियों में मीठे का सेवन

गर्मियों के मुकाबले सर्दियों में ज्यादा मीठा खाने का मन करता है। अब अगर शरीर को जरूर से ज्यादा कैलोरी मिलेगी तो मोटापा आना संभव है।

वजन कंट्रोल करने के टिप्स

–सर्दियों में अधिक से अधिक हाई प्रोटीन ब्रेकफास्ट का सेवन करें।

–हल्की–फुल्की एक्सरसाइज करते रहें। वजन कंट्रोल करने के लिए आप कार्डियों एक्सरसाइज कर सकते हैं।

–पोषक तत्वों वाले खाद्य पदार्थो का सेवन करें

–वजन कंट्रोल करने के लिए अपनी डाइट में फल और सब्जियों को शामिल करें।

–एल्कोहल, कार्बोहाईड्रेट और हाई शुगर फूड्स से दूर रहें।

–सर्दियां आते ही पार्टी सीजन भी शुरू हो जाता है लेकिन इस दौरान अपने खान–पान पर कंट्रोल करें।

–अधिक से अधिक पानी पीएं। इससे आपके शरीर को एनर्जी मिलेगी, जिससे कैलोरी बर्न करने में मदद मिलेगी।

संजय लीला भंसाली अपनी भतीजी शरमिन सहगल को करेंगे लांच

बॉलीवुड के जाने माने फिल्मकार संजय लीला भंसाली अपनी भतीजी शरमिन सहगल को लांच करने जा रहे हैं। संजय लीला

भंसाली फिल्म 'मलाल' प्रोड्यूस करने जा रहे हैं। इसमें उनकी भतीजी शरमिन सहगल नजर आएंगी। इसी फिल्म से जावेद जाफरी के बेटे मिजान जाफरी भी बॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं। दोनों ने फिल्म की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इससे पहले भंसाली ने रणबीर कपूर और सोनम कपूर को फिल्म 'सांवरिया' से लॉन्च किया था। संजय लीला भंसाली पूनम ढिल्लों के बेटे अनमोल और पद्मिनि कोहलापुरी के बेटे प्रियांक शर्मा को भी इंडस्ट्री में लॉन्च कर सकते हैं।

फिल्म हाउसफुल 4 के सेट पर हुई डांसर के साथ छेड़छाड़, अक्षय के कहने पर करवाई एफआईआर

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की फिल्म हाउसफुल 4 के सेट

से एक बड़ी खबर सामने आई है। मुंबई के चित्रकूट स्टूडियो में एक महिला डांसर ने फिल्म के सेट पर छेड़छाड़ और बदसलूकी का आरोप लगाया है। महिला ने इसे लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और आरोपियों को सजा दिलाने की गुहार लगाई है। जूनियर महिला डांसर का आरोप है कि वह अपने एक साथी डांसर के साथ फिल्म के सेट पर बैठी हुई थी। महिला ने कहा, उसी दौरान पवन शेट्टी और सागर नाम के शख्स के साथ 4 और लोग वहां पहुंचे। वो मेरी साथी को जबरदस्ती वहां से ले जाने की कोशिश करने लगे। साथ ही उन्होंने हमें धमकाया भी। जब मैंने उन्हें रोकने की कोशिश की तो शेट्टी ने मेरे साथ धक्का–मुक्की शुरू कर दी और मुझे गलत तरीके से छूने लगा। मैंने आरोपियों के खिलाफ छेड़छाड़ का केस दर्ज करवाया है। मैं चाहती हूं कि आरोपी जल्द से जल्द सलाखों के पीछे हों। महिला ने बताया कि छेड़छाड़ के समय अक्षय कुमार और रितेश देशमुख सेट पर मौजूद थे। खुद अक्षय ने ही महिला से कहा कि वो इस मामले को लेकर पुलिस को बुलाए और अपना बयान दर्ज करवाए। बताया जा रहा है कि ये सारा मामला दो गुटों के बीच चल रहे विवाद के चलते हुए है। आरोपी लोग किसी शेट्टी ग्रुप के सदस्य थे। यह एक पुराने विवाद के चलते हुआ बताया जा रहा है। इस घटना के बाद फिलहाल फिल्म की शूटिंग रोक दी गई है।

अदालत को गुमराह करने के मामले में बढ़ी सलमान की मुश्किलें

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के खिलाफ अदालत को गुमराह करने के मामले में 29 नवंबर को बहस होगी। सलमान के खिलाफ अदालत को गुमाराह करने के मामले में विचाराधीन धारा 340 के दो प्रार्थना पत्रों पर अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ग्रामीण में आज सुनवाई के बाद बहस के लिए 29 नवंबर की तारीख तय की गई। इस मामले में अधिकतम 7 साल की सजा का प्रावधान है। इन दोनों प्रार्थना पत्रों को लेकर सलमान की मुसीबत भी बढ़ती जा रही है। सलमान पर अरोप है कि उन्होंने एक आवेदन देकर ये बताया कि मेरी तबीयत ठीक नहीं है और कान में दर्द है, जिसके चलते वह पेशी पर नहीं आ सकता लेकिन ठीक उसी दिन सलमान कश्मीर की वादियों में फिल्म 'बजरंगी भाईजान' की शूटिंग करते हुए नजर आए इस मामले को लेकर वन अधिकारी ललित बोड़ा ने अर्जी पेश कर सलमान के खिलाफ अदालत को गुमराह करने का मुकदमा दर्ज करने की अपील की थी। इसी तरह सलमान खान पर एक और झूठ का आरोप लगा जिसमें उन्होनें अपने हथियार के लाइसें स को अदालत द्वारा बार–बार मांगने पर भी जमा नहीं कराने की बात कही गई है। सलमान ने एक प्रार्थनापत्र पेश करते हुए बताया था कि उनका लाइसेंस कहीं खो गया है। सलमान ने मुंबई के बांद्रा पुलिस स्टेशन में

8 अगस्त 2003 में एक मुकदमा भी दर्ज करवा दिया कि उनके हथियार का लाइसेंस कहीं खो गया है। लेकिन जब सलमान ने लाइसें स का नवीनीकरण कराने के लिए आवेदन किया तब अदालत को उनके इस झूठ का पता चला। सलमान के इस झूठ को लेकर लोक अभियोजक अधिकारी एन.के. सांखला ने सलमान खान के खिलाफ अदालत को गुमराह करने का मुकदमा दर्ज करने की बात कही, लेकिन तत्कालीन सीजेएम जज देव कुमार खत्री ने इस प्रार्थना पत्र पर निर्णय नहीं दिया जो अभी विचाराधीन है।

जन जागरूकता से नियंत्रित करें पटाखे

दीपावली के करीब 15 दिन पहले सुप्रीम कोर्ट इस नतीजे पर पहुंचा कि आतिशबाजी आम लोगों

के स्वास्थ्य पर बहुत बुरा असर डाल रही है और इसीलिए सीमित आवाज एवं कम प्रदूषण वाले पटाखे केवल दो घंटे, रात आठ से दस बजे, ही चलाए जा सकते हैं। यह आदेश आते ही कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर नाराजगी जतानी शुरू कर दी और सुप्रीम कोर्ट को हदिू धर्म की परंपरा के खिलाफ बताने लगे। सच यह है कि विभिन्न धार्मिक ग्रंथों से यह स्पष्ट हो चुका है कि पटाखे चलाना कभी भी इस धर्म का हिस्सा नहीं रहा है। सनद रहे कि बीते साल दिवाली से पहले दिल्ली ही नहीं, देश के एक बड़े हिस्से में 'स्मॉग' ने जो हाल किया था, उसे याद कर ही सिहरन पैदा हो जाती है। स्मॉग (कोहरे और धुएं के मिश्रण) में जहरीले कण होते हैं,जो भारी होने के कारण ऊपर उठ नहीं पाते। जब लोग सांस लेते हैं तो वे फेफड़े में पहुंच जाते हैं। ये कैंसर, हृदय रोग और सांस की बीमारी का कारण बनते हैं। पिछले साल भी तीन बच्चों ने संविधान में प्रदत्त जीने के अधिकार का उल्लेख कर आतिशबाजी के कारण सांस लेने में होने वाली दिक्कत को लेकर सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई थी कि आतिशबाजी पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी जाए। तब अदालत ने पर्व की जनभावनाओं का खयाल कर पाबंदी से इन्कार कर दिया था, परंतु दिल्ली–एनसीआर की हवा में जहर के हालात देखते हुए इस इलाके में पटाखों की बिक्री पर रोक जरूर लगा दी थी। सब जानते हैं कि देश की सबसे बड़ी अदालत के उस सख्त आदेश का असर बहुत कम हुआ। हालांकि प्रदूषण का स्तर थोड़ा कम तो हुआ था, लेकिन खतरनाक स्तर के दंश से मुक्त नहीं हो पाया था।1यह किसी से छिपा नहीं कि दीपावली की आतिशबाजी दिल्ली सहित देश के करीब 200 शहरों की आबोहवा को जहरीला कर देती है। राजधानी दिल्ली में तो कई सालों से बाकायदा एक सरकारी सलाह जारी की जाती है–यदि जरूरी न हो तो घर से न निकलें। चूंकि हरियाणा–पंजाब में खेत के अवशेष यानी पराली जल ही रही है, साथ ही हर जगह अनियोजित निर्माण, जाम, धूल कण हवा को दूषित कर रहे हैं, ऐसे में बेलगाम आतिशबाजी के कारण हालात बेकाबू हो सकते हैं। 1पटाखे जलाने से निकले धुएं में सल्फर डाईऑक्साइड, नाइट्रोजन डाईऑक्साइड, कार्बन मोनो ऑक्साइड, शीशा, आर्सेनिक, बेंजीन, अमोनिया जैसे कई जहरीले तत्व सांसों के जरिये शरीर में घुलते हैं। इनका कुप्रभाव परिवेश में मौजूद पशु–पक्षियों पर भी होता है। यही नहीं, इससे उपजा करोड़ों टन कचरे का निबटान भी बड़ी समस्या है। यदि इसे जलाया जाए तो भयानक वायु प्रदूषण होता है। यदि इसके कागज वाले हिस्से को रिसाइकल किया जाए तो भी जहर प्रकृति में समाता है और यदि इसे डंपिंग में यूं ही पड़ा रहने दिया जाए तो इसके विषैले कण जमीन में जज्ब होकर भूजल और जमीन को स्थाई और लाइलाज स्तर पर जहरीला कर देते हैं।

आतिशबाजी से उपजे शोर के घातक परिणाम तो हर साल बच्चे, बूढ़े और बीमार लोग भुगतते ही हैं। इस पर गौर करें कि रात 10 बजे के बाद वैसे भी पटाखे चलाना अपराध है। कार्रवाई होने पर छह माह की सजा भी हो सकती है। यह आदेश सुप्रीम कोर्ट ने 2005 में दिया था जो अब कानून की शक्ल ले चुका है। फिर भी दिवाली पर रातभर पटाखे चलते हैं। देखा जाए तो आतिशबाजी को नियंत्रित करने की शुरुआत ही लापरवाही से है। विस्फोटक नियमावली 1983 और विस्फोटक अधिनियम के परिपालन में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट आदेश दिए थे कि 145 डेसीबल से अधिक ध्वनि तीव्रता के पटाखों का निर्माण, उपयोग और विक्रय गैरकानूनी है। प्रत्येक पटाखे पर केमिकल एक्सपायरी और एमआरपी के साथ–साथ उसकी तीव्रता भी अंकित होनी चाहिए। हालांकि बाजार में बिकने वाले पटाखों पर उसकी ध्वनि तीव्रता अंकित नहीं होती। बाजार में 500 डेसीबल की तीव्रता के पटाखे भी उपलब्ध हैं। यही नहीं, चीन से आए पटाखों में जहर की मात्र असीम है और इस पर कहीं कोई रोक–टोक नहीं है। 1कानून कहता है कि पटाखा छूटने के स्थल से चार मीटर के भीतर 145 डेसीबल से अधिक आवाज नहीं हो। अस्पताल, शैक्षणिक स्थल, न्यायालय परिसर और सक्षम अधिकारी द्वारा घोषित स्थल से 100 मीटर की परिधि में किसी भी तरह का शोर तो कभी नहीं किया जा सकता, लेकिन इस सबकी अनदेखी होती है। परंपरा और धर्म के नाम पर आतिशबाजी चलाने वालों को जानना चाहिए कि प्रदूषण से होने वाली मौतों में भारत शीर्ष पर रहा है। लैंसेट जर्नल में प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2015 में वायु, जल और दूसरी तरह के प्रदूषण की वजह से भारत में 25 लाख लोगों ने जान गंवाई। आतिशबाजी नियंत्रित करने के लिए दीपावली का इंतजार करने से बेहतर होगा कि पूरे साल पटाखों में प्रयुक्त सामग्री और उनकी आवाज पर नियंत्रण की कोशिश हो।

क्या आम लोगों की जिंदगी सस्ती है

झारखंड हाइकोर्ट के जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय ने 2015 में पलामू जिले में हुए कथित माओवादी–पुलिस मुठभेड़ की जांच के आदेश सीबीआइ को देते हुए टिप्पणी की कि राज्य की पुलिस और सीआइडी जैसी जांच एजेंसियों से लोगों का विश्वास डिग रहा है. इसके लिए स्वतंत्र जांच जरूरी है. पलामू जिले के सतबरवा थाना क्षेत्र के बकोरिया में नक्सली–पुलिस मुठभेड़ में बारह लोग मारे गये थे. शुरू से ही इस मुठभेड़ को लेकर सवाल उठ रहे थे. इसमें पांच नाबालिग लड़के भी मारे गये थे और मृतकों में एक पारा शिक्षक भी शामिल थे. तब इन सबको नक्सली बताया गया था. जांच में इन सबके नक्सली होने का साक्ष्य साबित नहीं हुआ. मानवाधिकार आयोग ने भी इस घटना को संज्ञान में लिया था और सामाजिक कार्यकर्ताओं की फैक्ट फाइंडिंग टीम ने मुठभेड़ को फर्जी करार दिया था. दुखद बात तो यह थी कि शासन और बड़े अधिकारियों द्वारा इस मुठभेड़ की जांच की गति को धीमा रखे जाने की खबर भी आती रही और जिन अधिकारियों ने मुठभेड़ को सही नहीं बताया, उनका तबादला भी कर दिया गया. प्रभात खबर ने भी इस मामले को प्रमुखता से उठाया था. बकोरिया कांड पर हाइकोर्ट की टिप्पणी के कई मायने हैं. यह प्रशासन और आम जनता के बीच के रिश्ते के संतुलन के लिए जरूरी है. यह इसलिए भी जरूरी है, ताकि विधायिका, कार्यपालिका और उसकी संस्थाओं की मनमानी और निरंकुशता पर शिकंजा कसती रहे. आम आदमी शासन के सामने खुद को छोटा और कमजोर महसूस करता है, उसके लिए अंतिम भरोसा न्यायपालिका ही रह जाता है. ऐसे में यदि न्यायपालिका उसके अधिकारों के संदर्भ में विधायिका और कार्यपालिका से सवाल करती है, तो आम आदमी का आत्मविश्वास

कायम रहता है. लोकतंत्र के होने का वास्तविक मतलब भी यही है. लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंदर न तो सामाजिक–धार्मिक संस्थाएं किसी नागरिक के संवैधानिक अधिकारों के खिलाफ फतवे जारी कर सकती हैं और न ही शासक वर्ग अपनी ताकत और दंभ का प्रदर्शन कर सकता है. आमतौर पर संवेदनशील क्षेत्रों में होनेवाली घटनाओं का विश्लेषण सत्ता के पक्ष में ही किया जाता है. ऐसे में मानवाधिकारों का उल्लंघन स्वाभाविक हो जाता है और स्थिति भयावह हो जाती है. पूर्वोत्तर और कश्मीर में भी ऐसी स्थितियां दिखी हैं, जहां फर्जी मुठभेड़ के कई मामले दर्ज हैं. गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2000 से 2012 तक सेना और पुलिस द्वारा पूर्वोत्तर में की गयी 1528 गैर–न्यायिक हत्याओं के मामलों की जांच का निर्देश भी दिया था. तब सुप्रीम कोर्ट ने सरकार और सीबीआइ को कड़ी फटकार लगायी थी.सुप्रीम कोर्ट की एक पीठ ने राजस्थान की अरावली पहाड़ियों में हो रहे अवैध खनन के मामले में कड़ी फटकार लगाते हुए कहा है कि अरावली में हो रहे खनन से राजस्थान को करीब पांच हजार करोड़ रुपये की रॉयल्टी मिलती है, लेकिन वह दिल्ली में रहनेवाले लाखों लोगों की जिंदगी को खतरे में नहीं डाल सकती है. अरावली पहाड़ी में बड़े पैमाने पर अवैध खनन के मामले आये हैं. इसमें से अब तक 31 पहाड़ियां गायब हो चुकी हैं. पहाड़ियों के खत्म होने का सीधा असर आम जीवन पर पड़ने लगा है. माना जा रहा है कि दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण का एक महत्वपूर्ण कारण यह भी है. पीठ के जस्टिस लोकुर ने कहा है कि यदि 'देश में पहाड़ियां गायब होंगी तो फिर क्या होगा? क्या लोग 'हनुमान' हो गये हैं जो पहाड़ियां ले जा रहे हैं?' खनन ताकतवर और पैसे वालों का पेशा है.

इनकी मजबूत राजनीतिक पकड़ होती है, और वे व्यवस्था में सेंधमारी कर मुनाफा कमाते हैं. अवैध खनन के क्षेत्र की बात तो अलग, जहां खनन की सरकारी अनुमति होती हैं, वहां भी प्रदूषण के मानकों का पालन नहीं किया जाता है, और बड़े पैमाने पर नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन किया जाता है. देश के आदिवासी क्षेत्र इसके उदाहरण हैं. स्थानीय समुदाय उसके खिलाफ आवाज उठाते हैं, लेकिन वह आवाज ताकतवर लोगों की दबिश से बाहर नहीं निकल पाती है. ऐसे में न्यायपालिका ही एकमात्र सहारा रह जाती है. लोकतांत्रिक व्यवस्था में जरूरी है आम जनता का भरोसा. यह भरोसा तभी कायम रह सकता है, जब शासन और उसकी नीतियां आम जन की पक्षधर हों. लेकिन अक्सर ताकतवर लोग अपनी महत्वाकांक्षा और दंभ का इस तरह प्रदर्शन करते हैं कि आम जन नीतिगत मामलों से दूर हो जाते हैं. संवैधानिक संस्थाएं ताकतवर लोगों का प्रतिबिंब बन जाती हैं, और समाज का मिथ इस तरह तैयार कर दिया जाता है कि सामान्य जिंदगी अपनी गरिमा खो देती है. एक रेलगाड़ी साठ से ज्यादा लोगों को रौंद देती है और जिम्मेदार लोग अचानक गायब हो जाते हैं. क्या आम लोगों की जिंदगी इतनी सस्ती है? अगर सब कुछ सत्ता में बैठे लोगों के हिसाब से चलता रहेगा, तो क्या आनेवाले समय में आम जिंदगियों को इस समाज से निकाल बाहर कर दिया जायेगा? इसलिए जरूरी है न्यायपालिका की सतर्कता. न्यायपालिका का पक्ष आम जन के लिए बहुत मायने रखता है. बांग्ला के मशहूर कवि नवारुण भट्टाचार्य कहते हैं– 'यह मृत्यु उपत्यका नहीं है मेरा देशध यह जल्लादों का उल्लास–मंच नहीं है मेरा देशध यह विस्तीर्ण श्मशान नहीं है मेरा देश, यह रक्त रंजित कसाईघर नहीं है मेरा देश'. किसी भी समाज में यह तभी संभव है, जब उसकी व्यवस्था प्रभुवर्ग के बजाय आम जन की पक्षधर हो.

सेहतमंद रहना है तो व्रत रखने से पहले और बाद में खाएं ये फूड्स

यूं तो हर उपवास का अपना महत्व होता है लेकिन करवा चौथ की बात जरा हटकर है। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए निर्जला व्रत रखती है।

ऐसे में व्रत से पहले और बाद में क्या खाया जाए इस बात का खास ख्याल रखना बहुत जरूरी है क्योंकि आपकी लापरवाही सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है। चलिए जानते हैं करवाचौथ व्रत रखने से पहले और बाद में आपको क्या सावधानी अपनानी चाहिए।

1. व्रत से पहले क्या खाएं

कई बार ऐसा होता है कि व्रत रखने की ब्रेसबी में महिलाएं पहले ही इतना कुछ खा लेती है कि व्रत वाले दिन उनका पेट खराब हो जाता है। ऐसे में व्रत से कुछ दिन पहले फलों के अलावा मल्टीग्रेन आटे की बनी चीजों का सेवन करते रहें। इससे आपके शरीर को ऊर्जा मिलती रहेगी और पेट की समस्याएं नहीं होगी। इसके अलावा दूध, दही, पनीर, छैने की बनी चीजें को अपनी डाइट में शामिल करें।

2. सरगी में क्या खाएं

–न खाएं मिठाई

करवाचौथ के दिन सूर्य उदय होने से पहले महिलाएं सरगी खाती हैं। इसे खाने के बाद महिलाएं पूरा दिन भूखी प्यासी रहती है। वैसे तो सरगी में मिठाई और ड्राईफ्रूट्स दिए जाते हैं। मगर इन्हें खाने से हो सकता है भूख तो मिट जाए लेकिन आप पूरे दिन आलस्य और कमजोरी महसूस करती हैं।

–मल्टीग्रेन ब्रेड और फल

अगर आप हंगर को कंट्रोल करना चाहती हैं तो आपको करवाचौथ के दिन सुबह मीठा खाना अवॉइड करें। अगर सरगी में कुछ खाना ही है तो आपको मल्टीग्रेन ब्रेड, फल, सेवियां खानी चाहिए। यह आपको लंबे समय तक भूखा रहने में मदद करेगी।

–दूध और फेनिया

सेहत के लिहाज से दूध और फेनिया बहुत फायदेमंद होती है। प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट होने के कारण इसका सेवन आपको दिनभर एनर्जी देता है। ऐसे में सरगी में 1 कटोरी फेनिया खाना न भूलें।

–खाएं होममेड पनीर

आपको सरगी में दूध से बना आइटम खाना चाहिए हो सके तो आपको घर पर बना पनीर खाना चाहिए। हो सके तो घर पर बने पनीर का सेवन करें। इसमें हाई प्रोटीन होता है, जो आपको लंबे समय तक भूखा प्यासा रहने में मदद करता हैं।

–चाय–कॉफी से भी रहें दूर

कुछ महिलाएं करवाचौथ के फास्ट में जूस, कॉफी या चाय पी लेती हैं। मगर ऐसा करने से आपको एसिडिटी की प्रॉब्लम हो सकती है। दरअसल, खाली पेट कैफीन या विटामिन सी लेने से पेट में एसिड बनने लगता है इसलिए व्रत वाले दिन इन चीजों से दूर रहना ही आपके लिए बेहतर है।

3. व्रत के बाद क्या खाएं

–हल्का–फुल्का भोजन

व्रत खोलने के बाद एकदम से मसालेदार भोजन लेना सही नहीं है। व्रत के बाद हल्का–फुल्का भोजन लें। आप चाहें तो जूस से शुरुआत कर सकती हैं। ऐसा आहार लें जो आसानी से पच जाए। चावल व अन्य ऐसे आहार से दूर रहें जो पाचन में अधिक समय लेते हैं।

–कार्बोहाइड्रेट्स युक्त भोजन

व्रत के बाद आपके शरीर में कमजोरी आ जाती है। ऐसे में आपको दही, पनीर या फिर ऐसा फूड आइटम खाएं जिसमे हाई क्वालिटी कार्बोहाइड्रेट्स हो। इससे शरीर में खोई हुई एनर्जी वापिस आ जाएगी।

–भरपूर पानी पीएं

व्रत खोलने के बाद कम से कम 2 गिलास पानी जरूर पीएं। व्रत खोलने के तुरंत बाद भरपेट खाना खाने से भी आपको पेट की दिक्कत हो सकती है इसलिए भोजन को 3 हिस्सों में लें।

–नींबू पानी का सेवन

शरीर में पानी की मात्रा को बैलेंस करने के लिए डिनर के बाद नींबू पानी जरूर पीएं। इससे आपको खाना डाइजेस्ट करने में बहुत मदद मिलेगी। इसके साथ ही सोने से पहले 3 से 4 गिलास पानी जरूर पीना न भूलें।

ऐसे ५ कारण जो बढ़ाते है दिमाग में सूजन का खतरा

दिमाग का काम है शरीर को ठीक ढंग से चलाना। मगर जब इसमें सूजन आना खतरनाक होता है। दिमाग में सूजन आने से सिरदर्द, गर्दन दर्द, चक्कर आने और आंखों के आगे अंधेरा छाना जैसी समस्याएं होने लगती है। अगर समय रहते इनका इलाज ना करवाया जाए तो यह परेशानियां बड़ी बीमारी का रूप भी ले सकती है। ऐसे में स्वस्थ रहने के लिए मस्तिष्क में सूजन होने के कारणों के बारे में जान लेना बहुत जरूरी होता है ताकि इससे बचा जा सके।

1. ज्यादा पानी पीने के कारण सूजन

ज्यादा से ज्यादा पानी पीने से शरीर के कई हिस्सों में सूजन आ जाती है। उन्हीं में से एक है दिमाग। हाल ही में हुए शोध में पता चला है कि ज्यादा मात्रा में पानी पीने से शरीर में सोडियम की मात्रा बहुत ज्यादा कम हो जाती है, जिससे मस्तिष्त में सूजन आने लगती है।

2. वायरस और बैक्टीरिया के कारण

मेनिनजाइटिस, इंसेफ्लाइटिस, टॉक्सोप्लाज्मोसिस आदि इंफेक्शन के कारण सिर में सूजन होने लगती है। इसके अलावा पत्तागोभी खाने से भी यह समस्या हो सकती है।

3. सिर की गंभीर चोट

सिर पर गंभीर चोट लगाने के कारण भी दिमाग में सूजन आ जाती है। कई बार रोड एक्सीडेंट या सिर पर किसी बाहरी चीज से चोट लगने के कारण दिमाग की हड्डियां टूट जाती है जिससे वह अपनी जगह से खिसकर नसों में चली जाती हैं। इससे दिमाग को पूरी तरह से खून नहीं पहुंच पाता, जो दिमाग में सूजन का सबसे बड़ा कारण है।

4. बहुत ऊंचाई पर चढ़ने से दिमाग में सूजन

कुछ लोगों को ऊंचाई पर चढ़ने के कारण भी दिमाग में सूजन आने लगती है। ऐसा आमतौर पर उन लोगों के साथ होता है जो पहाड़ी क्षेत्र या फिर ज्यादा ऊंचाई पर नहीं जाते ।

5. ब्रेन हैमरेज या स्ट्रोक

ब्रेन हैमरेज या स्ट्रोक होने पर खून का थक्का जम जाता है। ऐसा होने किसी भी इंसान के लिए बहुत खतरनाक होता है। ब्लड प्रेशर बढ़ने से ब्रेन हैमरेज बढ़ता है। प्रेशर बढ़ने पर दिमाग की नसे फट जाती हैं।

नो इंट्री के सीक्वल में काम करेंगे अर्जुन कपूर

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर सुपरहिट फिल्म नो इंट्री के सीक्वल में काम करते नजर आ सकते हैं। वर्ष 2005 में रिलीज अनीस बज्मी निर्देशित नो इंट्री में सलमान खान, फरदीन खान, अनिल कपूर, लारा दत्ता और बिपाशा बसु ने मुख्य भूमिका निभाई थी। काफी समय से फिल्म के सीक्वल 'नो एंट्री में एंट्री' की प्लानिंग चल रही है लेकिन बात नहीं बन पा रही। अर्जुन कपूर ने फिल्म के सीक्वल में काम करने की मंजूरी दे दी है। अनीस बज्मी ने पूर्व में जब फिल्म के सीक्वल की घोषणा की थी तो कहा था कि सलमान बेहतरीन एक्टर हैं और वो उनके साथ ही इस सीक्वल पर काम करना चाहते हैं लेकिन, यदि सलमान इस फिल्म में नहीं होंगे, हम तब भी यह फिल्म बनाएंगे। नए एक्टर की तलाश करेंगे और उस हिसाब से स्टोरी लाइन को भी एडजस्ट किया जाएगा। बताया जा रहा है कि फिल्म की कासिंटग में अभी काफी बदलाव आने वाले हैं। फरदीन के रोल के लिए भी नए एक्टर की तलाश जारी है, वहीं अभिनेत्रियों की कासिंटग पर भी बातें चल रही हैं। सिर्फ अनिल कपूर और अर्जुन अब तक 'नो एंट्री में एंट्री' के लिए कन्फर्म है। इस फिल्म को अर्जुन के पिता बोनी कपूर प्रोड्यूस करेंगे, जिन्होंने 'नो एंट्री' भी प्रोड्यूस की थी। कहा जा रहा है कि इस फिल्म की शूटिंग अगले साल सितंबर में शुरू होगी और फिल्म 2020 में रिलीज की जाएगी।

सती–सावित्री बनी राखी ने तनुश्री को कहा लेस्बियन

बॉलीवुड एक्ट्रेस राखी सावंत अक्सर विवादित बयानों को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। तनुश्री दत्ता और नाना पाटेकर विवाद को लेकर राखी ने तनुश्री पर आरोप लगाते हुए कहा था कि तनुश्री ड्रग्स लेकर अपनी वैन में पड़ी हुई थीं। उनके आरोप लगाने के बाद तनुश्री ने राखी पर मानहानि का केस करते हुए 10 करोड़ का हर्जाना मांगा। हाल ही में राखी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान तनुश्री पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राखी साड़ी पहने हुए सिर पर पल्लू रखकर पहुंचीं। राखी ने कहा कि मुझे बहुत दुख हो रहा है। आज मैं बहुत उदास हूं। बहुत हो गया मीटू, अब मैं मज्वव की शुरुआत करना चाहती हूं। आज मैं दुनघ्या को वो सच बताना चाहती हूं, जो 12 साल तक छघ्पाए रखा। अपने चेहरे को छघ्पाते हुए राखी ने कांपती आवाज में कहा कि तनुश्री ने मेरा बार–बार रेप किया है। राखी ने कहा, मुझे ये सब बोलने में मुझे दुख हो रहा है, लेकिन मेरे साथ अत्याचार हुआ है। मुझे मारने की धमकी मिल रही है। मुझे गैंगरेप की धमकियां मिल रही हैं।ष उन्होंने कहा कि मेरे साथ कई बार रेप किया गया। तनुश्री दत्ता ने मेरे प्राइवेट पार्ट को छुआ। उसने मुझे कहीं का नहीं छोड़ा। राखी सावंत ने मीडघ्या के सामने कहा,ष्तनुश्री तुम मुझे इतना चाहती हो, मुझे पता नहीं था। तनु ने मेरे लिए अपने बाल भी मुंडवा दघ्ए। उसने मुझे खुद बताया था, लेकिन अब तुम गेम कर रही हो। तुम बस इंडस्ट्री को बदनाम कर रही हो। नारको टेस्ट नाना पाटेकर का नहीं तनुश्री का होना चाहघ्ए। आप लोग सोच रहे होंगे कि एक लड़की किसी लड़की का रेप कैसे कर सकती है। तो मैं बता दूं तनुश्री का सबसे बड़ा सच ये है कि वो लेस्बियन है।उन्होंने कहा कि वो अंदर से एक लड़का है। वो मुझे रेव पार्टी में ले जाती थी। वहां नशीले पदार्थ लेती थी। कई बार सघ्गरेट से तंबाकू निकालकर उसमें कोई हरे रंग की चीज भरती थी। उसने मुझे जबरदस्ती ये सब पघ्लाया। पीने के बाद मेरा हाल ऐसा होता था, जैसे मैं उड़ रही हूं।

राखी ने कहा कि तुनश्री 12 साल पहले मेरी बेस्ट फ्रेंड थी। मैं नादान थी, सारी बातों से अनजान थी, लेकिन आज मैं अपनी आपबीती सुना रही हूं। सिर्फ मर्द रेप नहीं करते, एक लड़की भी रेप कर सकती है। ये सुनकर लोग हंस रहे होंगे, लेकिन ये सच है। तनुश्री ने बार–बार मेरा रेप किया। बता दें कि तनुश्री ने नाना पाटेकर पर शूटिंग के दौरान बदतमीजी और छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। उन्होंने 2008 में एक फिल्म की शूटिंग के दौरान नाना पर अपने साथ जोर–जबरदस्ती की कोशिश का आरोप लगाया। नाना के साथ–साथ उन्होंने कोरियोग्राफर गणेश आचार्य, डायरेक्टर राकेश सारंग और प्रोड्यूसर सामी सिद्दीकी पर निशाना साधा। वहीं, प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद अपने उपर लगे आरोपों को नाना पाटेकर ने गलत बताया। वहीं, इस आरोप को सुनने के बाद राखी ने नाना पाटेकर को सपोर्ट करते हुए तनुश्री पर कई आरोप लगाए। राखी पूरे विवाद में खुलकर नाना पाटेकर का समर्थन कर रही हैं और उन्हें बेकसूर बता रही हैं।

बदलते समय का संकेत 'मीटू'

वरिष्ठ कामकाजी महिलाओं का भारतीय दफ्तरों में बड़े–बड़े ओहदों पर काबिज यौन उत्पीड़कों को बेनकाब करने का निडर 'मीटू अभियान' अब जिस तरह मीडिया से लेकर राजनीति तक को लपेटे में ले रहा है, वह बदलते समय का संकेत है. एक क्षण आता है, जब बात बर्दाश्त से बाहर हो जाती है. दर्जनों वरिष्ठ सम्मानित महिला मीडियाकर्मी जिस तरह निजी साक्ष्य देकर आज अपने भोगे यथार्थ के खुले ब्योरे बता रही हैं, उनसे किसी भी राज–समाज का माथा शर्म से झुकना ही चाहिए. निर्भया मामले के उजास में अब इसे सोशल मीडिया का फितूर या आत्मप्रचार का हथकंडा कहकर टाला या खिसियाये झूठमूठ के साथ 'भारत में ऐसा हो ही नहीं सकता', कहकर खारिज नहीं किया जा सकता. आजादी के बाद अगर सबसे अधिक विकास कहीं दिखता है, तो हमारे शहरी मध्यवर्ग में. इसके सुफल महिलाओं की झोली में भी जाते रहे हैं. खुली सोच वाले परिवारों की महिलाओं को सत्तर के दशक तक घर की चहारदीवारी से बाहर आकर मनचाहे क्षेत्र में काम करने की आजादी भी पहली बार मिली. उस पीढ़ी के पास पूर्ववर्ती रोल मॉडल बहुत कम थे. मेरी तरह ही मध्यवर्ग की पढ़ी–लिखी लड़कियों की वह पहली जमात थी, जिसने तमाम कड़वे–मीठे अनुभवों के साथ उच्च शिक्षा संस्थानों में पढ़ाने से लेकर मीडिया तक हर क्षेत्र में काम किया, पैठ बनायी और अपनी मेहनत व हुनर से उच्चतम पदों पर पहुंचीं. यही प्रक्रिया बैंकिंग, सेवा क्षेत्र, डिजिटल तकनीकी तथा प्रशासकीय सेवाओं जैसे अन्य क्षेत्रों में भी हुई. इसका फायदा परवर्ती पीढ़ियों को मिला. इसीलिए कार्यक्षेत्र में नयी शहरी महिला कर्मियों की मांगों का दायरा अब पहले की तरह समान वेतन, महिला शौचालय या क्रेश सुविधा पाना नहीं. अब वे महिलाओं की कामकाजी जिंदगी के सबसे बड़े, पर अब तक अनकहे सच को शेरदिल बनकर सामने ले आयी हैं, जो उनके काम, तरक्की और तन–मन को दीमक की तरह कुतरता आया है.

पुरुषों की छेड़छाड़, पुरुष सहकर्मियों द्वारा अपने शरीर या कपड़ों पर शर्मसार करनेवाले चुटकुले सुनने को बाध्य होना या मीटिंग्स में उनकी दबंगई को अब तक महिलाओं ने तो बर्दाश्त किया, पर परिवार समर्थित और सोशल मीडिया की मार्फत पुरुष दबंगई और यौन दबावों पर महिलाओं के सशक्त पलटवार से वाकिफ आज की भारतीय 'मीटू' पीढ़ी चुप्पी नहीं साधती. वह नाम लो और शर्मिंदा करो (नेम एंड शेम) की पक्षपाती है. शहर से गांव तक, घरों या कार्यक्षेत्रों में बच्चियों और युवतियों का यौन उत्पीड़न होता है, यह बात वह कई बार खुद मौका–ए–वारदात पर जाकर रिपोर्ट करती रही है. उसने वहां का महिला विरोधी वातावरण और नेताओं के 'लड़के हैं, माफ कर दो' जैसा दोमुंहापन भी काफी उजागर किया है. पुरुष लेखक या रिपोर्टरों से एक कदम आगे जाकर वे बता रही हैं कि जिसका उत्पीड़न किया जाता है. किस तरह एक नादान मीडिया प्रशिक्षु बनकर किसी बड़े अखबार में जाने के बाद वहां के वरिष्ठतम पुरुष पहले उनका भरोसा जीतते हैं, फिर अकेले में बुलाकर डराकर या शर्मसार कर उनका यौन उत्पीड़न करते हैं. ऐसी घटनाओं से किस तरह वे खुद अपने वजूद और शरीर से घृणा करने को बाध्य हो जाती हैं, यह बात पिछले दिनों दर्जनों महिलाओं ने खुलकर बतायी है. इन बयानों से गुजरना गहराई से हमारी अंतरात्मा को झकझोरनेवाला होना चाहिए. लेकिन, जहां आम नागरिक इन बेबाक उद्घाटनों से पहली बार यौन–भेदभाव के सबसे घिनौने सच से रूबरू हुए हैं, वहीं ताकतवर उत्पीड़क हमेशा की तरह शक का फायदा उठाने की फिराक में हैं, और युवतियों को कोर्ट में घसीटने की धमकियां देने पर उतारू हैं. तीन बातों से समझदार न्यायप्रिय लोगों को काफी चुभन महसूस हो रही है. एक, अगर हम लगातार महिलाओं को अच्छी शिक्षा देकर उन्हें पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर काम करने का सपना दिखाते हैं, तो फिर इसकी भी पूरी जिम्मेदारी राज–समाज पर है कि कार्यक्षेत्र में युवतियों के शोषण की हर शिकायत को, अगर वे यौन उत्पीड़न से जुड़ी हों, निर्भया कांड के बाद वर्मा कमिटी के सुझावों पर संशोधित यौन उत्पीड़न निरोधी कानूनों के उजास में परखा जाये, ताकि उत्पीड़ित को तुरंत न्याय मिले. दूसरे, राजनीतिक स्पर्धा और चुनावी प्रचार को ढाल बनाकर अपने लिए शर्मिंदगी पैदा करनेवाले किसी भी मामले को राजनीतिक शत्रुता के तहत रचा गया षड्यंत्र बताना बंद हो. तीसरे, सारा ठीकरा मीडिया के सिर पर फोड़ते हुए इसे टीआरपी बढ़ाने का हथकंडा या सोशल मीडिया में पैठे ट्रोल्स का काला कारनामा बताकर रफा–दफा न किया जाये. ये तीनों बातें आपस में जुड़ी हैं, और सिर्फ समझदारों की चिंता या सार्वजनिक प्रदर्शनों से स्थिति का कोई तसल्लीबख्श हल नहीं निकल सकता. संसद में विपक्ष से जूझनेवाली स्मृति ईरानी या निर्मला सीतारमण सरीखी ताकतवर मंत्रियों की तुलना में यहां महिला बाल कल्याण मंत्री मेनका गांधी इस सरकार की संवेदनशील महिला मंत्रियों में से एक साबित हुई हैं. उन्होंने क्षोभ जताते हुए कहा कि वे अपनी आपबीती खुलकर बयान करनेवाली युवा लड़कियों के साहस की दाद देती हैं. उनकी तरफ से केंद्र सरकार को सुझाव भेजा गया कि एक चार जजोंवाली समिति इन मामलों की खुली सुनवाई करे और उनके मंत्रालय को सुझाव दे कि इन तकलीफों का स्थायी निराकरण कैसे हो. लेकिन, इस समिति में कौन–कौन हो, इसके पहले यह खोजना जरूरी है कि न्यायपालिका के साथ रिश्तों को लेकर इस सरकार की अपनी छवि कैसी रही है? कानून का अंकुश प्रभावी बना रहे, इसके लिए राष्ट्रीय जीवन के हर क्षेत्र में पवित्र आचरणों का पालन जरूरी है. इनमें से एक है कि जिस भी मंत्री पर घृणित आरोप लगे हों, राजनीतिक दुर्भावना की चिंदी सामने रखकर उसका बचाव न किया जाये. उत्पीड़ित महिलाओं के सवालों के अभी कोई निश्चित उत्तर नहीं हैं. लेकिन, एक बात साफ है कि कार्यक्षेत्र में यौन उत्पीड़न पर संस्थागत और सरकारी दोनों ही तरीके से रोक लगानी जरूरी है. यहां मीडिया की तारीफ करनी होगी कि वह पुरुष आधिपत्यवाला और कनफटा भले दिखता हो, पर अधिकतर जिम्मेदार संस्थान प्रमुखों ने खुलकर महिलाओं का पक्ष लिया है और आरोपितों को तत्काल प्रभाव से भीतरी सुनवाई के बाद फैसला आने तक पदमुक्त कर दिया है. उनका न्यायबोध वेतनभोगी सरकारी लोगों से तो कहीं अधिक प्रामाणिक है. इसके बाद भी सामान्यतरू चबर–चबर बोलनेवाले सत्तारूढ़ राजनेता मौकापरस्त चुप्पी बनाये रखें, तो उनको खुद को जनमत का बेहतर प्रवक्ता मानने का कोई हक नहीं रह जाता.

मुस्लिमों के खैरख्वाह थे पटेल

एक हकीकत थी 1947 के इतिहास की। इस्लामी पाकिस्तान के बनते ही यदि खंडित भारत एक हिन्दू राष्ट्र घोषित हो जाता, तो उन्माद के उस दौर में शायद ही कोई उसका सबल विरोध कर पाता। मगर सरदार वल्लभभाई झवेरदास पटेल ने इसका पुरजोर प्रतिरोध किया। सांप्रदायिक जुनून को रोका। भारत पंथनिरपेक्ष रहा। आजादी के ठीक दो महीने दस दिन पूर्व (5 जून 1947) बी.एम.बिड़ला ने सरदार पटेल को लिखा था रू ''क्या अब सोचने का यह समय नहीं आ गया है कि भारत को हिन्दू राज्य और राज्यधर्म के रूप में हिन्दुत्व पर विचार करें?' (सरदार पटेल रू मुसलमान और शरणार्थी'', स्व. पी.एन. चोपड़ा और डा.प्रभा चोपड़ा, प्रभात प्रकाशन, रू 2006)। पढ़कर सरदार पटेल आक्रोशित हुए और जवाब में लिखा, ''मैं यह नहीं सोचता कि हिन्दुस्तान के राजधर्म के रूप में हिन्दुत्व और एक हिन्दुत्ववादी देश जैसा देखना संभव होगा। हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि ऐसे भी अन्य अल्पसंख्यक वर्ग हैं, जिनकी रक्षा हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। जाति अथवा धर्म पर ध्यान दिए बिना, देश या राज्य का अस्तित्व सभी के लिए होना चाहिए।' फिर भी जब जवाहरलाल नेहरू की सेक्युलर सोच से तुलना के समय लोग सरदार पटेल की मुस्लिम–विरोधी छवि विरूपित करते हैं तो इतिहास–बोध से अपनी अनभिज्ञता वे दर्शाते हैं, अथवा सोच–समझकर अपनी दृष्टि ऐंची करते हैं। स्वभावतरू पटेल में किसानमार्का अक्खड़पन था। बेबाकी उनकी फितरत रही। लखनऊ की एक आम सभा (6 जनवरी 1948) में पटेल ने कहा था, ''भारतीय मुसलमानों को सोचना होगा कि अब वे दो घोड़ों पर सवारी नहीं कर सकते।' इसे भारत में रह गए मुसलमानों ने हिन्दुओं द्वारा ऐलान–ए–जंग कहा था। पटेल की इस उक्ति की भौगोलिक पृष्ठभूमि रही थी। अवध के अधिकांश मुसलमान जिन्ना के पाकिस्तानी आंदोलन के हरावल दस्ते में रहे। उनके पुरोधा थे चौधरी खलिकुज्जमां। मुसलमानों की बाबत पटेल के कड़वे मगर स्पष्टवादी उद्गार का अनुमान इस तय से भी लगाया जा सकता है कि अनन्य गांधीवादी होने के बावजूद वे सियासत और मजहब के घालमेल के कट्टर विरोधी थे। उनके निधन के दो वर्ष बाद से भारत में संसदीय और विधान मंडलीय प्रत्यक्ष मतदान पघ्राली शुरू हुई थी। तभी से सोच पर वोट का असर हो चला था। अतरू जवाहरलाल नेहरू के लिए तुष्टिकरण एक चुनावी विवशता और सियासी अपरिहार्यता बन गई थी। मुसलमानों के प्रति अनुराग, उनकी खैरख्वाही सरदार पटेल में 1931 से ही बढ़ी थी, जब वे राष्ट्रीय कांग्रेस के कराची अधिवेशन के सभापति निर्वाचित हुए थे। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में पटेल ने संकल्प किया था कि स्वाधीन भारत के संविधान का आधार समस्त समुदायों की समता पर होगा। हर अल्पसंख्यक के लिए कानूनी सुरक्षाएं समाहित होंगी। सीमान्त गांधी खान अब्दुल गफ्फार खान, जिन्हें पटेल आदर्श मुसलमान मानते थे, ने पटेल की घोषणा की प्रशंसा की थी। पटेल ने सार्वजनिक मंच से तब कहा कि वे कोरे कागज पर अपनी स्वीकृति लिख देंगे कि जो भी कानूनी गारंटी आजाद हिन्द में मुसलमान चाहते हैं, उन्हें कांग्रेस सरकार पूरा करेगी। मंदिर–मजार का उल्लेख बहुधा होता रहता है ताकि राजनयिक की पंथनिरपेक्ष सोच सिद्ध होती रहे। इस बिन्दु पर पटेल को कोई लाग–लपेट नहीं रही। वे अहमदाबाद म्युनिसिपल बोर्ड के अध्यक्ष (1917–1922) रहे। विकासोन्मुखी नगर की सड़कों की फुटपाथें तब मंदिरों से पटी थीं। पटेल ने खुद खड़े होकर तुड़वाए। ये पूजास्थल बिना नक्शा पास कराए, सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण द्वारा निर्मित हुए थे। पटेल को हिन्दूपरस्त करार देने वाले विभाजन के वक्त दंगाग्रस्त दिल्ली में गृहमंत्री पटेल की भूमिका का खासकर उल्लेख करते हैं। तब पटेल से बढ़कर शायद ही कोई मुसलमानों की हिफाजत का इतना बड़ा अलमबरदार रहा हो। दिल्ली के प्रथम चीफ कमिश्नर के पद पर पटेल ने मुसलमान प्रासनिक अधिकारी को नियुक्त किया। उच्च न्यायालय (मद्रास) में बशीर अहमद को भेजा हालांकि प्रधान न्यायाधीश कानिया ने इसका विरोध किया था। उन्हीं दिनों उमरी बैंक को हिन्दू दंगाइयों ने लूटने की कोशिश की। इसमें अधिकतर मुसलिम जमाकर्ताओं की पूंजी लगी थी। पटेल ने विशेष टुकड़ी तैनात की थी। बैंक बचा रहा। नेहरू के बजाय पटेल, जेपी के आकलन में, योग्यतर प्रधानमंत्री होते। इन सोशलिस्टों द्वारा हिन्दूवादी होने के मियारोप के बावजूद, पटेल ने हिन्दू महासभा को दंडित किया। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ को इतिहास में पहली बार (2 फरवरी 1948) प्रतिबंधित किया। उन्होंने सरसंघचालक गुरु माधव गोलवालकर को चेतावनी (11 सितम्बर 1948) दी कि उनका संगठन हिन्दुओं का संरक्षक है, मगर उसे मुसलमानों पर आक्रमण करने का हक नहीं है। मुसलमानों से हार्दिक सरोकार रखने वाले पटेल का नायाब उदाहरण मिलता है, जब 30 जनवरी 1948 को सूचना व प्रसारण मंत्री के नाते पटेल ने आकाशवाणी से बार–बार घोषणा कराई की बापू का हत्यारा हिन्दू था। पुणो का चितपावन विप्र नाथूराम गोड्से हिन्दू महासभा का सक्रिय सदस्य था।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक
हेमन्त कुमार मिश्रा
द्वारा पिन वर्क पब्लिकेशन हाउस, दादाबाड़ी कम्पाउन्ड, ठाकुरगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित
संपादक
हेमन्त कुमार मिश्रा
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न किसी भी प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद लखनऊ न्यायालय होगा।
इस अंक में प्रकाशित समाचारों में किसी प्रकार की आपत्ति होने पर सात दिन के अंदर खंडन भेजे अन्यथा समाचार ''सत्य'' माना जायेगा।
संपादक
crimereview2012@gmail.com
मो: 9454552222